THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 333 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.12, 2082 शनिवार, 28 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

परिवार संग होली मना सकेगा नीतीश कटारा हत्याकांड का दोषी, सुप्रीम कोर्ट ने दी सात दिन की फरलो

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दोषी विकास यादव की याचिका मंजूर की। विकास यादव 2002 में व्यवसायी नीतीश कटारा की हत्या के लिए 25 साल की जेल की सजा काट रहा है। उसने जेल से होली पर परिवार के साथ समय बिताने के लिए रिहाई की मांग की थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि विकास यादव ने अब तक 23 साल की सजा पूरी कर ली है। इसलिए उसे सात मार्च तक रिहाई की अनुमति दी गई है। इस दौरान वह अपने परिवार के साथ होली मना सकेगा।

पीएम ने सीरियाई चर्च के प्रमुख से की मुलाकात

> कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 'एंटिओक और ऑल द ईस्ट' के पैट्रिआर्क और यूनिवर्सल सीरिएक ऑर्थोडॉक्स चर्च के सर्वोच्च प्रमुख, 'हिज होलीनेस मोरन मोर इग्नेशियस एफ्रेम II' से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान भाजपा की केरल स्टेट यूनिट के प्रेसिडेंट राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। इस खास मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि हिज होलीनेस मोरन मोर इग्नेशियस एफ्रेम II से मिलकर वे सम्मानित महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि उनके बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहुत अच्छी और सकारात्मक चर्चा हुई है। वहीं, प्रधानमंत्री से मिलने के बाद हिज होलीनेस ने भी सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने इस मुलाकात को बहुत ही सार्थक और प्रेरणा देने वाली बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करना हमेशा से भारत जैसे महान देश की मूल भावना का हिस्सा रहा है।

पीएम मोदी ने इजरायल दौरे का अनुभव साझा किया

'हमारी पार्टनरशिप आगे बढ़ती रहे'

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय इस्राइल दौरे से वापस लौट चुके हैं। भारत लौटने के बाद पीएम मोदी ने अपने इस्राइल दौरे का अनुभव साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने इस दौरे की अहम बातों को वीडियो में शेयर किया है। वीडियो में इस्राइल दौरे के दौरान पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत, इस्राइल में भारतीय समुदाय के साथ उनकी मुलाकात, उनके आगमन पर भारतीय सांस्कृतिक नृत्य, इजरायली संसद में प्रधानमंत्री का स्वागत, तालियों और नारों की गूंज की झलकियां दिखाई गई हैं। इसके साथ ही इस्राइली संसद में पीएम मोदी का संबोधन, इस्राइल का सर्वोच्च सम्मान मिलना और दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए गए एमओयू के पलों को भी दिखाया गया। इस वीडियो को साझा कर पीएम मोदी ने लिखा, 'इस्राइल की खास यात्रा की कुछ खास बातें, जिसमें अच्छी बातचीत और मजबूत सहयोग शामिल था।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में बरी होने पर पूर्व सांसद के. कविता ने कहा

> सत्यमेव जयते, प्रतिशोध के तहत फंसाने की साजिश थी

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी के. कविता को दिल्ली की एक अदालत ने बरी कर दिया। तेलंगाना जागृति की संस्थापक के. कविता ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए 'सत्यमेव जयते' (सत्य की जीत होती है) की बात कही है। कविता ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उन्हें फंसाने की एक साजिश थी।

के कविता ने हैदराबाद में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में झूठ के जाल को काटा है। यह मामला तब चर्चा में आया जब कविता को मार्च 2024 में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद उन्हें अगस्त 2024 को दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा किया गया था।

17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और इनमें कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपये का फायदा होगा। सरकार ने लाइसेंस की फीस भी कई गुना बढ़ा दी। जिस एल-1 लाइसेंस के लिए पहले ठेकेदारों को 25 लाख देना पड़ता था, नई शराब नीति लागू होने के बाद उसके लिए ठेकेदारों को पांच करोड़ रुपये चुकाने पड़े। इसी तरह अन्य कैटेगिरी में भी लाइसेंस की फीस में काफी बढ़ोतरी हुई।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान में जंग के हालात

274 अफगान लड़ाके मारे, 400 से ज्यादा घायल : पाक

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालात जंग जैसे हो गए हैं। पाकिस्तान एयरफोर्स ने अफगानिस्तान के कई इलाकों में फिर से एयरस्ट्राइक की है। वहीं तालिबान ने दावा किया है कि उसने इस्लामाबाद के फैजाबाद सैन्य ठिकाने समेत कई अहम ठिकानों को निशाना बनाया।

संघर्ष की शुरुआत गुरुवार रात हुई, जब अफगानिस्तान ने 22 फरवरी को हुए पाकिस्तानी हमले के जवाब में कार्रवाई की। टोलो न्यूज के मुताबिक तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 'गजब लिल हक' नाम का ऑपरेशन शुरू किया और काबुल समेत कई प्रांतों में हमले किए। पाकिस्तान का दावा है कि उसके हमलों में 274 अफगान लड़ाके मारे गए, जबकि 400 से ज्यादा घायल हैं। दोनों तरफ से करीब 300 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। भारत ने भी पाकिस्तान के हमलों की निंदा करते हुए अफगानिस्तान का समर्थन किया है। अफगान मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाकों ने एक पाकिस्तानी जेट भी मार गिराया है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अफगान सरकार का दावा है कि 23 पाकिस्तानी सैनिकों के शव उसके पास हैं। पाकिस्तानी सेना के एक हेडक्वॉर्टर और 19 चौकियों पर भी कब्जा कर लिया गया है। पाक रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे सब्र की सीमा पार हो चुकी है, अब हमारे और आपके बीच खुला युद्ध छिड़ गया है।

केजरीवाल और मनीष सिसोदिया दिल्ली शराब घोटाला मामले में बरी

कोर्ट ने कहा-सीबीआई के आरोप में दम नहीं, सबूत अपर्याप्त

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े बहुचर्चित कथित घोटाले मामले में बड़ी राहत देते हुए अदालत ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सका जिसके चलते दोनों नेताओं को आरोपों से मुक्त किया जाता है। बरी होने के बाद अरविंद केजरीवाल मीडिया से बात करते हुए फूट-फूटकर रोए। कोर्ट से बरी होने के बाद आप संयोजक ने कहा कि सत्य की जीत हुई। आजाद भारत का सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा गया। हमें भ्रष्टाचारी बताया गया। आम आदमी पार्टी के पांच सबसे बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को जेल में घसीटा गया और 6 महीने तक जेल में रखा गया। संबंधित न्यूज-पेज 5 पर।

'मोदी, शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा'

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में बरी होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूर्व सीएम ने कहा-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा। वे आप को हरा नहीं पाए तो खत्म करने जुट गए। केजरीवाल ने कहा-आज मेरे दिल से बड़ा बोझ उतर गया है। मोदी-शाह ने हमारे खिलाफ इतने केस बनाए। हमारे पीछे, सीबीआई, पुलिस छोड़ी। एक समय आप के टॉप 5 नेता जेलमें थे, लेकिन आप कुछ नहीं बिगाड़ सके। अब तो केवल कत्ल कराकर ही केजरीवाल को कंट्रोल कर सकते हैं। पूर्व सीएम ने कहा-भाजपा ने पिछले 4 साल 'शराब घोटाला' शब्द का खूब इस्तेमाल किया। आज के समय में जब सारी संस्थाओं, अथॉरिटीज को धमकाया का जा रहा है तब कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। इतना बड़ा न्याय करने के लिए जज साहब ने वाकई बहुत हिम्मत दिखाई है।

सियासी दलों की एक चरण में तमिलनाडु चुनाव कराने की मांग

> सीईसी बोले-सारी चीजें ध्यान में रखकर लेंगे फैसला

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तमिलनाडु के चुनावी इतिहास और आगामी चुनावों से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा कि तमिलनाडु में पार्टियों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का सुझाव दिया है और इस पर सभी कारकों पर विचार करने के बाद फैसला लिया जाएगा। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग का 'चुनाव के चरणों' को लेकर निर्णय चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने राज्य के 'गौरवशाली लोकतांत्रिक अतीत' का उल्लेख करते हुए प्राचीन 'कुडवोलाई' प्रणाली का भी जिक्र किया, जो दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें तमिलनाडु में कितनी गहरी हैं।

निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया का आश्वासन

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र कर चुनाव आयोग के 'पारदर्शी उद्देश्य' पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी योग्य व्यक्ति को मतदान प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा जाएगा और न ही किसी अयोग्य व्यक्ति को शामिल होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी हों। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि तमिलनाडु में सभी 75,000 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

चुनाव आयोग की ओर से तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को और अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने के लिए कई नई पहलों की घोषणा की गई। इनमें से एक प्रमुख पहल यह है कि पोस्टल बैलेट की गिनती इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की मतगणना से दो चरण पहले की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट किया गया कि वीवीपैट की गिनती अनिवार्य रूप से की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना समाप्त होने के बाद भी, कोई भी उम्मीदवार एक निश्चित शुल्क का भुगतान करके अगले सात दिनों के भीतर ईवीएम के वोटों का वीवीपैट पर्चियों से मिलान करवा सकता है।

बंगाल एसआईआर में तैनात अधिकारी भटककर ओडिशा पहुंचे

बच्चा चोर समझकर लोगों ने पीटा; 72 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए तैनात दो अधिकारी गलती से पड़ोसी राज्य ओडिशा के बालासोर जिले के एक गांव में घुस गए थे। वहां के स्थानीय लोगों ने उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह के सदस्य होने के संदेह में हमला कर दिया था। यह जानकारी शुक्रवार को पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को उस समय की है, जब दो अधिकारी बालासोर जिले के रायबानिया पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में दाखिल हुए, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से लगती है।

बच्चा अपहरण गिरोह समझ कर किया हमला

पुलिस के अनुसार, दोनों अधिकारियों को एसआईआर के काम के लिए सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। उन्हें पश्चिम बंगाल के नयाग्राम ब्लॉक के एक गांव का दौरा करना था, लेकिन वे गलती से ओडिशा के सीमावर्ती गांव में प्रवेश कर गए क्योंकि उनकी किराए की ऑटो-रिक्शा उस सटीक गांव का पता नहीं लगा पाई जहां उन्हें जाना था। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को उन पर बच्चा अपहरण करने वाले गिरोह का सदस्य होने का संदेह था। इस वजह से उन्होंने उन पर हमला किया।

72 लोगों को गिरफ्तार

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने उन्हें अपना काम करने से रोका और पुलिस दल के साथ मारपीट भी की। कुछ देर बाद पुलिस ने दोनों अधिकारियों को भीड़ से छुड़ा लिया।बालासोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) निरंजन बेहरा ने शुक्रवार को पीटीआई को फोन पर बताया कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं।

शंकराचार्य को राहत : अविमुक्तेश्वरानंद केस में कोर्ट का फैसला सुरक्षित

> अगले आदेश तक गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दर्ज यौन उत्पीड़न मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अदालत के आदेश के तहत अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम संरक्षण प्रदान किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश हुए अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने याचिका पोषणीयता पर सवाल उठाए। कहा कि अग्रिम जमानत के लिए सीधे हाईकोर्ट नहीं आ सकते। उन्होने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया। शंकराचार्य के वकील ने कहा पीड़ित का मुकदमा संरक्षक के जरिए दर्ज कराया है। उसके माता-पिता और अभिभावकों का कोई पता नहीं है। सरकार ने कहा कि असाधारण हालात में ही अग्रिम जमानत सीधे हाईकोर्ट आ सकती है। इस मामले में असाधारण जैसा कुछ नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह कोई अनिवार्य बाधा नहीं है। शंकराचार्य के वकील ने कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ पहले 18 जनवरी को अमावस्या के दिन हुई मारपीट की अर्जी दी गई। इस पर केस दर्ज नहीं हुआ तो पॉक्सो वाली अर्जी दाखिल कर दी गई। यह दो अर्जी ही आपस में भ्रम की स्थिति पैदा कर रही है। यह मामला साजिश के तहत दर्ज कराया गया है, जो किसी के दबाव की ओर ईशारा कर रहा है। कहा कि शंकराचार्य पर केस दर्ज कराने वाला खुद हिस्ट्रीशीटर है। उसके ऊपर गौ हत्या, दुष्कर्म, हत्या का केस दर्ज है।

वह 25 हजार रुपये का इनामी है। नाबालिगों को अब तक बाल कल्याण समिति को क्यों नहीं सौंपा गया। बच्चों के मां-बाप कहां हैं। इस पर कोर्ट ने सरकार के अधिवक्ता से पूछा कि बच्चे कहां हैं। शंकराचार्य के अधिवक्ता ने विवेचना पर ही सवाल खड़ा किए। कहा कि जन बच्चों को पेश किया गया है उनकी मार्कशीट हरदोई की है और वहां के वह संस्थागत छात्र हैं।

'अब कांपेंगे भारत के दुश्मन'

युद्धपोत अंजदीप के शामिल होने से बढ़ी नौसेना की ताकत

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की समंदर में ताकत बढ़ चुकी है। नौसेना को एक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अंजदीप मिल गया है। उथले पानी में काम करने की क्षमता वाले आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों की शृंखला का यह तीसरा युद्धपोत 27 फरवरी को चेन्नई में नौसेना में शामिल किया गया।

इस समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शामिल हुए। यह जहाज कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया है।

'डॉल्फिन हंटर' के रूप में डिजाइन

यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें नष्ट करना है। यह पोत स्वदेशी, अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली से लैस है। चेन्नई बंदरगाह पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह में एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से जहाज को कमीशन किया।

अंजदीप नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ बना है। इससे देश की रक्षा निर्माण क्षमता को बल मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। अंजदीप नौसेना के इसी नाम वाले पुराने युद्धपोत का नया अवतार है। पुराना युद्धपोत 2003 में रिटायर हो गया था। 77 मीटर लंबे इस जहाज में एक हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है, जो इसे त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर संचालन के लिए 25 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। नौसेना ने कहा कि कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित, आईएनएस अंजदीप एक अत्याधुनिक पोत है जिसे विशेष रूप से तटीय युद्ध वातावरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

'इलाहाबाद है भाई, भांग का नशा उतरने में हफ्ता लगेगा'

होली से पहले सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्य कांत की टिप्पणी

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की एक टिप्पणी चर्चा का विषय बन गई। मामला सुरेश देवी बनाम हाई कोर्ट ऑफ जडिशियल एट अलाहाबाद से जुड़ा था जिसमें केस की अगली सुनवाई की तारीख तय देने पर विचार किया जा रहा था। उन्होंने यह टिप्पणी में ओपन कोर्ट में एक साइड रिमार्क के तौर पर की। यह बयान नियमित कार्यवाही के दौरान आया, जब मामले को अगली सुनवाई की तारीख देने पर विचार किया जा रहा था।

मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश हुआ था और पीठ अगली सुनवाई की तारीख तय कर रही थी। मुख्य न्यायाधीश शेड्यल को लेकर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मामले को होली की छुट्टियों के बाद लिस्टेड किया जाए।

अमेरिकी कोर्ट के फैसले के बाद रुको और इंतजार करो के मोड में भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत फिलहाल रुको और इंतजार करो की स्थिति में है और हालात लगातार बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है।

गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी प्रशासन के साथ लगातार संवाद में है और आंतरिक स्तर पर भी विचार-विमर्श जारी है। उन्होंने कहा कि यह एक विकसित होती स्थिति है। हम घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत के सर्वोत्तम हित सुरक्षित रहें। मंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत बेहतर अवसरों के लिए संवाद की नीति पर कायम है और वैश्विक व्यापार में अपनी प्रतिस्पर्धी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हो रही बातचीत का उद्देश्य ऐसा समझौता सुनिश्चित करना है, जिससे भारत को अन्य उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिल सके और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलें।

भारत की बातचीत की स्थिति पर सवाल के जवाब में गोयल ने कहा कि परिस्थितियां अभी गतिशील हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि हालात बदलने पर व्यापार समझौते में संतुलन (रीबैलेंस) की गुंजाइश भी रखी गई है। टैरिफ दरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि अगर शुल्क दर 18 प्रतिशत के बजाय 15 प्रतिशत होती है, तो निर्यात को बिना बाधा जारी रखने में मदद मिलेगी। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी व्यापार समझौते का आकलन केवल टैरिफ के आधार पर नहीं, बल्कि उसके व्यापक सकारात्मक पहलुओं के आधार पर किया जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ पर आधारित होता है। उनके अनुसार, अगर भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम टैरिफ दर मिलती है, तो यह निर्यात के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पहले 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत को निर्यात में बड़ा नुकसान झेलना पड़ता था, जबकि इसे कम स्तर पर लाना भारत के लिए महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम समझौते के पूर्ण विवरण अभी साझा नहीं किए जा सकते, लेकिन इसमें कई सकारात्मक पहलू शामिल हैं और हितधारकों को स्थिति स्पष्ट होने तक इंतजार करना चाहिए।

सीबीआई और ईडी सरकार का हथियार : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट 100 करोड़ रुपये के शराब नीति घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर सकी है। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मैं तो शुरुआत से ही यह कहता रहा हूं की सीबीआई और ईडी सरकार का एक हथियार है और इस हथियार को सरकार हर रोज दुरुपयोग करती है। उन्होंने कहा इसीलिए अन्य चीफ मिनिस्टर के खिलाफ बीजेपी ने जो भी आरोप लगाए हैं उनके पीछे कोई तथ्य नहीं है। कपिल सिब्बल ने कहा कि यह लोग (भाजपा के लोग) झूठे आरोप लगाते हैं और राज्यों के चीफ मिनिस्टर को गिरफ्तार करवाते हैं।

फूलों की माला से लदे बीजेपी जिला उपाध्यक्ष नाले में गिरे

छतरपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर में कहावत है कि राजनीति में कद बढ़ते ही जमीन पर पैर टिकना मुश्किल हो जाता है, और ऐसा ही कुछ नजारा देखने को मिला बिजावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खैरा में। यहां बीजेपी के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राम मनोहर तिवारी पद मिलने के बाद पहली बार अपने गांव पहुंचे थे। यहां उनके साथ एक हादसा हो गया, जिसका वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दरअसल, राम मनोहर तिवारी पदभार संभालने के बाद गांव खैरा में स्वागत कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान समर्थकों का उत्साह सातवें आसमान पर था और उपाध्यक्ष जी भी फूलों की मालाओं से लदे हुए विजयी मुद्रा में चल रहे थे। लेकिन शायद मालाओं और स्वागत की खुशी के कारण उन्हें नीचे का रास्ता नजर नहीं आया। जैसे ही वे स्वागत जुलूस के साथ आगे बढ़े, पैर सीधे नाली के खुले गड्ढे में जा पड़ा और उपाध्यक्ष जी धड़ाम से अंदर! चकाचक सजे नेता जी को नाली से बाहर निकालने के लिए समर्थकों को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

दिल्ली में अभी और झुलसाएगी गर्मी

यूपी-एमपी और बिहार में पारा 30 के पार

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। होली से पहले ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तापमान बढ़ने से लोगों को फरवरी में ही अप्रैल वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। बीते दिन लोगों को दिन में धूप ने परेशान किया। वहीं आज भी आसमान साफ रहेगा। तेज धूप की वजह से लोगों को गर्मी की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री तक रहने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार इसबार होली पर रिकार्डतोड़ गर्मी रहेगी। वहीं आने वाले दिनों में तापमान और भी बढ़ सकता है।

ऐसे माना जा रहा है कि होली के दिन 34 सेल्सियस तापमान पहुंच सकता है। ऐसे में मार्च के पहले सप्ताह से ही दिल्ली एनसीआर में भीषण गर्मी पड़ना शुरू हो जाएगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि होली के दिन तापमान बढ़ने से होली का दिन काफी गर्म रहगा। दिल्ली एनसीआर में अब रात की सर्दी भी धीमे-धीमे खत्म होती

जा रही है।क्योंकि रात का तापमान भी लगातार बढ़ रहा है और दिन में तो सर्दी पूरी तरह से विदा ले चुकी है। तेज धूप की वजह से तापमान लगातार बढ़ रहा है, यही वजह है कि दिन और रात के तापमान में अधिक बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं हवाओं की गति की बात करें तो हवाएं बार-बार अपनी गति को बदल रही हैं, जिसकी वजह से मौसम पर इनका खास प्रभाव दिख नहीं रहा है।

दिल्ली में अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम?

अगले दो दिनों तक इसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं होने वाला है। 28 फरवरी से अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस और उसके बाद तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने का अनुमान जताया है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को रिज क्षेत्र में सबसे अधिक तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस, लोदी रोड और सफदरजंग में 30.2 डिग्री सेल्सियस, आयानगर में 30 डिग्री सेल्सियस और पालम में 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इन राज्यों में भी चढ़ा पारा

उत्तर प्रदेश में मौसम की बात की जाए तो यहां तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि सुबह और शाम के समय में अभी मौसम ठंडा बना रहता है। वहीं, होली के दौरान तापमान में उछाल आने का अनुमान है, जिससे चिलचिलाती धूप के कारण लोगों को अत्यधिक पसीना और गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, आने वाले दिनों में तापमान के बढ़ने की सिलसिला केवल यूपी तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, एमपी और बिहार सहित उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में भी देखने को मिलेगा।

यूपी उत्तराखंड में कैसा रहेगा मौसम?

यूपी की राजधानी लखनऊ में बुधवार को अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं भी तापमान में बड़े बदलाव के संकेत नहीं मिले। ऐसा में शुक्रवार को भी मौसम में कुछ खास बदलाव की संभावना नहीं है, दिन में तेज धूप निकलेगी, जबकि सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी रहेगी।

उत्तराखंड के 6 शहरों में बुधवार को तापमान ने लोगों को परेशान किया। राज्य के उत्तरकाशी, चमोली, और पिथौरागढ़ में आज से बारिश और बर्फबारी का अलर्ट है। वही मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में आज से अगले 4 दिनों तक बर्फबारी की संभावना है।

स्वयंभू बाबा ने मासूम बच्ची के साथ की गंदी हरकत, पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

यादगीर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के यादगीर जिले में स्वयंभू बाबा मल्लिकार्जुन मुत्या के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पोक्सो) के तहत केस दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें कथित तौर पर उन्हें एक नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकत करते देखा जा सकता है। इसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया। वायरल वीडियो में कथित बाबा को सात साल की बच्ची के साथ गंदी हरकत करते हुए देखा गया है। इस मामले में कर्नाटक स्टेट कमीशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (केएससीपीसीआर) ने खुद संज्ञान लिया है और यादगीर पुलिस से कार्रवाई करने को कहा। यह घटना 19 फरवरी को महल रोजा गांव में हुई, जहां यमनुरप्पा मुत्या मठ है। नाबालिग लड़की मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर की रहने वाली है और अपने परिवार के साथ मठ गई थी। वीडियो में शाहपुर तालुक के रोजा मेहल गांव के बाबा मल्लिकार्जुन मुत्या एक मठ के अंदर नाबालिग से बात करता हुए दिख रहा है।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर निशाना, कहा

पीएम के लिए एनसीईआरटी का असली फुल फॉर्म कुछ और है

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वयं पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए नागपुर सांप्रदायिक पारिस्थितिकी तंत्र का मार्गदर्शन और आकार दिया है (नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स), जो वास्तविक एनसीईआरटी है।

पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग भी की। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में पाठ्यपुस्तकों में वैचारिक बदलाव किए गए हैं और इन्हें ध्रुवीकरण व राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ही ऐसे शैक्षणिक तंत्र को

दिशा दी है, जिसने पाठ्यपुस्तकों के पुनर्लेखन को आकार दिया। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री ने अकादमिक-नकली लोगों के एक नेटवर्क की अध्यक्षता की है, जिन्होंने अपनी विचारधारा के वायरस से पाठ्यपुस्तकों को संक्रमित करके गंभीर नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय आया है जब सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक के आगे के प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण रोक लगा दी है।

शीर्ष अदालत ने पुस्तक में न्यायपालिका पर आपत्तिजनक सामग्री होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे संस्थान की गरिमा प्रभावित होती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए पुस्तक की सभी भौतिक और डिजिटल प्रतियों को तत्काल जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनसीईआरटी निदेशक और स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि आपत्तिजनक अध्याय शामिल करने के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई क्यों न की जाए।

वहीं, केंद्र सरकार ने भी पुस्तक में विवादित अंश शामिल किए जाने पर चिंता जताई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जिम्मेदारी तय की जाएगी और मसौदा तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर, एनसीईआरटी ने शीर्ष अदालत की सख्त टिप्पणियों के बाद पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा लिया है, अनुचित सामग्री के लिए खेद जताया है और संबंधित प्राधिकरणों से परामर्श के बाद इसे दोबारा संशोधित करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि उसके आदेश की अवहेलना करते हुए किसी भी माध्यम से समान सामग्री प्रसारित करने की कोशिश को गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

'यह रोड मुसलमानों के लिए नहीं, हिंदू संगठन ने एलिवेटेड रोड पर लिखा, वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

देहरादून, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कुछ लोग एलिवेटेड रोड पर लिखते नजर आ रहे है, ये रोड मुसलमानों के लिए नहीं है। कार्यकर्ता देहरादून में हिंदू रक्षा दल के बताए जा रहे है। सहारनपुर के बिहारी गढ़ थाना प्रभारी अक्षय शर्मा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं हिंदू रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा ने कहा कि हमारी इच्छा है कि टैक्स हम देते हैं तो सड़क पर चलना हमारा अधिकार है। एक्सप्रेसवे पर मोहंड में बनाई गई एलिवेटेड रोड पर यह लिखा गया है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल होने के बाद से लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, सुनील राठी गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

देहरादून, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने देहरादून में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी सुनील राठी गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध पिस्टल, सात जिंदा कारतूस और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है। एसटीएफ को गोपनीय सूचना मिली थी कि पौड़ी गढ़वाल जेल में बंद कुख्यात अपराधी सुनील राठी अपने गैंग के माध्यम से देहरादून में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। इसी सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम पिछले कुछ समय से गैंग के सदस्यों की गतिविधियों पर निगरानी रख रही थी। 26 फरवरी 2026 को एसटीएफ की टीम सहस्त्रधारा रोड क्षेत्र में निगरानी कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि सुनील राठी गैंग के दो सदस्य काले रंग की स्कॉर्पियो में सहस्त्रधारा की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने पैसिफिक गोल्फ एस्टेट के पास सड़क पर घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया।

गाड़ी में सवार दो युवकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम भानू चौधरी (22 वर्ष) निवासी सहारनपुर और पारस (28 वर्ष) निवासी मुजफ्फरनगर बताया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक-एक पिस्टल .32 बोर और कुल सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

ओडिशा राज्यसभा चुनाव में सियासी चाल तेज बीजद ने छह नामांकन फॉर्म लेकर बढ़ाई हलचल

भुवनेश्वर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा से राज्यसभा की चार सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। अधिसूचना जारी होते ही बीजू जनता दल (बीजद) के सांसद सस्मित पात्रा ने एक साथ छह नामांकन फॉर्म हासिल कर लिए, जिससे पार्टी की रणनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल, 147 सदस्यीय विधानसभा के आंकड़ों के मुताबिक बीज को एक सीट पक्की मानी जा रही है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दो सीटों पर जीत तय मानी जा रही है। चौथी सीट के लिए किसी भी दल के पास जरूरी 30 प्रथम वरीयता वोट नहीं हैं। भाजपा के पास 79 विधायक हैं और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलाकर कुल संख्या 82 हो जाती है, जो तीसरी सीट जीतने के लिए आवश्यक आंकड़े से आठ कम है। वहीं, बीजद के पास दो विधायकों के निलंबन के बाद 48 विधायक रह गए हैं। एक सीट जीतने के बाद उसके पास 18 प्रथम वरीयता वोट बचेंगे, जबकि दूसरी सीट जीतने के लिए उसे 12 और वोटों की जरूरत होगी।

कांग्रेस के पास 14 विधायक हैं, जबकि सीपीआई-एम का एक विधायक है। इस बीच कांग्रेस ने बीजद प्रमुख नवीन पटनायक से मुलाकात का समय मांगा है और चौथी सीट के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारने की इच्छा जताई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, 'संख्या बल कम होने के बावजूद हम राज्यसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे।

मैं दिल्ली जाकर हाईकमान से चर्चा करूंगा और उसके बाद तय होगा कि पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी या किसी बाहरी उम्मीदवार को समर्थन देगी।' उधर, बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने सर्वसम्मति से नवीन पटनायक को उम्मीदवारों के चयन का अंतिम अधिकार सौंप दिया है।

विधानसभा में विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने कहा कि सभी विधायक पार्टी अध्यक्ष के फैसले के अनुसार मतदान करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पांच मार्च तक चलेगी। ये चुनाव इसलिए हो रहे हैं क्योंकि अप्रैल में बीजद के निरंजन बिशी और मुन्ना खान व भाजपा के सुजीत कुमार और ममता मोहंता का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

अरविंद केजरीवाल पर आए फैसले का पंजाब चुनाव पर पड़ेगा असर? पीपीसीसी अध्यक्ष ने कर दिया बड़ा दावा

चंडीगढ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा बडिंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं को शराब घोटाले में बरी होने पर वह उन्हें बधाई देते हैं, लेकिन बड़ा सवाल बीजेपी से है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने कहा कि जिन आरोपियों को गंभीर अपराधों में लंबे समय तक जेल में रखा गया, इस मामले में भी उन्हें काफी समय तक हिरासत में रखा गया, तो फिर मामला कोर्ट में टिक क्यों नहीं पाया।

बडिंग ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बरी होने का पंजाब के राजनीतिक माहौल पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि यहां आम आदमी पार्टी की सरकार को अपने कार्यकाल और कामकाज को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देना ही होगा। उन्होंने कहा कि पंजाब की राजनीति में असली मुद्दे राज्य से जुड़े हैं और उन्हीं पर जवाबदेही तय होगी।

मैं शाकाहारी हूं, लेकिन कश्मीरी छात्रों को नॉनवेज खिलाया... उपराष्ट्रपति बोले- पसंद का सम्मान होना चाहिए

जम्मू, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने खाने की आजादी यानी डाइटरी फ्रीडम की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी पसंद का खाना खाने का हक है। यही वजह है कि हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने इस दौरान एक पुराना किस्सा भी बताया। जब वे झारखंड के राज्यपाल हुआ करते थे और उन्होंने शाकाहारी होने के बाद भी कश्मीरी छात्रों के लिए मांसाहारी खाने का इंतजाम कराया था। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर के 21वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सबकी भावनाओं की कद्र होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपनी पसंद पर गर्व कर सकते हैं,

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम दूसरों की पसंद को नीचा दिखाएं। उपराष्ट्रपति ने छात्रों को संबोधित करते हुए कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि जब वह झारखंड के राज्यपाल थे, तब एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर से छात्रों का एक दल रांची के राजभवन आया था। उन्होंने कहा कि वह खुद शाकाहारी (वेजिटेरियन) हैं, लेकिन उन्होंने उस समय अधिकारियों को आदेश दिया था कि कश्मीरी छात्रों को नॉन-वेज खाना परोसा जाए, क्योंकि ज्यादातर छात्र नॉन-वेज खाते हैं। उनका मानना था कि मेहमानों को उनकी पसंद का खाना मिलना चाहिए। अपने मन का खाना हर कोई खाना चाहता है, हमेशा लोगों को अपने मन का ही खाना खाना चाहिए। ऐसा करने में किसी को भी किसी तरह की कोई समस्या भी नहीं होनी चाहिए।

वाइस प्रेसिडेंट ने दीक्षांत समारोह में महिला प्रतिनिधित्व पर भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा मंत्री एक महिला हैं। यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर भी महिला हैं। गोल्ड मेडल पाने वालों में ज्यादातर छात्राएं थीं। उन्होंने इसे जम्मू-कश्मीर में महिलाओं की तरक्की और सशक्तिकरण की बड़ी मिसाल बताया है।

निजी कंपनी के उत्पादों के प्रमोशन में फंसी महिला प्रशासनिक अधिकारी

शिमला, 27 फरवरी (एजेंसियां)। निजी कंपनियों के उत्पादों की प्रमोशन करने को लेकर राजधानी में तैनात प्रशासनिक महिला अधिकारी ओशिन शर्मा चर्चा में आ गई हैं। अधिकारी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इन उत्पादों की प्रमोशन को लेकर वीडियो शेयर किए हैं। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

मामला संबंधित विभाग के पास भी पहुंचा है, लेकिन विभाग के आलाधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। इस पर कई लोगों ने सवाल भी उठाए हैं। मामले की शिकायत सरकार तक पहुंच गई है। मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने संबंधित विभाग को इस पूरे मामले का पता करने के निर्देश दिए हैं। इस महिला अधिकारी शहर में एक उच्च प्रशासनिक पद पर तैनात हैं। इनके सोशल मीडिया हैंडल पर लाखों प्रशंसक हैं। बीते एक हफ्ते से सोशल मीडिया हैंडल पर निजी कंपनी के उत्पाद की प्रमोशन को लेकर शेयर किए जा रहे वीडियो पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। सिविल सर्विसेज कंडक्ट नियम 15 (1) के अनुसार कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी कारोबार, नौकरी में शामिल नहीं हो सकता।

महिला अधिकारी ने खुद ही शेयर किए हैं अपने फोटो

महिला प्रशासनिक अधिकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक निजी कंपनी के उत्पादों का प्रमोशन कर रही हैं। इसे लेकर कई फोटो और वीडियो शेयर किए हैं। सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या सरकार ऐसे उत्पादों की प्रमोशन को लेकर अधिकारियों या कर्मचारियों को मंजूरी दे सकती है।

सोशल मीडिया पर वीडियो को लेकर उठे सवालों पर संबंधित महिला अधिकारी ने फिलहाल प्रतिक्रिया देने से इंकार किया है। मुख्य सचिव संजय गुप्ता ने कहा कि उनके पास इस मामले की शिकायत आई है। इस बारे में संबंधित विभाग को पता करने के निर्देश दिए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में कांपी धरती, कोलकाता में आया जोरदार भूकंप, डरकर इधर-उधर भागे लोग

कोलकाता, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आज यानी शुक्रवार को जोरदार भूकंप आया। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और आस-पास के इलाकों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गई। इस मैग्नीट्यूड के भूकंप से लोग कांप उठे। भूकंप आने के बाद लोगों में घबराहट फैल गई और वे घरों, ऑफिसों और कमर्शियल जगहों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कोलकाता में आए भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप करीब 1 बजकर 22 मिनट पर आया। इस भूकंप ने कोलकाता और साउथ कोलकाता जैसे इलाकों को हिला दिया। इस खबर के लिखे जाने तक किसी तरह के नुकसान, चोट या हताहत की कोई सूचना नहीं मिली थी। यहां बताना जरूरी है कि इससे पहले आज सुबह ही नेपाल में भूकंप आया था। बताया गया कि इस भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के आसपास कहीं था। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 मापी गई। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र (ईएमएससी) के प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के अनुसार, भूकंप की तीव्रता लगभग 5.0 थी। इसका केंद्र बांग्लादेश के खुलना से लगभग 26 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था।

भूकंप का दिखा असर

सोशल मीडिया पर कई पोस्ट के मुताबिक, कोलकाता में आए इस भूकंप के झटके कुछ सेकंड तक महसूस किए गए। इस भूकंप के कारण ऊंची इमारतों और व्यस्त बाजारों में एहतियातन खाली कराया गया। कई लोगों ने एक्स पर लिखा कि पंखे हिल रहे थे। फर्नीचर और खिड़कियां कांप रही थीं। इस भूकंप का असर खासकर बहुमंजिला इमारतों में इसका असर ज्यादा महसूस दिखा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कई वीडियो में लोग झटकों के तुरंत बाद सड़कों पर जमा होते दिखे। अन्य तस्वीरों में घरों और दफ्तरों में लटकती चीजें और लाइटें हिलती नजर आईं, जिससे शहर के कई हिस्सों में झटकों की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक दिन पहले पड़ोसी सिक्किम में कई भूकंप और झटकों से दहशत फैल गई थी।

सिक्किम में गुरुवार और शुक्रवार की सुबह कई झटके महसूस किए गए। सिक्किम में शुक्रवार सुबह करीब 4:10 बजे 3.7 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, यह झटका लैटिट्यूड 27.40 एन और लॉन्गीट्यूड 88.69 ई के पास 5 किमी की कम गहराई पर आया। कई लोगों ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तेज़ झटके महसूस करने की बात कही।

विजयवर्गीय का बयान-इंदौर निगम में एक भी सफाई संरक्षक नहीं

हकीकत में 1200 से ज्यादा काम कर रहे; कांग्रेस का आरोप-मंत्री ने विधानसभा में झूठ बोला

भोपाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इंदौर नगर निगम में कर्मचारियों की स्थिति को लेकर विधानसभा में दिए गए उनके जवाब में कई गलतियां मिली हैं। इसको लेकर कांग्रेस ने तो उन्हें कटघरे में खड़ा किया ही है, उनकी खुद की पार्टी बीजेपी भी असहज नजर आ रही है। मंत्री विजयवर्गीय ने इंदौर नगर निगम में सफाई संरक्षक के 3900 स्वीकृत पदों को पूरी तरह खाली बताते हुए विधानसभा में कहा था कि निगम में एक भी ऐसा कर्मचारी नहीं है। हकीकत में 1200 से अधिक संरक्षक और 2400 से ज्यादा विनियमित कर्मचारी इंदौर में सफाई का जिम्मा संभाल रहे हैं। दरअसल, इंदौर- 5 सीट से बीजेपी विधायक महेंद्र हार्डिया ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाकर इंदौर नगर निगम में स्वीकृत और रिक्त पदों और कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी मांगी थी। उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या कर्मचारियों की कमी के कारण एक ही अधिकारी को कई विभागों का प्रभार सौंपा गया है? इसके जवाब में विधानसभा में 20 फरवरी को मंत्री विजयवर्गीय ने निगम की सीमा विस्तार का हवाला देते हुए कहा कि अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिए गए हैं, क्योंकि अमले की कमी है।

उन्होंने वादा किया कि पर्याप्त भर्ती होने पर प्रभार वापस ले लिए जाएंगे। लेकिन इस जवाब के साथ दिए आंकड़ों पर सवाल उठने लगे हैं। विजयवर्गीय के अनुसार, इंदौर नगर निगम में 6312 पद स्वीकृत हैं। इनमें से केवल 1493 भरे हुए हैं और 4819 रिक्त हैं। खासकर सफाई संरक्षकों के 3900 पदों को विजयवर्गीय ने पूरी तरह खाली बताया। वहीं, निगम के आधिकारिक रिकॉर्ड्स के मुताबिक 1200 से ज्यादा सफाई संरक्षक नियमित रूप से काम कर रहे हैं

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 28 फरवरी, 2026 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार
ऊँचे ख़्वाबों के लिए दिल की गहराई से काम करना पड़ता है!

महिला पुलिसकर्मियों के लिए विशेष दल गठित करने की सिफारिश

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दो महत्वपूर्ण प्रकाशनों का किया विमोचन

हैदराबाद, 27 फरवरी: तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज बी.आर. आंबेडकर तेलंगाना सचिवालय, हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में दो महत्वपूर्ण प्रकाशनों– तेलंगाना में पुलिस में महिलाओं पर प्रथम राज्य स्तरीय सम्मेलन की पुस्तक तथा आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी वार्षिक पत्रिका—2025 – का विमोचन किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, तेलंगाना पुलिस अकादमी की महानिदेशक एवं निदेशक अभिलाषा बिष्ट, डीजी सतर्कता एवं प्रवर्तन शिखा गोयल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (संगठन एवं होमगार्ड) स्वाति लकरा, एडीजीपी सीआईडी चारु सिन्हा, एडीजीपी (खुफिया) विजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।मुख्यमंत्री ने पुलिस में महिलाओं के प्रथम तेलंगाना सम्मेलन के आयोजन तथा उसके विचार-विमर्श और सिफारिशों को पुस्तक रूप में प्रकाशित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था, अपराध अनुसंधान, यातायात प्रबंधन और बंदोबस्त ड्यूटी में महिला पुलिसकर्मियों की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु आदि में महिला भर्ती, सेवा में निरंतरता, प्रशिक्षण और पदोन्नति से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए एक विशेष दल गठित करने की सिफारिश की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रथाओं के आधार पर तेलंगाना में उपयुक्त नीतिगत उपाय लागू करने की संभावनाओं का परीक्षण किया जाए, ताकि पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को और सुदृढ़ किया जा सके। तेलंगाना पुलिस अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्ट ने पुलिस में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पांच प्रमुख प्राथमिकताओं पर बल दिया , जिसमें आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण: महिला कर्मियों के लिए पृथक विश्राम कक्ष, शिशु देखभाल केंद्र, बंदोबस्त ड्यूटी के दौरान मोबाइल शौचालय तथा गश्त के लिए पर्याप्त स्कूटर उपलब्ध कराना।

थाना प्रभार में महिलाएं: पुलिस थानों में महिला अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त कर नेतृत्व में पारंपरिक रूढ़ियों को समाप्त करना, सशस्त्र रिजर्व एवं बटालियन में प्रतिनिधित्व: सिविल पुलिस में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के साथ-साथ सशस्त्र रिजर्व और बटालियनों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, प्रशिक्षण सुधार: सभी पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में सह-शिक्षा आधारित और लैंगिक संवेदनशीलता पर आधारित प्रशिक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करना,वर्दी सुविधा दिशा-निर्देश: वर्दी की सुविधा और कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस महानिदेशक स्तर पर समिति का गठन शामिल हैं। इन प्रकाशनों का विमोचन राज्य पुलिस में लैंगिक समावेशी सुधारों को संस्थागत रूप देने और महिला कर्मियों के योगदान को मान्यता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम ने राज्य सरकार की एक प्रगतिशील, समावेशी और भविष्य उन्मुख पुलिस बल के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।

भाजपा और कांग्रेस पर एक जैसा रवैया अपनाने का आरोप : अकबरुद्दीन

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी के उस बयान से राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है, जिसमें उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के प्रति भाजपा और कांग्रेस के रवैये में कोई अंतर नहीं है और दोनों ही विध्वंस की आड़ में इस समुदाय को निशाना बना रहे हैं। एक वीडियो संदेश में ओवैसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दरगाहों, मस्जिदों और गरीब मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चला रहे हैं, जबकि तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी उसी तरह कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमानों के प्रति उनकी शत्रुता स्पष्ट है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ओवैसी का यह बयान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि एआईएमआईएम राज्य में कांग्रेस सरकार को समर्थन दे रही है। हाल ही में जुबली हिल्स उपचुनाव में भी पार्टी ने कांग्रेस का समर्थन किया था। उनकी टिप्पणियों पर भाजपा की राज्य इकाई ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता एनवी सुभाष ने बयान को गैरजिम्मेदाराना बताया और कहा कि योगी आदित्यनाथ अपराधियों और अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि एक निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते ओवैसी को जिम्मेदारी के साथ बयान देना चाहिए।

मंत्री ने चेन्नूर को मॉडल नगरपालिका बनाने का आह्वान किया

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम एवं खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने चेन्नूर नगरपालिका को सभी क्षेत्रों में समग्र विकास के साथ एक आदर्श शहरी स्थानीय निकाय के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने चेन्नूर की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों ने कांग्रेस नेतृत्व पर विश्वास जताकर उसके प्रतिनिधियों को निर्वाचित किया है।

मंत्री ने पार्षदों को जनता के लिए सुलभ रहने, उनकी समस्याएं सुनने, प्रमुख मुद्दों की पहचान कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने की सलाह दी। मंत्री चेन्नूर नगरपालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष पेद्दिंटी पद्मा के पदभार ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अध्यक्ष एवं शासी निकाय के सदस्यों को हार्दिक बधाई दी। मंत्री ने बताया कि नगरपालिका के सभी वार्डों में विकास कार्य जारी हैं और लगभग <50 करोड़ के कार्यों का शुभारंभ किया जा चुका है। कई वार्डों में बोरवेल, सीसी सड़कों और साइड ड्रेनों के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी वादे के अनुरूप अमृत 2.0 योजना के तहत हर घर को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने मिशन भागीरथा योजना के तहत हजारों करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि चेन्नूर के निवासियों के लिए गोदावरी नदी के जल पर आधारित समर्पित पेयजल परियोजना लागू की जाएगी।

साथ ही नगर में सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि नगर में विभिन्न जातीय संघों के लिए सामुदायिक भवन निर्माण हेतु पहले ही धनराशि आवंटित की जा चुकी है। जन मांग के अनुरूप अगले छह महीनों में स्थानीय निवासियों को गोदावरी रेत उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

मंत्री ने मारेम्मावाड़ा क्षेत्र की खराब सड़कों को याद करते हुए कहा कि उनके निर्वाचित होने के बाद वहां सड़कें बनवाई गईं, जहां पहले ऑटो तक नहीं चल पाते थे। उन्होंने बताया कि नगरपालिका के लिए 100 नए इंदिरम्मा आवास स्वीकृत किए गए हैं तथा आवास योजना से जुड़े मुद्दों पर मंत्रिमंडल में चर्चा हुई है। उन्होंने पिछली सरकार पर ठेकेदारों के लंबित बिलों का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया। देवुलावाड़ा, बाब्बेरु और चेलुक गांवों के किसानों को उनकी भूमि के बदले लगभग 18 करोड़ रुपए का मुआवजा स्वीकृत कर वितरित किया गया है।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि चेन्नूर में 100 शैय्या वाला अस्पताल मई माह में उद्घाटित किया जाएगा तथा श्मशान घाट के विकास कार्य <1.20 करोड़ की लागत से किए जा रहे हैं। मेदक जिले में अपने प्रभारी दायित्वों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि वहां कांग्रेस को मजबूत किया गया है और चेन्नूर में भी अधिक धनराशि लाकर विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों से अपील की कि वे एकजुट होकर प्रत्येक वार्ड में कार्य करें, ताकि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप चेन्नूर नगर का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

गरीबों के घर तोड़कर धन जुटा रही है सरकार: केटी रामाराव

कांग्रेस नेताओं पर रियल एस्टेट हित साधने का आरोप

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर गरीबों के घरों को ध्वस्त कर धन जुटाने और अपने नेताओं के रियल एस्टेट हितों को साधने का आरोप लगाया है। बढ़ते विध्वंस की घटनाओं के बीच रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गांधी परिवार को 1,000 करोड़ रुपये भेजने का वादा किया था और अब झुग्गी-झोपड़ियों को हटाकर तथा शहरी जमीन बेचकर धन जुटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री हैदराबाद में अपना दूसरा महल बनवा रहे हैं और मौजूदा आवास की चारदीवारी पर ही 9 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

बीआरएस नेता ने यह भी कहा कि उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क खम्मम में तीसरा घर बनवा रहे हैं, जबकि राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी अपने कारोबार का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार नहीं, बल्कि एक रियल एस्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। रामाराव ने खम्मम के वेलुगुमातला क्षेत्र की सैटेलाइट तस्वीरें साझा करते हुए दावा किया कि बीआरएस शासन में बने घरों को कांग्रेस शासन में ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने इसे प्रगतिशील शासन बनाम बुलडोजर शासन करार दिया। उन्होंने वारंगल में बन रहे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि यह पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का सपना परियोजना है। 24 मंजिला इस अस्पताल में 2,000 बिस्तर प्रस्तावित हैं और इसे देश का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल बताया जा रहा है। रामाराव ने आरोप लगाया कि परियोजना का 75 प्रतिशत काम 2023 के अंत तक पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर इसमें देरी की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जन स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता पर सवाल उठाया।

दिल्ली आबकारी मामले में सीबीआई फैसले का केटीआर ने किया स्वागत

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीबीआई के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम के कारण दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार को नुकसान उठाना पड़ा और इसका राजनीतिक असर अन्य दलों पर भी पड़ा। रामाराव ने कहा कि जिस तरह पूर्व बीआरएस नेता के. कविता को अदालत से राहत मिली, उसी प्रकार बीआरएस नेताओं के खिलाफ दर्ज सभी मामले अंततः झूठे और राजनीतिक रूप से प्रेरित साबित होंगे। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर मनमाने आरोप लगाने तथा मीडिया ट्रायल के जरिए उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया।

मंत्री ने विद्युत सब स्टेशन के लिए भूमि पूजन किया

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पशु संवर्धन, पैडी उद्योग विकास, मत्स्य, युवा सेवा एवं खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरी ने मक्तल विधानसभा क्षेत्र के मागनूर मंडल वाडवाट गांव और उट्कूर मंडल पुली मामिडी गांव में 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीहरी ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक जीवन में क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक वर्गों के हितों के लिए काम करना उनका प्रमुख उद्देश्य है। मक्तल विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने हमेशा प्रयास किया है, और मुनिसिपल चुनाव के दौरान उनके ऊपर लगाए गए विभिन्न आरोप और झूठे प्रचारों का जनता ने स्पष्ट जवाब दिया है।मंत्री ने कहा कि पिछले 72 वर्षों में 14 विधायकों के कार्यकाल में केवल 296 करोड़ रुपये मक्तल क्षेत्र में आए, जबकि उनके दो वर्षों के कार्यकाल में 1035 करोड़ रुपये क्षेत्र के विकास के लिए लाए गए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए काम करने वालों का अपमान नहीं होना चाहिए और क्षेत्र में निश्चित रूप से बदलाव लाना आवश्यक है।

श्रीहरी ने शिक्षा और सिंचाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना उनकी जिम्मेदारी है और इस सब स्टेशन का निर्माण समय पर पूरा होना चाहिए। उन्होंने अवरोधक तत्वों को पार करते हुए विकास की दिशा में लगातार काम करने की प्रेरणा दी।मंत्री ने यह भी कहा कि उनके विकास प्रयासों के बावजूद कई प्रकार के अपमानों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी डर या भय महसूस नहीं किया और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्यरत रहेंगे। उन्होंने ग्रामीण युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने भविष्य के लिए मेहनत करें और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान दें।

बल्का सुमन की पुलिस हिरासत याचिका खारिज

मंत्री के काफिले पर हमले के मामले में मांगी गई थी रिमांड

मंचरियाल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन की पुलिस हिरासत की मांग वाली याचिका को प्रधान पुलिस न्यायालय जंक्शन की सिविल जज ए. निर्मला ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। यह याचिका हाल ही में क्याथनपल्ली में श्रम मंत्री डॉ. जी विवेक और पेद्दापल्ली सांसद जी वामशीकृष्ण के काफिले पर कथित हमले के मामले में जांच के लिए पुलिस हिरासत की मांग को लेकर दायर की गई थी।

अदालत ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद सुमन को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, इसलिए दोबारा पुलिस हिरासत का आदेश देना उचित नहीं है। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि जिस पुलिस अधिकारी ने सुमन के खिलाफ मामला दर्ज किया, उसे ही जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। सुमन की वकील ललिता और उनके सहयोगियों ने दलील दी कि गिरफ्तारी के दौरान सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मानक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इससे पहले पुलिस ने सुमन से पूछताछ के लिए हिरासत की अनुमति मांगी थी।

वाहन चालकों के लिए "अराइव अलाइव" में मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जारी सड़क सुरक्षा प्रयासों के तहत, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नामपल्ली के एग्ज़िबिशन ग्राउंड्स, गांधी सेंचुरी हॉल में भारी वाहन चालकों के लिए "अराइव अलाइव" कार्यक्रम का दूसरा चरण सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुफ्त नेत्र चिकित्सा शिविर और जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। ड्राइवरों की दृष्टि स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम मेड़ी विज़न आई हॉस्पिटल्स के सहयोग से आयोजित किया गया। हैदराबाद ट्रैफिक-II के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस श्रीमती काजल, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं और चिकित्सा शिविर की सुविधाओं का निरीक्षण किया। पिछले 35 वर्षों से दुर्घटना रहित सेवाएं दे रहे दो वरिष्ठ ड्राइवरों का डिप्टी पुलिस कमिश्नर श्रीमती काजल ने शाल और सम्मान पत्र देकर सम्मान किया। लगभग 150 भारी वाहन चालकों को संबोधित करते हुए डिप्टी पुलिस कमिश्नर ने हेडलाइट और सीट बेल्ट का उपयोग, शराब पीकर वाहन न चलाने, और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करने के महत्व पर जोर दिया। गलत मार्ग ड्राइविंग और बाएं तरफ से ओवरटेक जैसी खतरनाक गतिविधियों के प्रति ड्राइवरों को चेतावनी दी गई। इस कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक-II श्रीमती धनलक्ष्मी, टोलिचौकी ट्रैफिक एस.एच.ओ जी. वेंकटेश्वर, गोशामहल एस.एच.ओ बी. राजू, कूल्सुंपुरा ट्रैफिक पी.एस. एस.एच.ओ एम. राजेंद्र प्रसाद, आसिफनगर ट्रैफिक इंस्पेक्टर कुमारी रुक्मिणी और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

दरगाह के स्थानांतरण पर उच्च न्यायालय की रोक

वेमुलावाड़ा में सदियों पुरानी दरगाह को अंतरिम राहत

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने गुरुवार को राजन्ना-सिरसिल्ला जिले के वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में मौजूद सदियों पुराने तीर्थस्थल हजरत सैयद ताजुद्दीन ख्वाजा बाग सवार की दरगाह को स्थानांतरित किए जाने से बचाने के लिए अंतरिम आदेश पारित किया। यह मामला दोपहर के भोजन के दौरान एक प्रस्ताव के माध्यम से न्यायालय के समक्ष लाया गया था। अदालत मोहम्मद नाज़िमा द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अधिकारियों पर दरगाह की कथित अवैध बाड़बंदी, अवरोधन और आवागमन में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता के वकील ज़ीशान अदनान महमूद ने अदालत को बताया कि 800 वर्ष से अधिक पुरानी और 12वीं शताब्दी की मानी जाने वाली यह दरगाह ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध वेमुलावाड़ा मंदिर के साथ सांप्रदायिक सद्भाव और साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक रही है।

दलील दी गई कि जिला कलेक्टर और देवस्थानम अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारी दरगाह को स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र की मिश्रित सांस्कृतिक संरचना प्रभावित हो सकती है। याचिकाकर्ता के वकील ने यह भी तर्क दिया कि दरगाह के मुतवल्ली को किसी भी स्थानांतरण के लिए सहमति देने का कानूनी अधिकार नहीं है और यह अधिकार लागू कानून के तहत विशेष रूप से तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के पास निहित है। दलीलों पर विचार करते हुए न्यायालय ने जिला कलेक्टर, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी और राजन्ना-सिरसिल्ला जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए आश्वासनों को दर्ज किया। इन आश्वासनों के आधार पर न्यायालय ने निर्देश दिया कि दरगाह के स्थानांतरण, विध्वंस या परिवर्तन सहित किसी भी प्रकार की कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई की तिथि निर्धारित कर दी गई है।

जगतियाल में आम किसानों पर मौसम की मार

फूल झड़ने से बढ़ी चिंता, उत्पादन प्रभावित होने की आशंका

जगतियाल, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के आम किसान इन दिनों गहरे तनाव में हैं। पहले फूल आने में देरी और अब बड़े पैमाने पर फूल झड़ने की समस्या से उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। अचानक जलवायु परिवर्तन और कीटों के हमले को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार आम में फूल खिलना सामान्यतः नवंबर में शुरू होकर जनवरी के पहले सप्ताह तक चलता है, लेकिन इस वर्ष यह प्रक्रिया देर से शुरू हुई। रात में भीषण ठंड और अचानक मौसम परिवर्तन को देरी की वजह माना जा रहा है। अब भारी मात्रा में फूल गिरने से किसानों की चिंता बढ़ गई है।

कई बागों में शुरुआत में पेड़ों पर भरपूर फूल खिले, लेकिन फल बनने के बजाय फूल काले पड़कर झड़ गए। ऐसी स्थिति सुल्तानाबाद और पेद्दापल्ली क्षेत्रों से सामने आई है, जहां हाल के वर्षों में बेहतर मुनाफे के कारण किसानों ने आम की खेती का रुख किया है। आम की खेती करीब आठ माह तक चलती है, जिसमें फूल आने से लेकर कटाई तक के चार महीने बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। शुष्क मौसम को बेहतर पैदावार के लिए अनुकूल माना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में मौसम के बदलते पैटर्न से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस वर्ष भी ऐसी आशंका जताई जा रही है।

फसल सामान्यतः अप्रैल में बाजार पहुंचती है, लेकिन इस बार आवक में देरी संभव है क्योंकि कई बाग अभी भी फूल अवस्था में हैं। बागवानी अधिकारियों ने कीट नियंत्रण के लिए प्रति लीटर पानी में 10 ग्राम पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करने तथा फूल और फल विकास के लिए 1.5 ग्राम बोरॉन मिलाने की सलाह दी है। पूर्व करीमनगर जिले में आम के बाग व्यापक रूप से फैले हैं, लेकिन जगतियाल आम उत्पादन के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां लगभग 37 हजार एकड़ में आम की खेती होती है और जिले में एक समर्पित आम मंडी भी संचालित है। दिल्ली सहित उत्तरी राज्यों के व्यापारी यहां से आम की खरीदारी करने पहुंचते हैं।

साइबराबाद में 'दृश्य पुलिसिंग' अभियान तेज

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट क्षेत्र में निगरानी बढ़ाते हुए गहन 'दृश्य पुलिसिंग' अभियान शुरू किया है। इसके तहत सभी इलाकों में गश्त बढ़ाई गई है। अभियान के तहत गुरुवार को बालानगर और अल्लापुर थाना क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। बालानगर इंस्पेक्टर नरसिम्हा राजू की देखरेख में गुरुमूर्ति नगर मुख्य सड़क पर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन दस्तावेजों की जांच की गई तथा लंबित चालान वाले वाहनों की पहचान की गई। इसी तरह अल्लापुर पुलिस ने विष्णु विस्तारा रोड पर व्यापक जांच अभियान चलाया।

31वी पुण्यतिथि

श्री जसवन्त रॉय
स्वर्गवास: 28.02.1995

31वी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आपके प्रेरणा दायक जीवन की स्मृति एवं आदर्श सदैव हमारा मार्ग दर्शन कराते रहेंगे। सादर स्मरण में:
श्रीमती निरूपारॉय (पत्नी)
श्रीमती एवं श्री डा. प्रदीप रॉय,
श्रीमती एवं श्री प्रशान्त रॉय,
श्रीमती एवं श्री नवीन रॉय।
फोन: 9247755988, 9247371212

शेयर खरीदने-बेचने के नाम पर की करोड़ों की ठगी

बिजनौर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दर्जनों लोगों से शेयर खरीदने बेचने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले सुशील धवन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नजीराबाद पुलिस ने जेके मंदिर नहरिया के पास स्थित शिवानी क्लीनिक से शुक्रवार सुबह 11 बजे सुशील धवन को पकड़ लिया। वह यहां पर चोरी-छिपे तीन दिन से भर्ती रहकर अपना इलाज करा रहा था। उस पर काकादेव और नजीराबाद थानों में करीब आधा दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें उसकी पत्नी और पिता भी सह-आरोपित हैं। सोमवार को पीड़ित लोगों ने डीसीपी सेंट्रल से मिलकर आरोपित के खिलाफ शिकायत की। डीसीपी सेंट्रल ने एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके को मामले की जांच सौंपी थी।

सिंगापुर-जापान दौरे से वापस लौटे सीएम योगी

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दो दिवसीय जापान दौरा खत्म हो गया है। जिसके बाद सीएम योगी आज वापस लखनऊ लौट आए हैं। सुबह 4 बजे मुख्यमंत्री जापान दौरे के बाद लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वो सीधे मुख्यमंत्री आवास के लिए रवाना हो गए। सीएम योगी के साथ 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी वापस लौट आया है। सीएम योगी आदित्यनाथ सिंगापुर और जापान के चार दिवसीय विदेश दौरे पर थे, इस दौरान वो दो दिन सिंगापुर और दो दिन जापान में रहे। मुख्यमंत्री का ये दौरान यूपी में विदेशी निवेश, तकनीकी, सेमीकंडक्टर यूनिट और वैश्विक साझेदारी के लिहाज से बेहद सफल माना जा रहा है।

डेढ़ लाख करोड़ के एमओयू साइन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ये दौरा बेहद व्यस्त दौरा रहा। इस दौरान उन्होंने जापान और सिंगापुर में कई बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाक़ात की और उन्हें यूपी में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने दोनों देशों के साथ 1.5 लाख करोड़ रुपये एमओयू साइन किए जबकि 2.5 लाख करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ है। इन निवेश प्रस्तावों से यूपी में 5 लाख लोगों के रोजगार सृजन का अनुमान है। सीएम योगी ने अपने जापान दौरे के दौरान ग्रीन ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की घोषणा की।

विदेश की धरती पर हुआ ज़ोरदार स्वागत

मुख्यमंत्री का ये विदेश दौरा काफी सफल माना जा रहा है। सीएम योगी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार में किए गए विकास के कार्यों का जिक्र किया और बताया कि किस तरह यूपी अब विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से काम किया जा रहा है और क़ानून व्यवस्था बहुत बेहतर हुई है।

कोडीन सीरप तस्करी के सरगना विनोद अग्रवाल की कानपुर में 9.50 करोड़ की संपत्ति फ्रीज, बेटा फरार

कानपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद कोडीनयुक्त सीरप विक्रेता गिरोह के सरगना विनोद अग्रवाल व उसकी पत्नी सविता और बेटे शिवम के नाम की 9.50 करोड़ की पांच संपत्तियां एसआइटी ने फ्रीज कर दीं। इसके अलावा 23 लाख की एक इनोवा क्रिस्टा कार और यहां छह बैंक खातों में मिले 42 लाख रुपये भी फ्रीज किए गए।

सरगना और उसके परिवार की इन्हीं पांच संपत्तियों को 12 फरवरी को वाराणसी पुलिस ने भी फ्रीज किया था, जिनकी कीमत 4.80 करोड़ रुपये दिखाई थी जबकि वहां की पुलिस ने विनोद की फर्म के नाम के बैंक खाते में मिले 37,42,995 रुपये भी फ्रीज कराए थे। एसआइटी के इंस्पेक्टर कमलापति यादव का कहना है कि सर्किल रेट से बाजार का भाव दोगुणा माना जाता है, इसीलिए संपत्तियों की कीमत बढ़ी मानी जा रही है। एसआइटी अब शिवम की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि औषधि की आड़ में एनडीपीएस श्रेणी से संबंधित कोडीनयुक्त सीरप व नशीली दवाएं खरीदने-बेचने के मामले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने छापेमारी कर एक लाख शीशी बरामद की थीं। जांच में यह भी सामने आया कि लगभग 20 लाख शीशी बिक्री की गई थी, जिसमें 11.50 लाख शीशियां पुलिस बरामद भी कर चुकी है।

'ऑनलाइन अवमानना करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई', इलाहाबाद एचसी ने दी चेतावनी

प्रयागराज, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत को ऑनलाइन अपशब्द कहने वाले सोशल मीडिया यूजर्स को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। कहा गया कि ऐसी टिप्पणी जो फेयर कमेंट या किसी फैसले की सोची-समझी आलोचना के बचाव से आगे जाती है, आपत्तिजनक है। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने कहा कि अगर कोर्ट अपने अवमानना क्षेत्राधिकार में ऐसे पोस्ट पर संज्ञान लेता है तो इसके सख्त कानूनी नतीजे होंगे।

हाईकोर्ट ने कहा, 'लोगों को हम भविष्य में सावधान रहने की चेतावनी देना चाहते हैं, क्योंकि सोशल मीडिया पर ऐसे शब्द सर्कुलेट होते हैं, जो बहुत साफतौर पर अपमानजनक होते हैं। जिसके लिए अवमानना की सजा मिल सकती है, जिसे कोर्ट देने में संकोच नहीं करेगी।' इलाहाबाद कोर्ट ने गहरी चिंता के साथ यह टिप्पणी की कि बोलने की आजादी की आड़ में आपराधिक अवमानना के मामले आजकल सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा हैं। ये मामला बस्ती डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में वकील हरि नारायण पांडेय के खिलाफ आपराधिक अवमानना का है। हालांकि, हाईकोर्ट ने पांडेय की बिना शर्त माफी मान ली, लेकिन कहा कि बोलने की आजादी के नाम पर सोशल मीडिया का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। बहुत सारे मामले हैं, जो हद पार करते हैं। ये बातें कहने का मौका तब आया, जब हाईकोर्ट की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि क्रिमिनल कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट होना 'रोजमर्रा की बात' बन गई है। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के वकील की चिंता निश्चित रूप से गलत नहीं थी और इसमें बहुत समझदारी थी।

नीट छात्रा मौत मामला

हॉस्टल मालिक की जमानत याचिका पर अब आज होगी सुनवाई

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन रमण की अदालत में आरोपित व जेल में बंद शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष कुमार रंजन के नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत से सीबीआई व एसआईटी के अनुसंधानकर्ता को पूर्व में जारी नोटिस में पूछा कि क्यों आरोपित को जेल में रखा जाय। इसका आधार बताएं।

इस मामले में दोनों अनुसंधान कर्ता अदालत में सशरीर उपस्थित हुए। अदालत ने सुनवाई के लिए अगली तिथि 28 फरवरी निश्चित करते हुए दोनों अनुसंधानकर्ता से जांच की श्रृंखला (चेन ऑफ इंवेस्टिगेशन) की मांग की है। अदालत ने सीबीआई के अनुसंधानकर्ता द्वारा एफआईआर को सीबीआई के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में भेजने पर भी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि मामले में पॉक्सो एक्ट जुड़ गया है। अदालत ने सीबीआई के अनुसंधानकर्ता को नोटिस भी जारी किया है। दूसरी ओर, मामले के आरोपित के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि कुछ माफिया योजनाबद्ध तरीके से मेरे मुवक्किल के व्यवसाय को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।

उन्होंने अदालत को बताया कि मेरे मुवक्किल 15 जनवरी 2026 से बगैर सबूत के जेल में बंद हैं। विशेष लोक अभियोजक सुरेश चंद्र प्रसाद और सूचक के अधिवक्ता एसके पांडेय ने जमानत का जमकर विरोध किया। नौ जनवरी 2026 को पटना के चित्रगुप्त नगर थाना की पुलिस ने छात्रा के पिता के फर्दबयान पर मामला दर्ज किया था। आरोप के अनुसार, मृतका हॉस्टल में बेहोश मिली थी।

पिता ने बेटी के शरीर पर चोट के निशान की बात कही थी। साथ ही, उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किए जाने का भी शक जाहिर किया था। उपचार के दौरान छात्रा की मृत्यु अस्पताल में हो गई थी। मौत के बाद पटना में काफी हंगामा के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा की थी। इसके बाद सीबीआई अपनी प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

फर्जी सेल डीड से भू-माफिया ने कराई जमाबंदी, राजस्वकर्मी सस्पेंड; डीएम ने लिया एक्शन

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री से लेकर डीएम की सख्ती के बावजूद अंचलों कार्यालयों में भू-माफिया जो चाहे, वह करा रहे हैं। फुलवारीशरीफ अंचल का ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें भू-माफिया ने पहले जमीन की फर्जी सेल डीड बनवाई और उसके आधार अपने नाम जमाबंदी भी करा ली। पीड़ित ने वरीय पदाधिकारियों से इसकी शिकायत की। जांच में मामला सत्य पाए जाने पर अधिकारियों ने डीएम डॉ। त्यागराजन एसएम को इसकी सूचना दी। डीएम के आदेश पर फर्जी जमाबंदी रद कर भू-माफिया के खिलाफ परसा बाजार थाना में प्राथमिकी कराई गई है। इस मामले में राजस्वकर्मी सोनू कुमार की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

राजगीर में शिकार करेगी पटना की सफेद टाइगर पार्वती

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। जू की शेरनी 'पार्वती' जल्द राजगीर सफारी में शिकार करती नजर आएगी। अब तक पिंजरे में बंद रही पार्वती को खुली जगह मिलेगी। राजगीर सफारी में शेर और बाघ जैसे जानवरों को बड़े इलाके में रखा जाता है। माहौल जंगल वाला मिलता है। इनके बाड़े में कोई जानवर आ जाए तो वे शिकार भी करते हैं।

गर्मी का मौसम आ रहा है। पटना जू से लेकर राजगीर सफारी तक, बदलते मौसम को देखते हुए जानवरों के भोजन में बदलाव किया गया है। मांस की खुराक कम की गई है। शेर और बाघ को मार्च-अप्रैल की गर्मी से बचाने के लिए बर्फ के टुकड़े दिए जाएंगे। पटना जू में मार्च में दो मादा शेर दिखेंगी। वन्यजीव अदला-बदली कार्यक्रम के तहत राजगीर जू सफारी से दो मादा शेर (सीता और गीता) को पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) लाया गया था। बदले में पटना जू की एकमात्र शेरनी 'पार्वती' को राजगीर जू सफारी भेजा गया है। राजगीर से आई दो मादा शेर को 30 दिनों के क्वारंटाइन में रखा गया है। ये चिड़ियाघर जाने वाले लोगों की नजरों से दूर विशेष निगरानी में हैं। जू प्रशासन ने बताया है कि सीता और गीता सगी बहनें हैं।

इनकी उम्र 1 वर्ष से कम है। दोनों को रोज सुबह 8 बजे खुले इलाके में खोल दिया जाता है ताकि उन्हें धूप और ताजी हवा मिल सके। इससे दोनों टहलकर एक्सरसाइज कर लेती हैं। शाम को 5 बजे दोनों नाइट हाउस में आ जाती हैं। यहां उन्हें करीब 23 किलोग्राम मांस खाने के लिए दिया जाता है। मांस में एक्स्ट्रा मिनरल्स और विटामिन की दवाएं मिलाकर दी जा रही हैं। दोनों के वजन रेगुलर चेक किए जा रहे हैं।

जिंदा जला लाइनमैन

सोनभद्र, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सोनभद्र में ट्रांस्फार्मर बदलते समय लाइनमैन की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसे पहले 11 हजार वोल्ट से जोरदार झटका लगा। इसके बाद शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। इसी की चपेट में आकर बिजलीकर्मी जिंदा जल गया। वहां मौजूद हेल्पर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक उनका शरीर बुरी तरह झुलस चुका था।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लाइनमैन खंभे पर चढ़कर नया ट्रांसफार्मर लगा रहा था। आरोप है कि काम शुरू करने से पहले उन्होंने विभाग से शटडाउन करवाया था। लेकिन काम के दौरान 11 हजार वोल्ट की सप्लाई चालू कर दी गई। तेज करंट लगने से वह झुलस गए। मामला घोरावल थाना के लोहोटा गांव का है।

पटना हाईकोर्ट को मिलेंगे 9 नए जज

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हाईकोर्ट को जल्द ही 9 नए जज मिलने वाले हैं।सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पटना हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए 9 अधिवक्ताओं के नामों की सिफारिश की है। इसको लेकर गुरुवार को कॉलेजियम की बैठक हुई थी, जिसमें अधिवक्ताओं को न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक में मो। नदीम सेराज, रंजन कुमार झा, कुमार मनीष, संजीव कुमार, गिरिजीश कुमार, आलोक कुमार, राज कुमार, राणा विक्रम सिंह, विकाश कुमार के नामों पर मंथन हुआ। अब इन नामों को केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। मौजूदा समय में पटना हाईकोर्ट 38 न्यायाधीशों की कार्यरत संख्या के साथ काम कर रहा है।

इस वर्ष तीन न्यायाधीश, जिनमें मुख्य न्यायाधीश एस।के। साहू भी शामिल हैं, सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पटना हाईकोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की कुल संख्या 53 है। ऐसे में साफ है कि 9 नए जजों की नियुक्ति के बाद भी बड़ी संख्या में पद खाली रहेंगे। पटना हाईकोर्ट में आज से नहीं बल्कि लंबे समय से जजों की कमी की समस्या से जूझ रहा है। यही वजह है कि इसका सीधा असर काम पर भी देखने को मिलता है। कुल पदों के लगभग आधे जज इस समय हाईकोर्ट में काम कर रहे हैं। स्वीकृत पदों के मुकाबले कार्यरत जजों की संख्या बहुत कम है। ऐसे में मामलों की सुनवाई प्रभावित हो रही है और लंबित केसों का बोझ बढ़ता जा रहा है।

नए जजों की नियुक्ति के बाद सीधे तौर पर काम में तेजी देखने को मिलेगी। कॉलेजियम नामों की सिफारिश किए गए नामों को सबसे पहले केंद्र सरकार के पास भेजता है। नामों को जब केंद्र सरकार की तरफ से मंजूरी मिल जाती है, उसके बाद राष्ट्रपति नियुक्ति की अधिसूचना जारी करते हैं। इसके बाद ही नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होती है।

नए राज्य की चर्चा के बीच बीजेपी नेता शाहनावज हुसैन का बड़ा बयान, 'बिहार बड़ा राज्य है

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार-बंगाल काटकर नया राज्य बनाने वाले दावे पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बड़ा बयान दिया है। बिहार एक बड़ा राज्य है और रहेगा। यहां के 14 करोड़ बिहारी एकजुट होकर बिहार का विकास करेंगे। शाहनवाज हुसैन यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

वे बीजेपी के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉक्टर शशि शेखर सम्राट के इस अवसर पर बीजेपी के जिला अध्यक्ष साजन शर्मा, उपाध्यक्ष राजीव रंजन साह एवं आयोजक शशि शेखर सम्राट की ओर से शाहनवाज हुसैन को पाग, चादर, बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर बीजेपी नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सीमांचल दौरे और नए राज्य बनाने की चर्चा पर अपनी प्रतिक्रिया दी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि यह बिल्कुल गलत बात है। कहीं किसी नए राज्य बनाने की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि पहली बार देश का कोई गृह मंत्री सीमांचल में तीन दिनों के लिए आया है, अमित शाह को बिहार से बेहद लगाव है। दूसरी ओर एआई समिट में कांग्रेस के प्रदर्शन पर शाहनवाज ने कहा, समिट में कांग्रेस ने जो अपना नंगापन दिखाया है वह ठीक नहीं है। कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को देश के विरोध का नेता समझते हैं। वे हर वह काम करते हैं, जो देश के विरोध में हो, उन्होंने देश को शर्मसार किया है।

बता दें कि बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने भले इनकार कर दिया कि नए राज्य जैसी कोई बात नहीं है लेकिन इससे पहे पार्टी के विधायक मिथिलेश तिवारी ने ही कहा था कि सीमा सुरक्षा और घुसपैठ को खत्म करने के लिए अमित शाह को जो भी फैसला लेना होगा लेंगे, चाहे केंद्र शासित प्रदेशों ही क्यों न बनाया जाए।

2027 का टिकट या लखनऊ से विदाई

अखिलेश का वो सीक्रेट प्लान, जिसने सपा के बड़े-बड़े माननीयों की उड़ा दी नींद

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अभी से सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने इस बार टिकट वितरण के लिए एक ऐसा गोपनीय क्राइटेरिया तैयार किया है, जिसने पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है।

अखिलेश यादव ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ लखनऊ के पार्टी दफ्तर में हाजिरी लगाने और नेताओं के पीछे घूमने से टिकट नहीं मिलेगा, बल्कि जमीन पर पसीना बहाने वालों की ही किस्मत चमकेगी। सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव ने अपने रणनीतिकारों को एक विशेष लिस्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इस लिस्ट में पार्टी के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता की गतिविधियों का पूरा लेखा-जोखा रखा जा रहा है।

सपा प्रमुख उन कार्यकर्ताओं से काफी नाराज हैं जो सिर्फ लखनऊ या दिल्ली के कार्यालयों के चक्कर काटते हैं और जमीन पर काम नहीं करते। ऐसे 'चेहरा चमकाने' वाले नेताओं को इस बार टिकट की दौड़ से बाहर रखा जा सकता है। टिकट पाने के लिए सबसे पहली और बड़ी शर्त यह रखी गई है कि कार्यकर्ता ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में कितनी सक्रियता दिखाई है। जिन्होंने बूथ स्तर पर नए वोट बनवाने और लिस्ट दुरुस्त कराने में मेहनत की है, उन्हें ही प्राथमिकता दी जाएगी। सपा अब पूरी तरह से चुनावी मोड में है। अखिलेश यादव की पैनी नजर उन लोगों पर है जो सिर्फ मंच पर साथ दिखने के लिए धक्का-मुक्की करते हैं। पार्टी का नया मंत्र है

काम करो, इनाम पाओ। जो कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार कर रहे हैं और मतदाताओं को जोड़ने में जुटे हैं, उन्हें अखिलेश यादव खुद इनाम (टिकट) देंगे। इस गोपनीय लिस्ट के जरिए उन नेताओं की भी पहचान की जा रही है जो पार्टी के भीतर गुटबाजी को बढ़ावा देते हैं। सपा नेतृत्व का मानना है कि पिछले चुनावों में कुछ गलत टिकट वितरण की वजह से जीत का फासला रह गया था। इसीलिए 2027 के लिए अखिलेश यादव कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। वे एक ऐसी टीम तैयार कर रहे हैं जो 'नेताओं की' नहीं, बल्कि 'जनता की' पसंद हो।

साध्वी प्रज्ञा बोलीं- सपा को डिंपल की जगह अपर्णा को चुनाव में खड़ा करना चाहिए

लखनऊ, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मैं साध्वी हूं, मैं हिंदुओं के लिए आवाज उठाती रही हूं और आगे भी और बुलंदी से उठाती रहूंगी। हिंदुओं को बंटना नहीं है, नहीं तो कटने में समय नहीं लगेगा। एक होना है, जो लोग नए-नए नियम लाकर हिंदुओं को बांटना चाहते हैं, वह सही नहीं है। मालेगांव में एटीएस ने 13 दिन तक गलत तरीके से हिरासत में रखा गया। दबाव बनाकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्कालीन प्रमुख, गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी और गोरखपुर से तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ के नाम लेने को कहा जा रहा था। ये बातें भोपाल से पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने सावरकर विचार मंच उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्य तिथि पर रिवर बैंक कालोनी स्थित आइएमएस भवन में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि वीर विनायक दामोदर सावरकर की पत्नी, उनके दोनों भाइयों की पत्नियों ने उस समय कितनी प्रताड़ना सही, लेकिन पीछे नहीं हटीं। सपा पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव को अगर समाजवादी पार्टी डिंपल यादव की जगह टिकट दे देती तो अच्छा होता। आज अपर्णा ससुराल के विरुद्ध सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि उनकी विचारधारा मेल नहीं खाती है।

आज अपनी राष्ट्रवादी विचारधारा के कारण ही भाजपा में है। वहीं राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पुष्पांजलि कार्यक्रम में कहा कि वह सपा छोड़कर भाजपा में सिर्फ राष्ट्रवाद के लिए आई हैं, परिवारवाद खत्म करना चाहती हूं। हालांकि इस दौरान सभागार में बैठे कुछ लोगों ने अपर्णा के भाषण का विरोध करते हुए सिर्फ वीर सावरकर पर केंद्रित भाषण देने का आग्रह किया और यूजीसी पर केंद्र की नीतियों पर विरोध जताया।

दो बच्चों की मां ने लगाया यौन शोषण का आरोप, आरोपी सिपाही गिरफ्तार

सुलतानपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सुलतानपुर जिले के बल्दीराय थानाक्षेत्र की एक महिला ने आपातकालीन पुलिस नंबर डायल 112 के एक आरक्षी पर यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। बता दें कि बल्दीराय थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने आपातकालीन पुलिस नंबर डायल 112 पर तैनात सिपाही आमिर फिरदौस पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

विमल कुमार हत्याकांड में दो आरोपितों को उम्रकैद, पत्रकार सुरक्षा का मुद्दा बना प्रमुख

अररिया, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अररिया जिले के रानीगंज क्षेत्र में पत्रकार विमल कुमार की हत्या के मामले में आज न्यायालय ने फैसला सुनाया। 18 अगस्त 2023 को हुई इस हत्या के मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रबी कुमार ने दो आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने दोनों आरोपितों पर विभिन्न धाराओं में 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

हत्या की घटना और पृष्ठभूमि

जानकारी के अनुसार, 18 अगस्त 2023 को अररयि के रानीगंज क्षेत्र में विमल कुमार किसी कार्य संबंधी रिपोर्टिंग के सिलसिले में अपने घर से निकले थे। उसी दिन आरोपितों ने पूर्व योजना के तहत उन्हें रोककर हमला किया।

हमले में गंभीर रूप से घायल हुए विमल कुमार को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय संदिग्धों की पहचान की और आरोपितों को गिरफ्तार किया। घटना के पीछे की वजह के तौर पर व्यक्तिगत मतभेद और संपत्ति विवाद की आशंका जताई गई थी।

अन्य आरोपितों की रिहाई

मामले में अन्य आरोपी शैशव कुमार, उमेश यादव, क्रांति कुमार यादव, संतोष कुमार भारती (संतोष राम), रूपेश यादव, आशीष कुमार यादव और अर्जुन कुमार को पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण रिहा कर दिया गया।

कोर्ट की टिप्पणी और स्पीडी ट्रायल

कोर्ट ने इस हत्या को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि पत्रकार विमल कुमार की हत्या ने समाज में भय और चिंता का माहौल पैदा किया था। स्पीडी ट्रायल के तहत लगभग ढाई वर्ष पुराने मामले में यह फैसला सुनाया गया। न्यायालय ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की स्वतंत्र पत्रकारिता को डर या धमकी के माध्यम से दबाने की कोशिश समाज के लिए खतरनाक है।

स्थानीय प्रतिक्रिया

विमल कुमार के परिवार और पत्रकारिता समुदाय ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लंबित न्यायिक मामलों में भी यदि समय पर सजा सुनाई जाए, तो अपराधियों में भय उत्पन्न होता है और समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत होती है। इस मामले से यह संदेश भी जाता है कि पत्रकारों की सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करना लोकतंत्र का महत्वपूर्ण कर्तव्य है।

शराब नीति केस: गिरफ्तारी से बरी होने तक...

अरविंद केजरीवाल
गिरफ्तारी- 21 मार्च 2024
रिहाई- 177 दिन बाद

संजय सिंह
गिरफ्तारी- 4 अक्टूबर 2023
रिहाई- 181 दिन बाद

मनीष सिसोदिया
गिरफ्तारी- 26 फरवरी 2023
रिहाई- 510 दिन बाद

के कविता
गिरफ्तारी- 15 मार्च 2024
रिहाई- 150 दिन बाद

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कहा कि हजारों पन्नों की चार्जशीट में कई खामियां हैं और उसमें लगाए गए आरोप किसी गवाह या बयान से साबित नहीं होते। चार्जशीट में विरोधाभास हैं, जो कथित साजिश (आरोपों) की पूरी थ्योरी को कमजोर करते हैं। अदालत ने सीबीआई के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं।

आबकारी नीति पर क्या कहा: आबकारी नीति के निर्माण में कोई व्यापक साजिश या आपराधिक मंशा नहीं थी। अभियोजन पक्ष (सीबीआई) का मामला न्यायिक जांच पर खरा नहीं उतरता। सीबीआई ने साजिश की एक कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसका सिद्धांत ठोस साक्ष्यों के बजाय मात्र अनुमान पर आधारित था।

केजरीवाल पर क्या कहा

केजरीवाल का नाम बिना किसी ठोस सबूत के जोड़ा गया। जब मामला किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से जुड़ा हो, तब बिना पुख्ता सबूतों के आरोप लगाना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है।

मुख्य आरोपी कुलदीप पर क्या कहा

मुख्य आरोपी कुलदीप सिंह को बरी करते हुए कहा कि हैरानी की बात है कि उन्हें पहला आरोपी क्यों बनाया गया, जबकि उनके खिलाफ कोई ठोस सामग्री नहीं थी।

मनीष सिसोदिया पर क्या कहा

सिसोदिया पर आरोप था कि वे शराब नीति बनाने और लागू करने के जिम्मेदार थे, लेकिन अदालत ने कहा कि उनके शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला और न ही उनके खिलाफ कोई बरामदगी हुई।

किसको पॉलिटिकल राहत, किसे झटका

अगस्त 2022 में सीबीआई की चार्जशीट के आधार पर ईडी ने भी इस मामले में केस दर्ज किया था। ईडी के मामले भी अभी सुनवाई जारी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि सीबीआई मामले में केजरीवाल समेत अन्य लोगों के बरी होने के कारण ये सभी ईडी मामले में भी बरी हो सकते हैं। क्योंकि ईडी का मामला अब कमजोर पड़ गया है।

कानूनी तौर पर आगे क्या

कानूनी तौर पर ऐसे मामले में जांच एजेंसी दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का रुख करती हैं। सीबीआई अब राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेगी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी जा सकती है।

कोर्ट के फैसले पर किसने क्या कहा...

सुनीता केजरीवाल, अरविंद केजरीवाल की पत्नी इस संसार में कोई कितना भी शक्तिशाली हो जाये, शिव शक्ति से ऊपर नहीं हो सकता। सत्य की हमेशा जीत होती है।

आतिशी, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री

चाहे कितने भी झूठे आरोप लगाये, चाहे कितना अत्याचार किया, लेकिन आखिरकर सच की जीत हुई। आज पूरे देश के सामने है - भाजपा का षड्यंत्र और अरविंद केजरीवाल की कट्टर ईमानदारी।

संजय सिंह, आप के राज्यसभा सांसद

यह पहले दिन से हम कह रहे हैं देश पर खतरनाक षडयंत्रकारी राज कर रहा है, जिसका नाम नरेंद्र मोदी है। एक खतरनाक षड़यंत्रकारी गृहमंत्री भी है, जिसका नाम अमित शाह है। जरा सी भी नैतिकता बची हो तो दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए। आज आपने देखा कि अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी पर जो चोट लगी थी। वे फैसला सुनकर आज फफककर रो पड़े।

सीबीआई का दावा- केजरीवाल के करीबी विजय नायर ने साउथ ग्रुप से 100 करोड़ वसूले

सीबीआई का दावा है कि केजरीवाल के करीबी विजय नायर दिल्ली एक्साइज बिजनेस के स्टेकहोल्डर्स के संपर्क में थे। वे शराब नीति में उन्हें फायदा देने के बदले पैसों की मांग करते थे। नायर वो जरिया थे, जिन्होंने केजरीवाल के लिए बीआरएस नेता के. कविता की अध्यक्षता वाले साउथ ग्रुप के लोगों से डील की। नायर ने ही शराब नीति में फायदा देने के बदले में साउथ ग्रुप के लोगों से 100 करोड़ वसूले थे। दो अन्य आरोपियों- विनोद चौहान और आशीष माथुर के माध्यम से इन पैसों को गोवा भेजा गया। केजरीवाल के निर्देश पर इस 100 करोड़ की रकम में से 44.5 करोड़ कैश गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया या। इसलिए केजरीवाल चुनाव के दौरान गलत तरीके से कमाए पैसों का इस्तेमाल करने के भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि इसका फायदा आम आदमी पार्टी को ही मिला है।

दो पूर्व विधायकों ने चुनाव में पार्टी से पैसे मिलने का दावा किया था

सीबीआई के अनुसार आप के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले गोवा के दो पूर्व विधायकों ने आरोप लगाया था कि उन्हें एक पार्टी वालंटियर ने चुनाव खर्चों के लिए कैश दिए थे। एजेंसी ने अवैध रुपए लेने और उसके इस्तेमाल के लिए आप के गोवा प्रभारी दुर्गेश पाठक को भी जिम्मेदार ठहराया है। एजेंसी का दावा है कि शराब नीति के तीन स्टेकहोल्डर्स– शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं का एक गुट तैयार हुआ था। सभी ने अपने–अपने फायदे के लिए नियमों का उल्लंघन किया। पब्लिक सर्वेंट्स और साजिश में शामिल अन्य आरोपियों को आर्थिक लाभ मिला, लेकिन सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

केजरीवाल और सिसोदिया को मिली राहत पर आरजेडी का बड़ा बयान

'धीरे-धीरे सब लोगों को मिलेगी राहत'

पटना, 27 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े केस में राउज एवेन्यू कोर्ट से मनीष सिसोदिया और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने दोनों को इस मामले में बरी कर दिया है। कोर्ट की ओर से कहा गया कि इन दोनों के खिलाफ इस केस में कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। इस पर अब राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने कहा, सारे वेनडेटा केस (प्रतिशोध के मामले) का यही हाल होगा। चाहे हमारे लीडरशिप पर हो या कहीं भी... ये मेरिट बेस्ड केस नहीं थे... ये था कि पॉलिटिकल लड़ाई को ऐसे लड़ा जाए... तो जाहिर तौर पर इसको मैं एक शुरुआत के तौर पर देखता हूं... जो रिलीफ इन दोनों लोगों को मिला है वो धीरे-धीरे सब लोगों को मिलेगा। दूसरी ओर बीजेपी अब भी हमलावर है। पार्टी के सांसद संजय जायसवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में अरविंद केजरीवाल को बरी किए जाने पर कहा, सभी जानते हैं कि ये दोनों(अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया) इस घोटाले के जनक थे।।। दिल्ली की जनता अच्छे से जानती है कि एक्साइज घोटाले के जनक अरविंद केजरीवाल थे। जिन लोगों को पकड़ा गया है, उनकी भी गवाही होगी। सभी जानते हैं कि ये लोग इस घोटाले के मास्टर माइंड थे।

गर्लफ्रेंड के साथ होटल में ठहरा शख्स, खाई ताकत बढ़ाने की दवा मौत; 2 हफ्ते बाद होनी थी बेटे की शादी

गुरुग्राम, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम के एक होटल में ठहरे 56 साल के एक शख्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गुरुग्राम बस अड्डे के पास स्थित होटल में ठहरा हुआ था। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक शख्स हरियाणा के सोहना क्षेत्र के पास स्थित एक गांव का निवासी था। वह एक लॉजिस्टिक्स कंपनी में ड्राइवरी का काम करता था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि होटल के कमरे में ठहरने के दौरान अचानक शख्स को सीने में तेज दर्द उठा। उसके साथ मौजूद महिला मित्र ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर उसे पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को भी सूचना दी। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। तलाशी के दौरान पुलिस को कमरे से शक्तिवर्धक दवाओं के कुछ खाली रैपर मिले, जिससे शुरुआती तौर पर आशंका जताई गई कि कहीं दवाओं के अधिक सेवन से तबीयत बिगड़ने के कारण मौत तो नहीं हुई। हालांकि, शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया और डॉक्टरों की प्रारंभिक रिपोर्ट में मृत्यु का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। पुलिस का कहना है कि बरामद दवाइयों और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बीच संबंध की जांच की जा रही है। आशंका है कि बिना मेडिकल परामर्श के शक्तिवर्धक दवाएं खाने से हार्ट अटैक हुआ है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत के असली कारणों का पता चलेगा। इस घटना ने मृतक के परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक के बेटे की शादी 12 मार्च को तय थी और घर में शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं।

बीपीएल राशन कार्डों में 24 प्रतिशत कटौती पर जवाब दे सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बीपीएल राशन कार्डों की संख्या में आई भारी कमी को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के जो आंकड़े सामने आए हैं वे चिंताजनक हैं और यह गरीबों के साथ अन्याय का संकेत देते हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि जनवरी 2024 में प्रदेश में 44.99 लाख बीपीएल राशन कार्ड थे, जो मार्च 2025 में बढ़कर 52.50 लाख हो गए, लेकिन जनवरी 2026 तक यह संख्या घटकर 39.88 लाख रह गई। उन्होंने कहा कि लगभग 24 प्रतिशत की यह कमी कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या वास्तव में प्रदेश में गरीबी इतनी तेजी से कम हुई है या फिर पात्र परिवारों को विभिन्न प्रशासनिक कारणों से सूची से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एससी, एसटी, बीसी वर्गों, दिहाड़ी मजदूरों, विधवाओं और अनाथों के राशन कार्ड परिवार पहचान पत्र में कथित त्रुटियों के आधार पर काटे गए हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए राशन जीवन का आधार है और यदि पात्र लोगों को योजनाओं से वंचित किया गया है तो यह उनके अधिकारों का हनन है। उन्होंने प्रदेश सरकार से बीपीएल राशन कार्डों में हुई कटौती पर श्वेत पत्र जारी करने, अपील के बाद बहाल किए गए कार्डों का विवरण सार्वजनिक करने तथा पीपीपी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन पात्र परिवारों के कार्ड गलत डेटा के कारण कटे हैं, उनकी शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जानी चाहिए।

तीन महीने से डाइट पर 3 साल की मासूम वजन बढ़कर 13.5 किलो हुआ तो नहीं लग पाएगा 9 करोड़ का इंजेक्शन

इंदौर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। एसएमए टाइप- 2 बीमारी से ग्रसित 3 साल 2 महीने की मासूम अनिका शर्मा के पास इलाज का आखिरी मौका बचा है, अगर उसका वजन 13.5 किलो हो गया तो उसका इलाज हो पाना भी मुश्किल है। इसलिए उसे माता-पिता ने डाइट पर रखा है। तीन महीने से उसे खाना नहीं दिया। माता-पिता भी जल्द से जल्द पैसे जुटाने में लगे हैं, ताकि अनिका का वक्त रहते इलाज करा पाए। अनिका को 9 करोड़ रुपए का इंजेक्शन लगना है, जो अमेरिका से आएगा। वहीं पैसा इकट्ठा करने के लिए माता-पिता रोज कई लोगों के साथ मिलकर क्राउड फंडिंग कर रहे हैं। क्राउड फंडिंग, डोनेशन मिलाकर अब तक 5 करोड़ 60 लाख रुपए इकट्ठा हो चुके हैं। बाकी पैसे जुटाने में परिवार लगा हुआ है। अनिका की मां सरिता शर्मा ने बताया कि अनिका का वजन अभी 10.5 किलो है, जो इंजेक्शन है, वह 13.5 किलो के पहले लगना है। वजन ना बढ़े, इसके लिए अनिका को डाइट पर रखा है। अनिका को खाने में फ्रूट्स, जूस, चाय-बिस्किट और हलवा बनाकर देते हैं। रोटी, चावल या ऐसे फ्रूट्स नहीं देते, जिससे उसका वजन बढ़ जाए। ऐसी चीज देते हैं कि उसका पेट भर जाए।

तीन महीने से अनिका को खाना नहीं दिया, ताकि इसका वजन कंट्रोल में रहे और बढ़े नहीं। बच्ची के इलाज के लिए मां ने चप्पल तक पहनना छोड़ दिया है। मां ने बताया कि दिल्ली एम्स अस्पताल से जो प्रिस्क्रिपशन बना है, उसमें इलाज के दो क्राइटेरिया दिए गए थे। एक ये कि अनिका को 2 साल की उम्र के पहले इंजेक्शन लगना था। दूसरा ये कि 13.5 किलो वजन के पहले उसे इंजेक्शन लगाना है। उम्र का क्राइटेरिया तो निकल गया, लेकिन वजन का क्राइटेरिया अभी बचा है। ये आखिरी मौका है,

रेड लाइट जंप किया तो पुलिस करने लगी चालान... ड्राइवर ने जमकर किया हंगामा, तभी पत्नी ने खा लिया जहर

भोपाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुलिस कंट्रोल रूम तिराहे पर दोपहर ट्रैफिक चेकिंग के दौरान बड़ा हंगामा हो गया। रेड लाइट करने के आरोप में रोके गए ई-रिक्शा चालक और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद बढ़ गया, तभी ई रिक्शा में बैठी चालक की पत्नी ने जहर खा लिया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बरखेड़ी क्षेत्र निवासी नवल कुशवाहा उर्फ राहुल अपनी पत्नी पूजा के साथ ई-रिक्शा से जहांगीराबाद से न्यू मार्केट की ओर जा रहा था। दोपहर करीब एक बजे कंट्रोल रूम तिराहे पर तैनात ट्रैफिक पुलिस ने रेड लाइट सिग्नल जंप करने के आरोप में वाहन रोक लिया। चालान की प्रक्रिया शुरू होते ही चालक और पुलिस के बीच बहस होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस द्वारा थाने ले जाने की चेतावनी दिए जाने पर विवाद और बढ़ गया।

आरोप है कि इसी दौरान ई-रिक्शा में बैठी पत्नी पूजा ने अपने बैग से चूहा मारने वाला जहर खा लिया। महिला के ऐसा करते ही वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना के बाद चालक ने ई-रिक्शा सड़क पर ही खड़ा कर दिया जिससे जाम लग गया।

पंचकूला प्लॉट आवंटन केस में एजीएल को बड़ी राहत

चार्जशीट रद होने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका की समाप्त

चंडीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पंचकूला प्लॉट आवंटन से जुड़े बहुचर्चित मामले में द एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को एक और बड़ी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उसकी लंबित याचिका को निष्प्रभावी घोषित करते हुए समाप्त कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब संबंधित मामले में पहले ही चार्जशीट रद कर याचिकाकर्ता को आरोपों से मुक्त किया जा चुका है, तो वर्तमान याचिका पर सुनवाई जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

यह आदेश जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान पारित किया। एजेएल ने वर्ष 2021 में दायर याचिका के माध्यम से पंचकूला स्थित सीबीआई विशेष अदालत द्वारा 16 अप्रैल 2021 को पारित उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 294 के तहत दाखिल आवेदन को खारिज कर दिया गया था।

कंपनी ने इस आवेदन के जरिए मामले से संबंधित दस्तावेजों की सत्यता स्वीकार अथवा अस्वीकार किए जाने की मांग उठाई थी। मामला वर्ष 2017 में सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर से जुड़ा था। आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि इसी प्रकरण में एजेएल तथा सह-आरोपी पूर्व हरियाणा मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिकाओं पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट 25 फरवरी 2026 को पहले ही विस्तृत फैसला सुना चुका है।

हाईकोर्ट ने अपने पूर्व निर्णय में पाया था कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री प्रथम दृष्टया भी आरोपों के आवश्यक तत्वों को स्थापित नहीं करती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि ऐसे हालात में अभियोजन की कार्यवाही जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना जाएगा। इसके साथ ही अदालत ने आरोप तय करने, डिस्चार्ज आवेदन खारिज करने तथा चार्जशीट से संबंधित सभी आदेशों को निरस्त कर दिया था और आरोपियों को मामले से डिस्चार्ज कर दिया गया था। इसी तथ्य को आधार बनाते हुए न्यायालय ने कहा कि जब मूल चार्जशीट ही समाप्त हो चुकी है और याचिकाकर्ता मुकदमे से मुक्त हो चुका है,

घर नहीं, अपने कमरे पर जबरन ले गया ऑटोवाला... गुरुग्राम में नेपाली युवती के साथ गैंगरेप, ड्राइवर अरेस्ट

गुरुग्राम, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जिसने महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक नेपाली युवती (26 वर्ष) के साथ कथित तौर पर गैंगरेप किया गया। पीड़िता का आरोप है कि जिस ऑटो रिक्शा में वह घर लौटने के लिए बैठी थी। उसी में मौजूद तीन लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों में ऑटो चालक भी शामिल है। पुलिस ने मुख्य आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके दो साथी अभी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है और वर्तमान में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक निजी कंपनी में कार्यरत है। उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह मंगलवार को गुरुग्राम में अपने एक परिचित से मिलने आई थी। काफी देर इंतजार करने के बावजूद जब उससे संपर्क नहीं हो पाया तो वह परेशान हो गई। मानसिक तनाव में उसने शराब पी ली। इसके बाद देर शाम उसने घर लौटने के लिए एक ऑटो रिक्शा लिया। गुरुग्राम पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर सदर थाना क्षेत्र में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जहरीली गैस फैली, 5 की तबीयत बिगड़ी

इंदौर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में रात अमोनिया गैस के रिसाव से इलाके में हड़कंप मच गया। गैस के असर से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसके बाद दो महिलाओं समेत पांच लोगों को एहतियातन अस्पताल भेजा गया। प्रशासन के मुताबिक सभी की हालत स्थिर है और कोई भी गंभीर नहीं है। सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसनी ने बताया कि पांचों की हालत ठीक है। डीसीपी आनंद कालादगी ने बताया कि ककतपुरा पुल के नीचे शहजाद नाम के एक कबाड़ी द्वारा सिलेंडर काटा जा रहा था। इसी दौरान उसमें से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया।

गैस फैलते ही आसपास मौजूद लोगों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी महसूस होने लगी। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुआ है। सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस ने कबाड़ी शहजाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

मध्य प्रदेश के शासकीय कैलेंडर पर छपी तस्वीर पर विवाद

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने उठाए सवाल, कहा-ये पूरे भारत में नहीं; अफ्रीका के इम्पाला का फोटो छापा

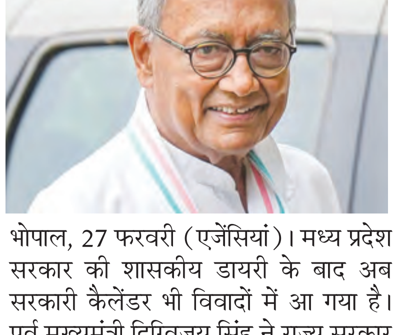

भोपाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार की शासकीय डायरी के बाद अब सरकारी कैलेंडर भी विवादों में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित कैलेंडर पर छपी हिरण की तस्वीर को लेकर सवाल खड़े किए हैं। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कैलेंडर की तस्वीर साझा करते हुए मुख्यमंत्री को संबोधित कर लिखा कि जिस हिरण का चित्र एमपी के कैलेंडर पर लगाया गया है, वह न तो मध्य प्रदेश में पाया जाता है और न ही भारत में। उन्होंने दावा किया कि यह 'इम्पाला' है, जो अफ्रीका में पाया जाता है। दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष इस मुद्दे को सरकार की लापरवाही से जोड़कर देख रहा है। हालांकि इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि सरकार इस विवाद पर क्या स्पष्टीकरण देती है और क्या भविष्य में शासकीय प्रकाशनों में चित्रों के चयन को लेकर कोई नई प्रक्रिया अपनाई जाती है। कैलेंडर के मुद्दे पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने भी सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि मप्र वाइल्ड लाइफ के संबंध में देश में सदैव अव्वल रहा है। प्रदेश की इतनी वन संपदा के बावजूद ऐसा किया गया है, तो वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन के लोग जिम्मेदार हैं। सरकार के अधिकारी जमीनी स्तर पर हकीकत से कितने दूर हैं। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा प्रशासन इतना निरंकुश हो गया है और अधिकारी इतने मदमस्त हो गए हैं कि उन्हें यही नहीं पता कि हम क्या लिटरेचर छाप रहे हैं। उसमें कितना करोड़ रूपया खर्च होता है। उसमें हम यही नहीं समझ पाए कि हम क्या छाप रहे हैं।

ड्रग्स से आतंक की फंडिंग हिजबुल के दो आतंकियों पर कसा शिकंजा, कोर्ट ने जारी किए गैर-जमानती वारंट

श्रीनगर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने एलओसी पार से नारको-टेरर फंडिंग और आतंकी गतिविधियों के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। श्रीनगर की विशेष अदालत ने पाकिस्तान से संचालित हो रहे हिजबुल मुजाहिदीन के दो फरार आतंकियों इम्तियाज अहमद कंदू और मंजूर अहमद खान के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए हैं। यह कार्रवाई सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी और उससे मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में करने के गंभीर मामले में की गई है।

कंदू क्रालटेंग सोपोर और मंजूर अहमद ब्रामन पंजला सोपोर का रहने वाला है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी इम्तियाज अहमद कंदू साल 2010 से लापता है और हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय सदस्य है। गृह मंत्रालय ने उसे पहले ही आतंकवादी घोषित कर रखा है। वहीं, दूसरा आरोपी मंजूर अहमद खान साल 2005 में हथियारों की ट्रेनिंग के लिए गुलाम कश्मीर गया था। जांच में सामने आया है कि ये दोनों आरोपी पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए अपने अन्य साथियों के संपर्क में थे

48 साल बाद खुलेगा श्रीजगन्नाथ मंदिर रत्न भंडार का रहस्य

पुरी, 27 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीजगन्नाथ मंदिर के बहुचर्चित रत्न भंडार में सुरक्षित रत्न एवं आभूषणों की वास्तविक स्थिति को लेकर वर्षों से चले आ रहे संशय पर अब विराम लगने की संभावना है। रत्नभंडार में कुल कितने आभूषण हैं और वर्ष 1978 में हुई पिछली गणना के अनुसार रत्न व आभूषण आज भी यथावत हैं या नहीं—इसका खुलासा जल्द होने वाला है। इसी क्रम में आगामी 2 मार्च को श्रीजगन्नाथ मंदिर की प्रबंधन समिति की अहम बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में रत्नभंडार के आभूषणों की गणना की तिथि और शुभ मुहूर्त को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके साथ ही रथयात्रा से पूर्व गुंडिचा मंदिर को कब खोला जाएगा, इस विषय पर भी अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक के एजेंडे में कई अन्य महत्वपूर्ण विषय भी शामिल हैं। इनमें सेवायतों के बच्चों के लिए आदर्श गुरुकुल की स्थापना, महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के लिए नए रनपलंग (खाट) सेट के उपयोग, मंदिर परिसर के भीतर पुलिसकर्मियों और सेवकों के लिए मोबाइल फोन पर प्रतिबंध, श्रीमंदिर कानून में संभावित संशोधन, नाटमंडप में श्रद्धालुओं के सुव्यवस्थित दर्शन तथा वातानुकूलित व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इसी विषय को लेकर 24 फरवरी को श्रीजगन्नाथ मंदिर के सभा कक्ष में रत्नभंडार के आभूषणों की गणना संबंधी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। यह बैठक श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक डॉ। अरविंद पाढ़ी की अध्यक्षता में हुई थी। बैठक में आभूषणों की गणना प्रक्रिया को लेकर विस्तृत मंथन किया गया और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई थी। अब उसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए गणना की तिथि को अंतिम रूप देने के लिए प्रबंधन समिति की बैठक बुलाई गई है।

कनाडाई पीएम 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे

निवेश-ट्रेड डील पर फोकस, कनाडाई अफसर बोले- कनाडा में अपराधों से भारत का लेना-देना नहीं

नई दिल्ली/ओटावा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी आज 4 दिन के दौरे पर भारत पर पहुंच गए हैं। इस दौरे का मकसद भारत और कनाडा के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में नए साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस करना है।

प्रधानमंत्री के तौर पर मार्क कार्नी का यह पहला भारत दौरा है। कनाडा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कार्नी मुंबई में बिजनेस लीडर्स से मुलाकात करेंगे। इस दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, क्लीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में निवेश पर चर्चा होगी।

कार्नी की भारत यात्रा से पहले कनाडा के अधिकारी अब भारत पर लगाए गए कुछ गंभीर आरोपों से पीछे हटते नजर आ रहे हैं। पहले कनाडा ने आरोप लगाया था कि भारत उसकी जमीन पर हस्तक्षेप कर रहा है और सीमापार दबाव जैसी गतिविधियों में शामिल है।

सीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ कनाडाई अधिकारी ने

कहा कि अगर कनाडा को लगता कि भारत उसकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल दे रहा है, तो प्रधानमंत्री भारत की यात्रा नहीं करते।

कार्नी 1 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे और 2 मार्च को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसका मुख्य एजेंडा में कंप्रीहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) की वार्ताओं को शुरू करना शामिल है, जो लंबे समय से रुकी हुई है। इसके अलावा, सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी। साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद कार्नी ऑस्ट्रेलिया और जापान की यात्रा पर रवाना होंगे।

पूरा दौरा 27 फरवरी से शुरू होकर 7 मार्च तक चलेगा। इसका यात्रा का मकसद कनाडा का अमेरिका पर आर्थिक निर्भरता कम करना और नए व्यापारिक रास्ते खोलना है।

भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है।

भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं।

कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

बांग्लादेश सरकार ने डिफाल्टर को सेंट्रल बैंक का गवर्नर बनाया

विपक्ष बोला- ये बर्दाशत नहीं कर सकते, देश में भीड़तंत्र चल रहा

ढाका, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि तारिक रहमान की सरकार ने एक डिफाल्टर को कारोबारी को सेंट्रल बैंक गवर्नर बना दिया है, जो देश में भीड़तंत्र की शुरुआत जैसा है।

बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर के रूप में मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख और विपक्ष के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि यह फैसला पीएम की शह पर लिया गया है और इसे बर्दाशत नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सरकार ने अहसान हबीब मंसूर का कार्यकाल अचानक खत्म कर दिया था, जिन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था।

मंसूर ने कहा कि उन्होंने न इस्तीफा दिया और न ही उन्हें हटाए जाने की कोई आधिकारिक

सूचना मिली। उन्हें यह खबर मीडिया के जरिए पता चली।

मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति इसलिए अलग मानी जा रही है क्योंकि अब तक बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक का गवर्नर आमतौर पर अनुभवी बैंकर, अर्थशास्त्री या वरिष्ठ सिविल सेवक होते रहे हैं।

मोस्ताकुर एक कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट और गारमेंट कारोबारी हैं। वे हेरा स्वेटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और हालिया चुनाव में तारिक रहमान की बीएनपी पार्टी की केंद्रीय चुनाव संचालन समिति से भी जुड़े रहे थे।

उनकी नियुक्ति को लेकर कर्ज चुकाने से जुड़े पुराने मामलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कंपनी 86 करोड़ टका का कर्ज समय पर नहीं चुका पाई थी।

एक बैंक अधिकारी ने कहा कि जो इंसान अपनी ही कंपनी के लिए स्पेशल कंडीशन पर कर्ज का पुनर्गठन कराता है, वह देश के बैंकिंग सिस्टम के हितों की रक्षा कैसे करेगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ ढाका के पूर्व प्रोफेसर दीन इस्लाम ने भी कहा कि किसी एक्टिव कारोबारी को केंद्रीय बैंक का गवर्नर बनाना गलत संदेश देता है और इससे हितों के टकराव की आशंका बढ़ती है।

विपक्ष ने मोस्ताकुर को गवर्नर बनाने पर विरोध जताया

मोस्ताकुर की नियुक्ति के बाद विपक्षी नेता शफीकुर रहमान ने फेसबुक पर लिखा कि बांग्लादेश बैंक में जो हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि किसी को भी गवर्नर और उनके सलाहकारों जैसे सम्मानित लोगों को इस तरह अपमानित करने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि जब देश की अर्थव्यवस्था पहले से कई समस्याओं से जूझ रही है, तब बांग्लादेश बैंक जैसी महत्वपूर्ण संस्था में इस तरह की कार्रवाई बची हुई अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर देगी।

वेनेजुएला ने 19 तेल और गैस समझौतों को निलंबित किया

पूर्व राष्ट्रपति मादुरो के कार्यकाल में हुए थे

काराकस, 27 फरवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला के तेल मंत्रालय ने निजी कंपनियों के साथ किए गए 19 तेल और गैस प्रोडक्शन-शेयरिंग समझौतों को निलंबित कर दिया है।

ये समझौते पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के कार्यकाल में हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन अनुबंधों की वैधता और कंपनियों के बैकग्राउंड की समीक्षा की जा रही है।

हालांकि, इन समझौतों को सस्पेंड करने से देश के तेल और गैस उत्पादन पर फिलहाल कोई असर नहीं पड़ा है। सरकार के कंट्रोल वाली कंपनी पीडीवीएसए संबंधित परियोजनाओं से निकले कच्चे तेल की बिक्री जारी रखे हुए है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वेनेजुएला और अमेरिका इन एग्रीमेंट्स की शर्तों की समीक्षा कर रहे हैं। कुछ मामलों में उन्हें रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है।

हाल ही में हाइड्रोकार्बन कानून में संशोधन के बाद सरकार को मौजूदा एग्रीमेंट्स की समीक्षा के लिए छह महीने का समय मिला है।

पाकिस्तान की गर्दन पर हमारा हाथ

शहबाज शरीफ के घर के पास सैन्य ठिकाने पर ड्रोन हमला कर बोला तालिबान

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान आर्मी ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ड्रोन हमला किया है। अफगान तालिबान का ड्रोन इस्लामाबाद के फैजाबाद इलाके तक पहुंचा है। यह राजधानी का बहुत पॉश इलाका है, जहां आर्मी का बड़ा ठिकाना है। इस जगह से प्रधानमंत्री ऑफिस सिर्फ छह किलोमीटर दूर है। इससे पता चलता है कि यह जगह पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के लिए कितनी अहम है। ड्रोन अटैक की पुष्टि करते हुए तालिबान ने कहा है कि उसके लड़ाके और हथियार पाकिस्तान की गर्दन तक पहुंच सकते हैं।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा, 'हमने आज पाकिस्तान में जरूरी मिलिट्री ठिकानों को निशाना बनाया है। पाकिस्तान के हवाई हमलों के जवाब में हमने इस्लामाबाद में ड्रोन अटैक किया। इसका संदेश

साफ है कि हमारा हाथ उनकी गर्दन तक भी पहुंच सकता है।'

तालिबान के सुसाइड ड्रोन और एयर ऑपरेशन ने इस्लामाबाद के फैजाबाद में 'एटॉमिक' मिलिट्री ठिकाने को निशाना बनाया। देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के ऑफिस यहां से बहुत करीब होने की वजह से कई सवाल उठे हैं। शुक्रवार सुबह 11 बजे के इस हमले के बाद पूछा जा रहा है कि क्या आर्मी प्रधानमंत्री को सुरक्षा देने में नाकाम हो गई है।

अफगान तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि उसके लड़ाकों ने इस्लामाबाद में फैजाबाद के कैंप के अलावा नौशेरा में पाक आर्मी कैंटोनमेंट, जमरूद मिलिट्री कॉलोनी और एबटाबाद में सफलता के साथ हमले किए हैं। काबुल ने कहा है कि उनके ये हमले पाकिस्तान के काबुल, कंधार और पक्तिया पर की गई स्ट्राइक का बदला हैं।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान से जंग का ऐलान

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में झड़पों के बाद इस्लामाबाद की ओर से इसे जंग की शुरुआत कहा गया है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा है कि अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम अफगान तालिबान के खिलाफ खुली जंग का एलान कर रहे हैं।

पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन पर टीटीपी जैसे गुटों को पनाह मिल रही है। ये गुट पाकिस्तान की आर्मी और आम लोगों के खिलाफ हमले कर रहे हैं। तालिबान शासन पाकिस्तान के इन आरोपों से इनकार करता है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में टीटीपी के ठिकाने बताते हुए हवाई हमले किए हैं।

वनकर्मियों पर ग्रामीणों का हमला

पांच घायल, विभाग की गाड़ियों में तोड़फोड़ पकड़े गए दो तस्करों को जबरन छुड़ाया

बोकारो, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के तुलबुल गांव में गुरुवार देर रात वनकर्मियों पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। इस घटना में पांच वनकर्मी घायल हो गए, जिन्हें गोमिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हमले के दौरान वन विभाग की तीन गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई।

यह घटना रात करीब 10 बजे हुई। तेनुघाट वन प्रक्षेत्र के प्रभारी वनपाल अजीत कुमार मुर्मू के अनुसार, उनकी टीम ललपनिया क्षेत्र में थी, जब उन्हें पिंडरा गांव में हाथियों के झुंड के आने की सूचना मिली। टीम पिंडरा की ओर जा रही थी, तभी लुगु पहाड़ घाटी की मुख्य सड़क पर कुछ लोग जंगल से अवैध रूप से लकड़ी काटकर बाइक पर लादते हुए दिखे। विभागीय गाड़ियों को देखते ही तस्कर भागने लगे। वनकर्मियों ने पीछा कर दो तस्करों को पकड़ लिया और दो बाइक तथा कटी हुई लकड़ी जब्त कर ली। टीम पकड़े गए तस्करों को लेकर तेनुघाट वन प्रक्षेत्र कार्यालय लौट रही थी, तभी तुलबुल गांव के पास 35 से अधिक ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। आरोप है कि ग्रामीणों, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, ने गाड़ियों पर पथराव किया और वनकर्मियों के साथ मारपीट की। इस दौरान पकड़े गए दोनों तस्करों को जबरन छुड़ा लिया गया। इस घटना के विरोध में गोमिया, तेनुघाट और पेटरवार वन प्रक्षेत्र के कर्मी गोमिया थाना पहुंचे और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित न होने पर शुक्रवार से कार्य बहिष्कार की चेतावनी भी दी है। सूचना मिलने पर बीडीओ महादेव कुमार महतो और सीओ आफताब आलम ने अस्पताल पहुंचकर घायल वनकर्मियों से मुलाकात की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

भारत का डिजाइन, अफगानिस्तान बेस

तालिबान के जवाबी हमलों से बौखलाई पाकिस्तानी आर्मी, दिल्ली पर फोड़ा ठीकरा

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान आर्मी ने कहा है कि अफगानिस्तान के साथ लड़ाई में उसने तालिबान के 274 लड़ाकों को मार दिया है। पाकिस्तान ने अपने 12 फौजियों की मौत और 27 के घायल होने की बात स्वीकार की है। गुरुवार रात से दोनों पक्षों में बॉर्डर पर भीषण लड़ाई देखने को मिली है। अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान के अंदर ड्रोन हमले भी किए गए हैं। इसके बाद शुक्रवार को पाकिस्तानी आर्मी के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने अफगानिस्तान पर सख्त रुख बनाए रखने की बात कही है और एक बार फिर भारत पर विद्रोही गुटों को मदद का आरोप लगाया है।

पाकिस्तानी आर्मी के प्रवक्ता चौधरी ने कहा, 'कंधार, काबुल, पक्तिया समेत 22 जगहों पर झड़पें हुई हैं। पाकिस्तानी आर्मी अलर्ट पर है और किसी भी हमले का कड़ा जवाब देगी। हम साफ करना चाहते हैं कि अफगानिस्तान की धरती से होने वाले हमले के लिए अफगान तालिबान सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

अपराधियों ने क्रशर फैक्ट्री में की फायरिंग

मजदूरों को कमरे में बंद कर जेसीबी जलाई फैक्ट्री बंद करने की दी धमकी, पर्चा भी छोड़ा

रामगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के भदानीनगर थाना क्षेत्र के सुथरपुर ओतियातू में बीती रात हथियारबंद अपराधियों ने एक नए क्रशर साइट पर हमला कर दिया। अपराधियों ने वहां काम कर रहे मजदूरों को एक कमरे में बंद कर दिया और एक जेसीबी मशीन में आग लगा दी। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। वहीं, अपराधियों ने मजदूरों काम बंद करने की चेतावनी भी दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आपराधी मौके से फरार हो गए। जाते-जाते उन्होंने एक धमकी भरा पर्चा भी छोड़ा। इस पर्चे में जेजेएमपी संगठन के नाम से क्रशर और पास की पाउडर फैक्ट्री को बंद करने की चेतावनी दी गई है। अपराधियों की इस कार्रवाई ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मजदूरों और व्यवसायियों में भय का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर भदानीनगर पुलिस सुबह मौके पर पहुंची और जली हुई जेसीबी मशीन का मुआयना किया। पुलिस ने धमकी भरे पर्चे को जब्त कर लिया है और उसकी जांच कर रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि पर्चा असली है या किसी ने जेजेएमपी उग्रवादी संगठन का नाम का इस्तेमाल कर डर फैलाने की कोशिश की है।

श्रीलंका में ईस्टर बम धमाका केस में पूर्व खुफिया प्रमुख अरेस्ट

भारत ने भेजा था इनपुट

कोलंबो, 27 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका में 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में 25 फरवरी को पूर्व इंटेलिजेंस चीफ मेजर जनरल सुरेश सैली को गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी ने श्रीलंका की राजनीति में भूकंप ला दिया है। माना जा रहा है कि इसका गंभीर असर भारत और श्रीलंका के संबंध पर हो सकता है। इस गिरफ्तारी को लेकर खुलासा हुआ है कि भारत ने बम धमाके से कई हफ्ते पहले से ही श्रीलंका की खुफिया एजेंसी को चेतावनी देनी शुरू कर दी थी। पता चला है कि भारतीय एजेंसियों ने श्रीलंकन एजेंसी को बम धमाके को लेकर कई इनपुट्स भेजे थे बावजूद इसके बम धमाके को होने दिया गया।

श्रीलंकन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने बम धमाके से कई हफ्ते पहले बम धमाके के मास्टरमाइंड की पहचान और संभावित टारगेट के बारे में

श्रीलंका की खुफिया एजेंसी को दे दी थी। बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। इस बम धमाके में 250 से ज्यादा लोग मारे गये थे। ये बम धमाके स्थानीय इस्लामी कट्टरपंथी संगठन खासकर नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) और जमीयतुल मिलथु इब्राहिम ने मिलकर किए थे। बम धमाके में शामिल हमलावर कट्टरपंथी इस्लामी सोच और आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित थे।

श्रीलंका में उस वक्त रानिल विक्रमसिंघ की सरकार थी और बम धमाके के बाद खुफिया नाकामी के लिए उनकी काफी आलोचना की गई थी।

श्रीलंकाई ऑब्जर्वर्स ने उस वक्त कहा था कि देश में आतंकवाद की वापसी हो गई है। क्योंकि करीब 10 पहले पहले तक श्रीलंका तमिल संघर्ष में फंसा हुआ था। पूर्व खुफिया चीफ मेजर जनरल सुरेश सैली को गोटाबाया राजपक्षे की सरकार ने टॉप इंटेलिजेंस एजेंसी स्टेट इंटेलिजेंस सर्विस (एसआईएस) का चीफ बनाया था। उन्हें अब श्रीलंका के प्रिवेंशन ऑफ टेररिज्म एक्ट (पीटीए) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

मेजर जनरल सुरेश सैली पर क्या आरोप लगे हैं?

सुरेश सैली पर आरोप है कि उन्होंने 2019 के आतंकी हमलों में साजिश रचने और आतंकियों की मदद करने में भूमिका निभाई थी।

उनके ऊपर आरोप है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों की तरफ से दी गई सटीक चेतावनियों को जानबूझकर नजरअंदाज किया और बम धमाकों को होने दिया।

सीनियर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह गिरफ्तारी एक बड़ी कामयाबी है और उनके खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव सुलझाने के लिए आगे आया चीन

शांति बनाए रखने की अपील की

बीजिंग, 27 फरवरी (एजेंसियां)। चीन ने शुक्रवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान से तुरंत युद्धविराम करने की अपील की है। चीन ने दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन इस स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है।

माओ निंग ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान करीबी पड़ोसी हैं। ये दोनों ही देश चीन के भी पड़ोसी और अच्छे दोस्त हैं। चीन इस टकराव के कारण हुई मौतों से बहुत दुखी है। उन्होंने साफ किया कि चीन हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है। चीन

ने कहा दोनों पक्ष शांति और संयम से काम लें। उन्हें आपसी बातचीत से अपने मतभेदों को सुलझाए। चीन ने अपील की है कि हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए जल्द से जल्द सीजफायर किया जाए।

शांति बनाए रखने की अपील की

चीनी प्रवक्ता के अनुसार, तनाव कम करना दोनों देशों और वहां के लोगों के हित में है। इससे पूरे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी। माओ ने यह भी बताया कि चीन अपने स्तर पर दोनों देशों के मध्य बीच-बचाव की कोशिश कर रहा है। चीन हालात सुधारने और रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने को तैयार है। जब उनसे पूछा गया कि क्या चीन अपने नागरिकों और कंपनियों को वहां से निकालने या उड़ानें बंद करने पर विचार कर रहा है, तो उन्होंने कहा कि वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। चीन अपने नागरिकों को हर जरूरी मदद देगा।

चीन एक विशेष तीन-पक्षीय व्यवस्था के जरिए पाकिस्तान और अफगानिस्तान से जुड़ा रहता है। वह समय-समय पर बैठकें करता है ताकि दोनों देशों के मतभेद दूर हो सकें। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' और 'बलूच लिबरेशन आर्मी' जैसे गुट कर रहे हैं। वहीं, अफगान तालिबान इन आरोपों को गलत बताता है। अफगानिस्तान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना की हवाई कार्रवाई और आक्रामक रुख के कारण लड़ाई बढ़ रही है। चीन इन विवादों को खत्म कराकर क्षेत्र में अपना प्रभाव और शांति बनाए रखना चाहता है।

विधानसभा में भूपेश ने चूहे-धान पर गाया फाग

कहा- मुसवा बिन घोटाला न होए विष्णु, दे-दे बुलउवा, बीजेपी बोली- पकड़ागे-धरागे मुसवा मन रे

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। होली को 5 दिन बचे हैं। इसी बीच छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पारंपरिक फाग गाते हुए सरकार पर चुटकी ली। उन्होंने गीत में कवर्धा की उस चर्चित घटना का जिक्र किया, जिसमें चूहों द्वारा 7 करोड़ का धान खराब किए जाने की बात सामने आई थी।

भूपेश बघेल ने फाग गीत की तर्ज पर गाया, 'विष्णु दे दे बुल्लवा

मुसवा को, मुसवा बिन घोटाला ना होए विष्णु, दे दे बुल्लवा मुसवा को...' गीत की यह पंक्तियां सुनते ही विधानसभा की मीडिया गैलरी में ठहाके गूंजने लगे।

भूपेश के तंज पर भाजपा ने भी इसी अंदाज में पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने शराब और कोयला घोटाले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। चिमनानी ने गीत गाते हुए कहा कि 'पकड़ागे, धरागे, मुसवा मन रे। पकड़ागे, पकड़ागे, मुसवा मन रे। शराब घोटाला करइया, कोयला घोटाला करइया, कौनों जेल में हे भइया, कौनों बेल में हे भइया, कौनों जिलाबदर।

काबर के आगे विष्णु के सुशासन ईहां रे। पकड़ागे, पकड़ागे, मुसवा मन रे।'

होली के पारंपरिक गीतों में सामाजिक और राजनीतिक व्यंग्य की परंपरा पुरानी रही है।

हो गया कंफर्म! 2 मार्च को होलिका दहन, 3 मार्च को चंद्र ग्रहण और 4 मार्च को रंगों वाली होली

पूर्णिमा तिथि शुरू – 2 मार्च, शाम 5 बजकर 55 मिनट पर
पूर्णिमा तिथि समाप्त – 3 मार्च, शाम 5 बजकर 7 मिनट पर
2 मार्च को भद्रा मुख मध्य रात्रि को 2 बजकर 38 मिनट से सुबह 4 बजकर 34 मिनट तक रहने वाला है. होलिका दहन हमेशा पूर्णिमा तिथि को ही किया जाता है. लेकिन 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 5 बजकर 7 मिनट तक है, ऐसे में होलिका दहन 3 मार्च को हो नहीं सकता।

चंद्र ग्रहण की वजह से होलिका दहन की तिथि को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी लेकिन अब यह स्थिति साफ हो चुकी है। अब 2 मार्च दिन सोमवार को होलिका दहन किया जाएगा क्योंकि इस दिन प्रदोषकाल-व्यापिनी फाल्गुन पूर्णिमा है। 3 मार्च को चंद्र ग्रहण और 4 मार्च को रंगों वाली होली खेली जाएगी। तीन दिनों तक चलने वाले इस विशेष संयोग को लेकर श्रद्धालुओं और ज्योतिषाचार्यों में उत्साह के साथ-साथ जिज्ञासा भी बनी हुई है। तीन दिनों तक चलने वाले इस विशेष पर्व क्रम को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। पहले चंद्र ग्रहण की वजह से होलिका दहन की तिथि को लेकर बेहद असमंजस था लेकिन अब सभी ज्योतिषचार्य एक मत पर पहुंच चुके हैं।

2 मार्च दिन सोमवारः होलिका दहन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर होलिका दहन किया जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। देशभर में शुभ मुहूर्त में लकड़ियों का ढेर सजाकर पूजा-अर्चना की जाएगी और अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। लोग नई फसल की बालियां भी अग्नि में अर्पित कर समृद्धि की कामना करेंगे।

भद्रा काल

अब होलिका दहन 2 मार्च 2026 को मनाया जा रहा है, इसलिए लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि भद्रा काल 2 मार्च को शाम 5 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगा और 3 मार्च 2026 को सुबह 5 बजकर 30 मिनट तक चलने वाला है। सलाह दी जाती है कि होलिका दहन भद्रा काल से पहले किया जाए।

पूर्णिमा 2026 की तारीख और समय

3 मार्च दिन मंगलवारः चंद्र ग्रहण

होलिका दहन के अगले दिन 3 मार्च को चंद्र ग्रहण है। 3 मार्च को दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से चंद्रल ग्रहण आरंभ हो जाएगा और शाम 6 बजकर 47 मिनट पर समाप्त हो जाएगा। चंद्र ग्रहण के समाप्त होने से पहले ही पूर्णिमा तिथि का समापन हो जाएगा। सूतक काल सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर शुरू हो जाएगा। अगर आप 3 मार्च को होलिका दहन कर रहे हैं तो आपको चंद्र ग्रहण के बाद होलिका दहन करना होगा। ग्रहण के दौरान मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे और श्रद्धालु मंत्र जाप एवं ध्यान करेंगे। वैज्ञानिक दृष्टि से यह खगोलीय घटना तब घटित होती है, जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा एक सीध में आ जाते हैं और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है।

4 मार्च दिन बुधवारः रंगों वाली होली धुलेंडी

रंगोत्सव चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस बार 4 मार्च दिन बुधवार को रंगों वाली होली खेली जाएगी। इस दिन लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर गले मिलते हैं और आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे का संदेश देते हैं। खासकर मथुरा और वृंदावन की होली विश्वप्रसिद्ध है, जहां कई दिनों तक उत्सव का माहौल रहता है। यह पर्व होलिका के अंत और भक्त प्रहलाद की जीत के तौर पर एक दूसरे को रंग लगाकर मनाया जाता है।

3 मार्च को बन रहा खास संयोग राशि अनुसार करें ये काम

हिंदू धर्म में होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस साल 3 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। शाम को लोग परिवार के साथ होली माता की पूजा करेंगे और रात में शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलित होगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित आनंद भारद्वाज के मुताबिक अगर इस दिन राशि के अनुसार छोटे-छोटे उपाय कर लिए जाएं, तो पूरे साल सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

आपकी राशि के लिए क्या करें

मेष – "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें, बाद में लाल फल और गुड़ दान करें।

वृषभ – चंद्र मंत्र जपें, दूध या चावल दान करें।

मिथुन – "ॐ बुधाय नमः" का जाप और हरी वस्तुओं का दान शुभ रहेगा।

कर्क – चांदी के पात्र में जल भरकर दान करें और चंद्रदेव से प्रार्थना करें।

सिंह – "ॐ सूर्याय नमः" मंत्र जपें, गुड़-गेहूं दान करें।

कन्या – बुध मंत्र जपें, हरे फल और वस्त्र दान करें।

ये उपाय बदल सकते हैं किस्मत

तुला – लक्ष्मी मंत्र जपें, सफेद मिठाई और दूध का दान करें।

वृश्चिक – हनुमान चालीसा का पाठ करें, मसूर दाल दान करें।

धनु – "ॐ बृहस्पतये नमः" जपें, पीली वस्तुएं दान करें।

मकर – "ॐ शनैश्चराय नमः" जपें, काला तिल व कंबल दान करें।

कुंभ – शनिदेव की पूजा करें, काले वस्त्र दान करें।

मीन – भगवान विष्णु का ध्यान करें और उनके मंत्रों का जाप करें।

क्यों जरूरी हैं ये उपाय?

ज्योतिष के अनुसार होलिका दहन की रात की गई पूजा और दान विशेष फलदायी माने जाते हैं। सही मंत्र और दान से ग्रहों का अशुभ प्रभाव कम होता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

जब हम सम्मान और प्रेम देते हैं, तो वही हमें लौटकर मिलता है, यही सफलता का मार्ग है

जो व्यवहार हमें अपने लिए बुरा लगता है, वैसा दूसरों के साथ कभी नहीं करना चाहिए। हमें हमेशा वही व्यवहार करना चाहिए, जैसा हम अपने लिए चाहते हैं। यही अच्छे लोगों का धर्म है। यदि कोई पूछे कि जीवन में बड़ा कैसे बनें, सफलता कैसे पाएं, ईश्वर की कृपा कैसे मिले, तो इसका सरल उत्तर है- दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करें। जब हम सम्मान, प्रेम और सहयोग देते हैं, तो वही हमें लौटकर मिलता है। यही सफलता का मार्ग है।

चंद्रमा को राहु क्यों निगलने की करता है कोशिश, जिसके कारण पड़ता है ग्रहण

इस साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन 03 मार्च को चंद्र ग्रहण लगेगा। ये ग्रहण भारत में नजर आएगा। इस वजह से इसका सूतक काल भी मान्य होगा। खगोल विज्ञान में चंद्र ग्रहण की घटना बहुत विशेष मानी जाती है। खगोल विज्ञान के अनुसार, जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच में आ जाती है, तब चंद्र ग्रहण लगता है। चंद्र ग्रहण की घटना धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण मानी गई है।

धार्मिक दृष्टि से चंद्र ग्रहण की घटना का कारण राहु और केतु को बताया जाता है। इससे जुड़ी कथा स्कंद पुराण के अवंति खंड में वर्णित है। ऐसे में आइए जानते हैं कि चंद्रमा को राहु निगलने की कोशिश क्यों करता है?

स्कंद पुराण के अनुसार...

स्कंद पुराण के अनुसार, देवताओं और असुरों ने मिलकर समुद्र मंथन किया, जिससे कई किमती चीजें निकलीं। समुद्र मंथन से ही अमृत निकला। समुद्र मंथन के दौरान जब अमृत निकला तो उसे पीने को लेकर देवताओं और असुरों में विवाद हो गया। इस पर भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया और विवाद को सुलझाने पहुंचे। इसके बाद अमृत देवताओं को पिलाना शुरू कर दिया। भगवान विष्णु की इस चालाकी का पता स्वरभानु नाम के असुर को चल गया। फिर वो देवताओं का रूप धारण कर देवताओं की कतार में बैठ गया और मोहिनी रूप में भगवान विष्णु के हाथ से अमृत पान कर लिया। यह बात सूर्य और चंद्रमा को पता चल गई। उन्होंने मोहिनी रूप धारण किए हुए विष्णु को इसके बारे में बता दिया। ये जानकर भगवान विष्णु को क्रोध आ गया।

इसलिए राहु करता है चंद्रमा को निगलने की कोशिश

उन्होंने अपने चक्र से स्वरभानु का सिर काट दिया, लेकिन स्वरभानु अमृत पान कर चुका था। इसलिए उसकी मृत्यु नहीं हुई। स्वरभानु के सिर को राहु कहा जाता है और धड़ को केतु। कथा के अनुसार, सूर्य और चंद्रमा के कारण स्वरभानु का भेद खुला था। इसलिए समय समय पर राहु यानी स्वरभानू का सिर सूर्य और चंद्रमा को निगलने की कोशिश करता है, इसलिए ग्रहण लगता है।

हिरण्याक्ष और हिरण्यकश्यप तीन जन्मों तक कौन–कौन रूप में बने राक्षस?

सनातन धर्म की पौराणिक कथाओं में भगवान विष्णु और उनके अनन्य भक्तों की कई गाथाएं प्रचलित हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वयं भगवान विष्णु के परम प्रिय द्वारपालों जय और विजय को भी धरती पर बहुत क्रूर राक्षसों के रूप में जन्म लेना पड़ा था? यह कोई साधारण संयोग नहीं, बल्कि एक श्राप और प्रभु की लीला का हिस्सा था। आइए विस्तार से जानते हैं कि हिरण्याक्ष और हिरण्यकश्यप से लेकर शिशुपाल तक, इन दोनों ने तीन जन्मों में कौन-कौन से रूप धारण किए।

कैसे मिला श्राप?

कथा के अनुसार, एक बार सनत कुमार अपने सखा के साथ वैकुंठ धाम में भगवान विष्णु के दर्शन के लिए पहुंचे। उस समय जय और विजय ने उन्हें प्रवेश से रोक दिया। इससे क्रोधित होकर सनत कुमारों ने उन्हें श्राप दे दिया कि वे तीन जन्मों तक पृथ्वी पर असुर योनि में जन्म लेंगे। बाद में भगवान विष्णु के समझाने पर यह तय हुआ कि वे तीन जन्मों तक उनके शत्रु बनकर जन्म लें और प्रभु के हाथों मृत्यु पाकर फिर से वैकुंठ लौट आएंगे।

पहला जन्म

सत्ययुग में जय और विजय ने दो सगे भाइयों के रूप में जन्म लिया। हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु।के रूप में। हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को पाताल लोक में ले जाकर समस्त सृष्टि को संकट में डाल दिया। तब भगवान ने वराह अवतार लेकर उसका वध किया और पृथ्वी को फिर से स्थापित किया। हिरण्यकशिपु ने कठोर तप कर ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया और स्वयं को अजेय समझने लगा। वह भगवान का घोर विरोधी था, लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद विष्णु भक्त था। बाद में भगवान ने नरसिंह अवतार लेकर

हिरण्यकशिपु का वध किया। यह उनका पहला जन्म था, जिसमें दोनों भाइयों का अंत भगवान के अवतारों द्वारा हुआ।

दूसरा जन्म

दूसरे जन्म में वे त्रेतायुग में लंका के पराक्रमी राक्षस भाई रावण और कुंभकर्ण बने। रावण बहुत ही विद्वान और शिवभक्त था, लेकिन अहंकार के कारण उसने माता सीता का हरण किया। तब भगवान विष्णु ने श्री राम के रूप में अवतार लिया। राम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें रावण और कुंभकर्ण दोनों का वध हुआ। इस प्रकार जय और विजय का दूसरा जन्म भी प्रभु के हाथों समाप्त हुआ।

तीसरा जन्म

तीसरे और अंतिम जन्म में वे द्वापरयुग में शिशुपाल दंतवक्र के रूप में जन्में। शिशुपाल बचपन से ही भगवान कृष्ण का विरोधी था। राजसूय यज्ञ के दौरान उसने भगवान का अपमान किया, जिसके बाद श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसका वध कर दिया। दंतवक्र का वध भी भगवान कृष्ण ने गदा युद्ध में किया। यह उनका अंतिम जन्म था।

क्या था इन तीन जन्मों का उद्देश्य?

इन तीनों जन्मों का मूल उद्देश्य यह था कि जय और विजय भगवान के हाथों मृत्यु प्राप्त करें। श्राप के कारण उन्हें असुर योनि में जन्म लेना पड़ा, लेकिन भगवान से उनका संबंध कभी टूटा नहीं। भगवान के हाथों मृत्यु प्राप्त करने के बाद वे फिर वैकुंठ धाम लौट गए और अपने मूल स्वरूप को फिर से प्राप्त किया।

37 सालों से नहीं सोए, 16 साल तक अन्न त्याग और मौन व्रत का दावा

उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद का डूंडाहेड़ा गांव इन दिनों देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां स्थित श्री बालाजी धाम की ख्याति सात समंदर पार तक पहुंच चुकी है। लेकिन इस धाम की प्रसिद्धि के पीछे एक ऐसी कठोर तपस्या है, जिसे सुनकर आधुनिक विज्ञान भी हैरान रह जाए। धाम के संस्थापक महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज पिछले 37 वर्षों से राष्ट्र कल्याण और विश्व शांति के लिए कठिन तपस्या में लीन हैं।

महाराज जी का दावा है कि इन 37 वर्षों में उन्होंने कभी लेटकर विश्राम नहीं किया। वे या तो बैठकर साधना करते हैं या खड़े रहकर भगवान हनुमान की भक्ति में रमे रहते हैं। उनका कहना है कि प्रभु के नाम सिमरन में ही उन्हें विश्राम की अनुभूति हो जाती है। उनकी तपस्या के कुछ मुख्य पड़ाव जो भक्तों को विस्मित कर देते हैं।

37 साल से बिना सोए साधनाः बैठने या खड़े रहने की अवस्था में ही प्रभु भक्ति।

16 वर्षों तक अन्न त्यागः एक लंबे समय तक केवल फलाहार या तरल पदार्थों पर जीवन यापन।

साढ़े तीन वर्ष का मौन व्रतः आत्मिक शांति और ईश्वर से जुड़ाव के लिए पूर्णतः मौन।

45 हजार किमी की यात्रा

21 दिन की परिक्रमा और 'सीताराम' का जाप

श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि श्री बालाजी धाम में आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। यहां की सबसे बड़ी मान्यता 21 दिनों की विशेष परिक्रमा है। भक्तों के अनुसार, जो भी व्यक्ति 21 दिन तक निरंतर सीताराम नाम का पाठ करते हुए धाम की परिक्रमा करता है, उसकी बड़ी से बड़ी मनोकामना हनुमान जी की कृपा से पूर्ण हो जाती है।

विशाल गौशाला और अखंड भंडारा

करीब 18 साल पहले स्थापित ये धाम केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा का जीवंत उदाहरण है। धाम परिसर में एक विशाल गौशाला संचालित है जहां सैकड़ों गोवंश की निःस्वार्थ सेवा की जाती है। यहां प्रतिदिन विशाल भंडारे का आयोजन होता है, जिसमें देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। महाराज जी की प्रसिद्धि के कारण अब केवल यूपी या हरियाणा ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

राष्ट्र कल्याण का संकल्प

महामंडलेश्वर भैया दास जी महाराज का कहना है कि उनकी यह साधना स्वयं के लिए नहीं, बल्कि देश की उन्नति और विश्व शांति के लिए है। उनका मानना है कि यह पूरा आश्रम और यहां होने वाले चमत्कार साक्षात हनुमान जी की इच्छा से संचालित हो रहे हैं।

होली पर क्यों खेले जाते हैं रंग, जानें इनका क्या है महत्व?

हिंदू धर्म में होली का त्योहार बड़ा विशेष माना जाता है। हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि के दिन होलिका दहन का त्योहार मनाने के बाद अगले दिन रंगों के साथ होली खेली जाती है। इस साल 03 मार्च को फाल्गुन माह की पूर्णिमा पर होलिका दहन किया जाएगा। इसके बाद 04 मार्च को रंगों का त्योहार मनाया जाएगा। कुछ लोग होलिका की राख से भी होली खेलते हैं। ब्रज में अलग-अलग तरीके से होली खेली जाती है।

इसमें लड्डूमार होली, लट्ठमार होली, फूलों वाली होली और छड़ीमार होली शामिल है, लेकिन होली का मुख्य आकर्षण रंग ही होते हैं। होली के दिन लोग एक दूसरे पर लाल, पीला, हरा, नीला, सफेद और चमकीले रंग लगाकर ये त्योहार मनाते हैं। होली पर रंग, गुलाल खेलने के कई कारण हैं और इसके लाभ भी बताए जाते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं कि होली क्यों खेली जाती है और अलग-अलग रंगों का क्या महत्व है?

अलग-अलग रंगों का महत्व

हरा रंग- ज्योतिष के अनुसार, हरा रंग बुध ग्रह से जुड़ा मना जाता है। यह रंग विकास, समृद्धि, संतुलन और शांति का प्रतीक माना जाता है।

पीला रंग- यह रंग गुरु ग्रह से जुड़ा माना जाता है। ये रंग ज्ञान, पवित्रता, ऊर्जा और खुशी का प्रतीक माना जाता है। इससे गुरु का शुभ प्रभाव बढ़ता है।

लाल रंग- लाल रंग मंगल ग्रह से जुड़ा है। ये रंग ऊर्जा, शक्ति और साहस का प्रतीक है।

गुलाबी रंग- गुलाबी रंग का संबंध शुक्र से बताया गया है। ये रंग प्रेम, कोमलता, शांति और स्नेह का प्रतीक है।

नारंगी रंग– नारंगी रंग सूर्य ग्रह से जुड़ा है। यह ऊर्जा, उत्साह, खुशी का प्रतीक है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 28 फरवरी - 2026

तनाव से विश्वास तक

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पिछले कुछ वर्षों में जमी बर्फ अब पिघलने की उम्मीद दिखाई दे रही है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। बदलते वैश्विक परिदृश्य में कनाडा को भारत की सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक अहमियत का अहसास हो रहा है। यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों के लिए संभावित नई शुरुआत का संकेत है। पिछले वर्ष मार्च में पद संभालने के बाद मार्क कार्नी ने नई दिल्ली के प्रति संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाया है। उनका दृष्टिकोण पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बिल्कुल अलग दिखाई देता है। ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारतीय एजेंसियों पर लगाया था, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्ते अभूतपूर्व तनाव में चले गए थे। राजनयिक स्तर पर कटुता बढ़ी, जिससे संवाद लगभग ठहर गया। ऐसे माहौल में कार्नी का संयमित और संवाद-आधारित दृष्टिकोण रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता पर बातचीत फिर से शुरू होना विशेष महत्व रखता है। जून और नवंबर में पीएम मोदी और मार्क कार्नी की मुलाकातों में इस मुद्दे पर सकारात्मक संकेत मिले थे। दोनों देशों ने 2030 तक 70 अरब डॉलर के वार्षिक व्यापार का लक्ष्य रखा है, जिसे हासिल करने में यह समझौता निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यदि यह समझौता आगे बढ़ता है, तो जाहिर है व्यापार और निवेश के नए द्वार खुलेंगे। ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की संभावनाएँ मजबूत हैं। कनाडा यूरेनियम और अन्य ऊर्जा संसाधनों का प्रमुख स्रोत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को विविध बनाने के प्रयास में है, ऐसे में कनाडा से आपूर्ति बढ़ाने पर चर्चा महत्वपूर्ण है। कच्चे तेल, गैस, पाइपलाइन और टर्मिनल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की संभावनाएँ भी तलाशी जा रही हैं। यह सहयोग न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को भी गहराई देगा। 2024 में भारत–कनाडा द्विपक्षीय व्यापार 13.3 अरब डॉलर तक पहुंचा, जिसमें कनाडा का निर्यात 5.3 अरब डॉलर रहा। सर्विस ट्रेड में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह बताता है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद आर्थिक सहयोग की मजबूत नींव पहले से मौजूद है। अब आवश्यकता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति के जरिए इस आधार को और विस्तृत किया जाए। वैश्विक स्तर पर भी परिस्थितियाँ दोनों देशों को नजदीक आने के लिए प्रेरित कर रही हैं। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ से जुड़े हालिया घटनाक्रमों ने अनिश्चितता का माहौल बनाया है। ऐसे में मध्यम शक्तियों के लिए आपसी सहयोग और बहुपक्षीय संतुलन की नीति अपनाना स्वाभाविक है। यदि दोनों देश आपसी विश्वास को पुनर्स्थापित कर पाते हैं, तो यह साझेदारी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और आर्थिक विकास का नया मॉडल बन सकती है। यह भी सच है कि विश्वास बहाली की प्रक्रिया आसान नहीं होगी। सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर स्पष्टता और पारदर्शिता आवश्यक है। संवाद को निरंतर और संस्थागत रूप देना होगा, ताकि भविष्य में गलतफहमियों की गुंजाइश कम हो। अंततः, भारत और कनाडा के रिश्तों में आई नई गर्माहट केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक समीकरणों की अनिवार्यता है। यदि दोनों देश परिपक्वता और व्यावहारिकता से आगे बढ़ते हैं, तो यह 'नई शुरुआत' केवल शब्द नहीं, बल्कि एक मजबूत और दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की ठोस नींव साबित हो सकती हैं।

पुस्तक विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त कदम

राधा रमण

एनसीईआरटी ने भले ही कक्षा 8 की अपनी सामाजिक विज्ञान (सोशल साइंस) की किताब से 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाला चेप्टर हटाने का फैसला कर लिया है और देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से इस चूक के लिए माफी मांग ली है, लेकिन यह मामला फिलहाल थमता नहीं दिखाई देता है। देश के वरिष्ठ वकील और पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा अदालत को जानकारी देने बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने दोटूक कहा कि दुनिया में किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने और उसकी अखंडता को धूमिल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह एक सोची-समझी और गहरी साजिश लगती है। मुझे पता है ऐसे लोगों से कैसे निपटना है। जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मामले की गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं किया जाएगा।

इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले की सुनवाई के लिए अपनी अध्यक्षता में, न्यायाधीश जोयमाल्या बागची और न्यायाधीश विपुल एम पंचोली की एक पीठ गठित कर दी है। यह पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। साथ ही उक्त पुस्तक के प्रकाशन, प्रसारण और बिक्री पर रोक लगा दी। अदालत ने साफ- साफ कहा कि पुस्तक की डिजिटल प्रति भी कहीं दिखाई नहीं पड़नी चाहिए, अन्यथा उसे अदालत की अवमानना मानी जाएगी। साथ ही किताब की सभी प्रिंट और डिजिटल कॉपियों को तुरंत जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने का आदेश दिया।

अदालत की फटकार से सरकार और एनसीईआरटी दोनों के हाथ-पांव फूले हुए हैं। एनसीईआरटी की तरफ से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से माफी मांगते हुए कहा कि चेप्टर तैयार करने वाले दो लोगों को काम से विरत कर दिया गया है। साथ ही यूजीसी या किसी मंत्रालय के साथ उनके काम करने पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि 'यह तो बहुत आसान होगा और वह बच निकलेंगे। उन्होंने गोली चलाई और न्यायपालिका का खून बह रहा है। यह एक सोची-समझी चाल है। पूरे शिक्षक समुदाय को यह बताया जाएगा कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है और मुकदमें लंबित पड़े हैं। फिर यह बात छात्रों तक पहुंचेगी और उसके बाद उनके माता-पिता तक। ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए यह एक गहरी और सुनियोजित साजिश रची गयी है। किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाएगा और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी।'

मुख्य न्यायाधीश की फटकार अनायास नहीं कही जा सकती। दरअसल, नियमों के मुताबिक एनसीईआरटी ने पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए तीन लेयर कमेटी की व्यवस्था कर रखी है, जिसमें 57 विषय विशेषज्ञों को जिम्मेदारी दी गयी है, ताकि किसी स्तर पर गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रहे। जिस विवादास्पद पाठ्यपुस्तक की बात हो रही है, उसे तैयार करने के लिए भी तीन कमेटियां बनाई गयी थी। पहली कमेटी पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के अध्यक्ष आईआईटी गांधीनगर के अतिथि प्राध्यापक मिशेल डैनिनो थे। इसमें मिशेल के अलावा 14 सदस्य शामिल थे।

इसके अलावा पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के कामकाज पर नजर रखने के लिए एक 23 सदस्यीय समीक्षक समिति बनाई गयी थी। उसके अध्यक्ष डीपीएस गुरुग्राम की निदेशक और प्रधानाचार्या अदिति मिश्रा थीं। तीसरी और आख़िरी कमेटी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम व शिक्षण अधिगम सामग्री समिति थी, जिसका काम पाठ्यपुस्तक में शामिल सामग्री को अंतिम रूप देना था। इस समिति में 19 सदस्य थे। इसका अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक योजना व प्रशासन संस्थान के कुलाधिपति एम सी पंत को बनाया गया था। तीनों कमेटियों के सभी सदस्य अपने विषय के विशेषज्ञ बताये जाते हैं।

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने की जो व्यवस्था है, उनमें पहले चरण में बच्चों को किस कक्षा के स्तर पर क्या पढ़ाना है, इसका फ्रेमवर्क तैयार किया जाता है। फिर, उसी फ्रेमवर्क के तहत पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति को नई पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने का जिम्मा दिया जाता है। इसके लिए विषय की जरूरत को देखते हुए संबंधित विशेषज्ञों को कमेटी में शामिल किया जाता है। उनमें आपस में चर्चा की जाती है। फिर दूसरी कमेटी समीक्षक समिति उसका अध्ययन करती है। उसके अग्रसारित करने के बाद तीसरी और आखिरी कमेटी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम व शिक्षण अधिगम सामग्री समिति उसका अध्ययन कर पुस्तक प्रकाशन के लिए भेजती है।

ऐसे में सवाल उठना वाजिब है कि इतने काबिल लोगों के होते हुए आखिर यह विवादास्पद विषय पाठ्यक्रम में शामिल कैसे हो गया ? साथ ही पुस्तक छपकर बाजार में कैसे आ गई ? इसे साजिश नहीं तो और क्या कहा जाएगा ? अव्वल तो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार आठवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने का कोई तुक नहीं था। एक अदालत ही है जिस पर देश के करोड़ों लोगों की उम्मीद टिकी है। अगर, अदालत की गरिमा का क्षरण हो जाए, अदालत निष्पक्ष नहीं रहे तो लोगबाग न्याय की उम्मीद लिये कहां जाएंगे ? यह भी मान लीजिए कि लेखक ने अपनी कुंठा से अथवा किसी के बहकावे में आकर विवादास्पद पाठ लिख दिया तो कमेटी के बाकी लोग क्या धतूरा खाकर बैठे थे ? किसी ने उस पर आपत्ति क्यों नहीं जताई ? आश्चर्य है कि इतनी बड़ी चूक हो गयी और पुस्तक छपने से पहले किसी को पता नहीं चला। माना कि एनसीईआरटी एक स्वायत्तशासी संगठन है। तो क्या एनसीईआरटी की कमेटियां महज खानापूरी के लिए हैं ?

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एनसीईआरटी के निदेशक और केन्द्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चेप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने को भी कहा है। इससे यह पता चलता है कि मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी। फिलहाल अगली सुनवाई के लिए 17 मार्च की तारीख तय की गयी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भी कहा है कि विवादित चेप्टर तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और उसका अपमान करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है।

बहरहाल, ऐसा लगता है कि बात निकली है तो बहुत दूर तलक जाएगी। यह पहला मामला नहीं है, जब सुप्रीम कोर्ट को शिक्षण संस्थानों के मामले में दखल देना पड़ा है। इससे पहले हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के एक नियमन को लेकर भी विवाद हो गया था। इससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने लगा था। उसकी अनुगूँज अब भी यदाकदा सुनाई पड़ती है। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उस नियमन पर रोक लगा दी थी। उसकी भी जांच चल रही है। उस समय भी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही थी। बेशक, सुप्रीम अदालत को मामले की तह तक जाना और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी ही चाहिए ताकि समाज में सद्भाव बना रहे। ।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

योगेश कुमार गोयल

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है।

रंगों से नहीं, परिवर्तन से खिलता है मन का वसंत

कृति जैन

अँधेरा जितना भी गहरा हो, जब आग की लपटें उठती हैं, वह हर छिपी कड़वाहट और पुरानी पीड़ा को राख बना देती हैं। होलिका दहन केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि यह जीवन का सबसे बड़ा संदेश है कि बुराई कितनी भी प्रबल क्यों न हो, वह अंततः समाप्त हो जाती है। राख से उठता है नया वसंत, जिसमें हर पत्ता हरा, हर फूल खिलता और हर सांस नई ऊर्जा से भर जाती है। होली हमें यह सिखाती है कि परिवर्तन कोई असंभव चमत्कार नहीं, बल्कि हर क्षण हमारी अपनी समझ और प्रयास से संभव है।

जो आज दुख में डूबा है, वही कल प्रेम, आनंद और उमंग के रंग में सराबोर हो सकता है।

होलिका की कथा केवल पुरानी कहानी नहीं, बल्कि मानव मन के भीतर छिपे द्वंद्व का प्रतीक है। हिरण्यकश्यप का अहंकार और प्रह्लाद की निश्छल भक्ति हमें बताते हैं कि अच्छाई और बुराई दोनों हमारे भीतर मौजूद हैं। जब अहंकार की आग अपने आप को भस्म कर देती है, तब प्रेम और सत्य की शक्ति और प्रबल हो जाती है। हमारी जिंदगी में भी कई "हिरण्यकश्यप" हैं - ईर्ष्या, क्रोध, भय, लालच -जो हमें मानसिक और भावनात्मक रूप से जलाने का प्रयास करते हैं। लेकिन जब हम प्रह्लाद की तरह सत्य और प्रेम पर अडिग रहते हैं, तो वही आग नकारात्मकता को समाप्त कर देती है। यही होली का सबसे बड़ा संदेश है- परिवर्तन हमेशा हमारे भीतर से शुरू होता है। रंग बरसाना केवल चेहरों तक सीमित नहीं होता; यह दिलों की दीवारों तक पहुँचता है। पुराने मतभेद, वर्षों की शिकायतें, टूटे रिश्ते और कड़वाहटें सब रंगों में घुलकर मिट जाती हैं। होली का वसंत तभी आता है, जब हम पहले अपने भीतर की होलिका जला चुके होते हैं।

जैसे सर्दियों के बाद बसंत की ताजगी आती है, वैसे ही मन के अँधेरों और पुराने गिले-शिकवे समाप्त होने पर प्रेम और भाईचारा खिलता है। परिवर्तन का अर्थ है पुरानी आदतों और नकारात्मक सोच को जलाना, और नए विचार और सकारात्मक ऊर्जा अंकुरित करने देना। होली यही सिखाती है कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं- न दुख, न क्रोध, न असफलता; सब बदल सकता है, यदि हम खुद को बदलने की हिम्मत करें।

होली का उत्सव कठिनाइयों को सरल बना देता है। रंग खेलते समय लोग जाति, संपत्ति या पद की सीमाओं को भूल जाते हैं। सभी एक हो जाते हैं। यही एकता परिवर्तन की पहली सीढ़ी है। जब हम दूसरों को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में अपनी कड़वाहट भी धुल जाती है। क्षमा और समझौते की भावना जन्म लेती है। परिवर्तन अकेले नहीं होता, वह सामूहिक प्रयास से संभव होता है। एक व्यक्ति जब बदलता है, तो उसके आसपास का समाज भी बदलने लगता है। बुराई की होलिका अकेले नहीं जलती, अच्छाई का वसंत भी अकेले नहीं आता। सामूहिक प्रयास, प्रेम और समझदारी से ही यह संभव होता है। होली का पर्व हमें यह भी सिखाता है कि परिवर्तन केवल बाहरी बदलाव नहीं है, बल्कि अंदर से उठने वाली क्रांति है। यह बदलाव धीरे-धीरे आता है, जब हम पुराने भ्रम, डर और संदेह को जलाते हैं। यह बदलाव व्यक्ति के दृष्टिकोण, सोच और व्यवहार में दिखाई देता है। जब हम दूसरों के लिए समझ, दया और सहयोग का रंग भरते हैं, तो वही रंग हमारे भीतर की बुराई और नकारात्मकता को भी मिटा देता है। होली केवल खुशियों का पर्व नहीं, बल्कि आत्म-शुद्धि और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है।

प्रकृति भी इस संदेश का प्रतीक है। जैसे सर्दियों के बाद बसंत में हर पेड़ और हर फूल नया जीवन लेकर आता है, वैसे ही हमारे जीवन में भी पुराने दुख, पुराने भय और पुराने गिले-शिकवे खत्म होने पर नई ऊर्जा और नई संभावनाएँ जन्म लेती हैं। होली हमें याद दिलाती है कि परिवर्तन सतत प्रक्रिया है, जो कभी रुकती नहीं। हर अंत में नया आरंभ है, और हर कठिनाई में सीख और अवसर छिपे होते हैं। जीवन के रंग तभी खिलते हैं जब हम पुराने अंधेरों को स्वीकार कर उनके ऊपर से विजय की आग लगाते हैं।

बुराई जल रही है, मतलब पुरानी कमजोरियाँ, दोष और भय समाप्त हो रहे हैं। अच्छाई का वसंत आ रहा है, मतलब नई संभावनाएँ, नया प्रेम और नयी ऊर्जा जन्म ले रही हैं। यह त्योहार हमें यह भी सिखाता है कि केवल खुद को बदलना ही पर्याप्त नहीं; दूसरों के लिए मार्ग खोलना और उन्हें प्रेरित करना भी जरूरी है। जब हम अपनी छोटी-छोटी सकारात्मक क्रियाओं के माध्यम से दूसरों के जीवन में रंग भरते हैं, तो समाज सामूहिक परिवर्तन की ओर अग्रसर होता है। यही होली का असली अर्थ है।

होली हमें याद दिलाती है कि परिवर्तन हमेशा संभव है, बुराई चाहे कितनी भी प्रबल क्यों न हो। जीवन का प्रत्येक क्षण नया अवसर देता है। पुरानी आदतों, डर, और नकारात्मकताओं को जलाकर ही हम सच्चे वसंत का अनुभव कर सकते हैं। बस हमें अपने भीतर की आग को पहचानना है, अपनी कमजोरी स्वीकार करनी है, और प्रेम, क्षमा, समझ और सकारात्मकता के रंग भरने हैं। होली नहीं मनानी, होली जीनी है - हर दिन, हर पल। क्योंकि जब हम बदलाव को अपनाते हैं, तो जीवन न केवल रंगीन, बल्कि चमत्कारिक और प्रेरक बन जाता है। यही होली का असली संदेश है - बुराई जल रही है, अच्छाई का वसंत आ रहा है, और जीवन हमेशा नई शुरुआत का अवसर देता है।

आयरन बीम : भारत के 'सुदर्शन चक्र' को मजबूत बनाएगा

स्नेहा सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजराइल के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे । उनकी इस यात्रा के साथ ही इजराइल और इंडिया के बीच रक्षा साझेदारी और मजबूत होने की वैश्विक चर्चा तेज हो गई है। दोनों देशों द्वारा सुरक्षा, व्यापार, उन्नत तकनीक और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। अक्टूबर, 2023 में गाजा पर इजराइल के हमले और बाद में हुए युद्धविराम के दौरान अंतरराष्ट्रीय दबाव की स्थिति में भारत ने संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाई थी, जिससे यह दौरा भारत के लिए अधिक लाभकारी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान समय में यह यात्रा रक्षा साझेदारी को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। इजराइल के पास दुनिया की अत्याधुनिक एयर डिफेंस प्रणालियों में से एक मौजूद है और इस पर दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना है। पाकिस्तान के साथ तनाव और दूसरी ओर चीन से बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत अपनी एयर डिफेंस क्षमता मजबूत करना चाहता है। हाल के प्रदर्शन को देखते हुए आयरन बीम तकनीक की मांग और भारत में उसके उत्पादन की संभावना भी जताई जा रही है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में भारत का रक्षा नेटवर्क काफी मजबूत हुआ है। शुरुआती दौर में केवल लड़ाकू विमान, राकेट और टैंक तक सीमित व्यवस्था धीरे-धीरे बहुस्तरीय सुरक्षा ढांचे में बदल गई। सेंसर, शूटर और कमांड सेंटर के समन्वय से भारत ने अपनी हवाई सीमाओं को आधुनिक बनाया है। सुदर्शन चक्र डिजाइन का उद्देश्य लंबी दूरी से लेकर छोटी दूरी तक आने वाले खतरों को रोकना है।पिछले वर्ष पाकिस्तान के साथ हुए हवाई तनाव के बाद भारत ने लंबी दूरी के इंटरसेप्ट सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया। खासकर रूस से मिली एस-400 एयर डिफेंस प्रणाली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपरेशन सिंदूर के दौरान यह प्रणाली उपयोगी साबित हुई और वर्ष के अंत तक इसके अतिरिक्त यूनिट भारत को मिलने की संभावना है। साथ ही भारत का स्वदेशी प्रोजेक्ट 'कुशा' भी विकसित किया जा रहा है। भारत और इजराइल ने मिलकर मध्यम दूरी की एयर डिफेंस प्रणाली भी विकसित की है, जो नेवल और एयर बेस की सुरक्षा करती है तथा छोटे विमान और क्रूज मिसाइल जैसे खतरों को रोकती है। इसके अलावा आकाश-एनजी और क्यूआरएसएएम जैसी शार्ट रेंज प्रणालियां भी विकसित की गई हैं। भविष्य में अत्यंत कम दूरी की एयर डिफेंस प्रणाली भी विकसित की जाएगी, जो सैनिकों द्वारा सीधे उपयोग की जा सकेगी, विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में। आयरन बीम का अर्थ हिब्रू भाषा में 'प्रकाश की शक्ति' माना जाता है। 2014 में पहली बार इसका प्रदर्शन किया गया था। यह प्रणाली हाईपावर फाइबर लेजर के माध्यम से लक्ष्य को नष्ट करती है। उदाहरण के तौर पर कोई ड्रोन या मोर्टार दिखाई देते ही यह सिस्टम तुरंत ट्रैक कर लेजर बीम से उसे खत्म कर देता है। पर्याप्त ऊर्जा मिलने पर लक्ष्य कुछ ही सेकेंड में नष्ट हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसके नए संस्करण में प्रतिक्रिया समय और रेंज दोनों बढ़ाई गई हैं। राफेल द्वारा इस सिस्टम को विभिन्न वेरिएंट में तैयार किया गया है, ताकि इसे ट्रक पर स्थापित किया जा सके और जरूरत के अनुसार किसी भी क्षेत्र में तैनात किया जा सके। इसका नौसेना संस्करण भी विकसित किया गया है जो युद्धपोतों को ड्रोन और मिसाइल से सुरक्षा देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता कम लागत है, एक इंटरसेप्शन का खर्च पारंपरिक मिसाइलों की तुलना में बहुत कम माना जाता है। हालांकि इस प्रणाली की कुछ सीमाएं भी हैं। भारत जैसे देश में बदलते मौसम के कारण इसकी प्रभावशीलता प्रभावित हो सकती है। घना कोहरा, स्माग, भारी बारिश, धूल भरी आंधी या तूफान के दौरान लेज़र की क्षमता घट सकती है। इसलिए पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों के साथ इसका उपयोग अधिक प्रभावी माना जाता है।

बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना

डॉ. सुरेश कुमार

कहावत है- बेगानी शादी में अ ब दु ल ला दीवाना, पर यहाँ तो अब्दुल्ला ने बाकायदा 'को-ऑर्ड' सेट पहना है और रील बनाने के लिए दीवाना हुआ जा रहा है। हमारे पंच महाराज, जो कल तक मोहल्ले के नुक्कड़ पर बैठकर दुनिया को 'डिप्रेशन' का सर्टिफिकेट बाँटते थे, आज न जाने कौन सा 'फोमो' जाग उठा कि अपना पुराना डार्क सर्कल वाला चेहरा चमकाकर मेले में निकल पड़े। मेला क्या था, बस 'दिखावे का एक कबाड़खाना' था, जहाँ हर कोई अपनी गरीबी को फिल्टर के पीछे छिपाकर खुद को 'मेन कैरेक्टर' समझ रहा था। एक तरफ देखिए-हटो-बचो-साइड दो, हुड़दंग मचाती एक टोली आ रही है। ये हैं हमारे 'इन्फ्लुएंसर' महाराज। बदन पर कपड़े इतने कम कि रफू कराने को मांस भी न मिले, और गालों पर 'हाइलाइटर' ऐसा कि सूरज भी शर्म से बादलों में मुँह छिपा ले। हाथ में जिम्बल पकड़े ऐसे मटक रहे हैं जैसे इंद्र की सभा में अप्सराओं का डेटा पैक खत्म हो गया हो और सारा दारोमदार इन्हीं की कमर पर हो। ओ भाई! ज़रा एंगल देख के,- कोचवान तो अब रहा नहीं, अब तो ओला-उबर के ड्राइवर को डाँट रहे हैं, ब्लॉग खराब हो गया तो रेंट नहीं मिलेगा। ये राय दुर्लभचन्द के पोते नहीं, बल्कि 'क्रिएटर इकोनॉमी' के नए दामाद हैं। मुँह कुकरै काटा नहीं, बल्कि 'बोटॉक्स' ने ऐसा सिकोड़ा है कि विधाता भी पहचान पत्र माँगे तो ये अपनी 'ब्लू टिक' वाली प्रोफाइल दिखा दें। ब्रह्मा जी भी सोच रहे होंगे कि इसे बनाते वक्त उन्होंने 'लुक एंड लाफ' वाला ऐप डाउनलोड कर लिया था या बस कीबोर्ड पर कोहनी लग गई थी। तभी बगल से एक और नमूना गुज़रा- 'रियासत की गठरी' तो दादाजी बेच खाए, अब ये 'नेपो-बेबी' अपनी 'एंग्जायटी' का बोझ ढो रहे हैं। चेहरा पीला, जैसे हल्दी के ड्रम में डुबकी लगाकर आए हों, पर एटीट्यूड ऐसा कि जैसे पूरी दुनिया इनके 'पिंपल्स' की ऋणी हो। नशे और रात भर की 'गेमिंग' ने आँखों के नीचे वो खाइयां खोद दी हैं कि उनमें पूरा मोहल्ला डूब मरे। साथ में एक और कुन्दे-नातराश हैं- इनके पूर्वजों ने कभी किताब को हाथ लगाया होता तो शायद आज ये 'सिग्मा मेल' बनने के चक्कर में अल्फाबेट न भूल जाते। ये कहते हैं, पढ़ाई-लिखाई तो स्कैम है भाई, सारा ज्ञान तो पॉडकास्ट में है। इनके लिए 'बीफ' और 'व्हिस्की' ही मॉर्डन होने का लाइसेंस है। घर में भले ही चूल्हा 'ईएमआई' पर जल रहा हो, पर बाहर ये 'मिस्टर जान बुल' बनकर ऐसी अंग्रेज़ी झाड़ते हैं कि शेक्सपियर भी अपनी कब्र में 'डिक्शनरी' ढूंढने लगे। तभी भीड़ में एक 'मुछंदर' दिखाई दिया। बालों में तेल इतना कि अगर कोई माचिस दिखा दे तो पूरा मेला 'दिवाली' बन जाए। जेब में धेला नहीं, पर हाथ में 'आईफोन' का वो लेटेस्ट मॉडल है जिसकी किश्तें इनके पोते चुकाएंगे। खिलौने वाले से पूछते हैं, भाई, इसमें आरजीबी लाइट है क्या? जब उसने दाम बताया तो 'पाकेट खाली' की वही पुरानी बीमारी उभर आई। बेचारे की पोल क्या खोलनी, ये तो 'सेल्फ-डिक्लेयर्ड' नवाब हैं, जिनका वज़ीर भी अब इन्हें उधार नहीं देता।

और वो देखो! रंग-बिरंगी 'फिल्टर्ड' सेना। कहीं नियॉन पिंक, कहीं इलेक्ट्रिक ब्लू-ये हमारी 'क्वीन' और 'दिवा' लोग हैं। हुस्न ऐसा कि मेकअप की परत उतार दो तो असली चेहरा 'मिसिंग' रिपोर्ट लिखवाने लायक निकले। ये वो प्रेम के पंछी हैं जो दिल नहीं, 'क्रेडिट कार्ड' देखकर फंदे में फंसते हैं। और इनके पीछे पीछे वो 'सिम्प' महाशय, जो अपनी मर्दानगी को इनके हैंडबैग के नीचे दबाकर चल रहे हैं। ये वही हैं जो किसी ज़माने में मटियाबुर्ज के नवाब रहे होंगे, पर अब बस इंस्टाग्राम की स्टोरी में 'कैप्शन' बनकर रह गए हैं।

'मैं 10-12 गेंद ही खेल पा रहा था', अर्धशतकीय पारी से लौटा अभिषेक का आत्मविश्वास; टीम को दिया श्रेय

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय टीम की महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाने वाले अभिषेक शर्मा ने कहा है कि उनका आत्मविश्वास लौट आया है। अब वह निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। बता दें कि, गुरुवार को टी20 विश्व कप के सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। टीम इंडिया ने अभिषेक शर्मा (55) और हार्दिक पांड्या (50*) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर सिर्फ 184 रन ही बना सकी। उनके लिए ब्रायन बेनेट ने 97 रनों की नाबाद पारी खेली।

अभिषेक शर्मा का धमाकेदार प्रदर्शन

इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 55 रन जुटाए। बाएं हाथ के ओपनर अभिषेक शर्मा ने कहा कि वह इस पारी से बेहद खुश हैं। वह टूर्नामेंट में इस पल का काफी समय से इंतजार कर रहे थे। अभिषेक लीग स्टेज में तीन बार बगैर खाता खोले आउट हुए थे। वह पेट में इन्फेक्शन के कारण नामीबिया के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे, जिसके चलते उन्हें नई दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ 26 गेंदों में अर्धशतक लगाना भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की कोशिश में उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

अर्धशतकीय पारी से लौटा अभिषेक का आत्मविश्वास

25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने मिड-इनिंग्स चैट में ब्रॉडकास्टर्स से कहा, 'जब आप टीम के लिए योगदान देते हैं तो यह हमेशा बहुत अच्छा होता है। मैं इस पल का काफी लंबे समय से इंतजार कर रहा था, आखिरकार यह हुआ। मैं सच में बहुत खुश हूं। मैं बस पिच पर कुछ समय बिताना चाहता था क्योंकि अगर आप देखें, तो मैंने पूरे टूर्नामेंट में अभी तक 10-12 गेंदें भी नहीं खेली हैं।'

अभिषेक ने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए भारतीय टीम को भी उनका साथ देने का श्रेय देते हुए कहा, 'मैं बस कुछ समय बिताना चाहता था और टीम का खास जिक्र करना चाहता था, जिस तरह से उन्होंने अब तक मेरे साथ बर्ताव किया है। ऐसा था, जैसे, आखिर में आपको ऐसा नहीं लगेगा कि मैं टीम के लिए रन नहीं बना रहा हूं। प्रैक्टिस सेशन और होटलों में भी, वे सभी बस इस पल का इंतजार कर रहे थे। वे सभी मुझे याद दिला रहे थे कि मैंने यह पहले भी किया है, मेरा अच्छा समय अब दूर नहीं है। मैं बस विश्वास रखूं।'

तैयारियों पर भी की बात

भारत की पारी के अंतिम ओवरों को 'वीडियो गेम जैसा' बताए जाने पर अभिषेक शर्मा ने कहा, 'बिल्कुल। जिस तरह से उन्होंने (हार्दिक पांड्या-तिलक वर्मा) पारी को फिनिश किया, उससे साफ लगा कि वही इरादा वापस आ गया है, जैसा वे चाहते थे और जैसा हमने पूरे साल खेला है।

यही वह योजना थी जो हमने कल बनाई थी। एक बल्लेबाजी यूनिट के तौर पर हमारा स्पष्ट संदेश था कि अगर हमें लगे कि हमने पर्याप्त गेंदें देख ली हैं, तो फिर जाकर खुद को खुलकर खेलें।

शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा नहीं चल रहा था, लेकिन यही प्लान कल भी था और उससे एक दिन पहले प्रैक्टिस सेशन में भी यही बात तय हुई थी। एक बल्लेबाज और बल्लेबाजी यूनिट के तौर पर हमें जाकर खुद को व्यक्त करना है। पूरे साल हमने इसी अंदाज में खेला है और आगे भी हम एक-दूसरे का इसी तरह समर्थन करते रहेंगे।'

भारत-जिम्बाब्वे मैच में दिखी मिस्ट्री गर्ल कौन? ग्लैमर देख फैंस में बढ़ी उत्सुकता,

ओटीटी पर बिखेर चुकीं है जलवा

भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 विश्वकप 2026 के मैच एक खास वजह से चर्चा में है। मैच के दौरान एक मिस्ट्री गर्ल दिखी, जिसको लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ गई। फैंस में उसको जानने को लेकर उत्सुकता दिखी और सोशल मीडिया पर उस मिस्ट्री गर्ल को लेकर खूब बात हुई। चेन्नई में खेले गए मैच के दौरान जैसे ही कैमरा उस मिस्ट्री गर्ल की ओर घूमा, सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल हो गईं। भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें बनाए रखी हैं। दरअसल, भारतीय पारी के दौरान 10वें ओवर के खत्म होने पर कैमरा दर्शक दीर्घा की ओर घूमा। उस वक्त भारत का स्कोर एक विकेट पर 109 रन था। बिग स्क्रीन पर एक लड़की दिखी, जिसकी स्माइल बेहद क्यूट दिख रही थी। स्क्रीन पर अपना चेहरा देख वह मिस्ट्री गर्ल भी मुस्कुरा उठी। उसने स्क्रीन की ओर इशारा भी किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर उसको लेकर काफी बातें हुईं। फिर खुलासा हुआ कि वह लड़की कोई और नहीं, बल्कि नैना भान हैं। नैना एक्ट्रेस, मॉडल और कंटेंट क्रिएटर हैं।

आक्रामक शुरुआत को भुनाने में नाकाम हुए संजू सैमसन रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर ने लगाई लताड़

सुनील गावस्कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले में संजू सैमसन के आउट होने पर खुलकर अपनी राय रखी। सैमसन ने तेज शुरुआत करते हुए 15 गेंदों में 24 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और एक चौका शामिल था। यह मुकाबला चेन्नई में खेला गया, जहां भारत को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए जीत बेहद जरूरी थी।

अच्छी शुरुआत दिलाकर आउट हुए सैमसन

सैमसन की पारी ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और भारत ने 23 गेंदों में 48 रन की अपनी टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारी दर्ज की। लेकिन चौथे ओवर में ब्लेसिंग मुजरबानी की धीमी गेंद पर वह बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में डीप मिडविकेट पर रयान बर्ल के हाथों कैच आउट हो गए। इससे पहले सैमसन ने टूर्नामेंट में केवल नामीबिया के खिलाफ एक मैच खेला था।

कमेंट्री के दौरान रवि शास्त्री ने कहा, 'वह इस शॉट से निराश होंगे।' वहीं, गावस्कर ने ज्यादा विस्तार से विश्लेषण करते हुए कहा, 'वह जरूर निराश होंगे क्योंकि वह इस क्षेत्र में कई बार आउट हो चुके हैं। हर कोई जानता है कि उन्हें शॉर्ट गेंद डालो और डीप स्क्वेयर लेग पर फील्डर रखो। मुजरबानी की लंबाई की वजह से गेंद थोड़ी ज्यादा उछली, जिससे शॉट पूरी तरह बल्ले के बीच में नहीं लगा।' हालांकि, सैमसन के आउट होने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजी की रफ्तार कम नहीं हुई। स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने इस टी20 विश्व कप में अपना पहला अर्धशतक जड़ते हुए 30 गेंदों में 55 रन बनाए, जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल थे।

शिवम दुबे की गेंदबाजी क्यों बनी चिंता का कारण?: बने सबसे महंगे ओवर वाले भारतीय, एक बॉल तो पिच से बाहर फेंक दी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर दमदार जीत दर्ज की, लेकिन इस मुकाबले में कुछ ऐसे रिकॉर्ड भी बने, जिन्हें खिलाड़ी शायद ही याद रखना चाहेंगे। भारत के 257 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 184 रन बना डाले। दुबे ने दो ओवर में 46 रन लुटाए।

भारत की विस्फोटक बल्लेबाजी

टी20 विश्वकप में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। यह टूर्नामेंट का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर और भारत का टी20 विश्व कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों में 55 रन की तेज पारी खेली। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 23 गेंदों पर नाबाद 50 रन जड़े। अंत में तिलक वर्मा ने सिर्फ 16 गेंदों में 44 रन बनाकर पारी को विस्फोटक अंदाज में खत्म किया।

शिवम दुबे के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड

इस बड़ी जीत के बावजूद शिवम दुबे का गेंदबाजी प्रदर्शन

निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने दो ओवर के स्पेल में 46 रन खर्च किए। कप्तान ने उन्हें 15वें ओवर में गेंद सौंपी, जिसमें उन्होंने 26 रन लुटा दिए। यह भारत की ओर से टी20 विश्व कप में फेंका गया सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले 2007 में युवराज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक ओवर में 25 रन दिए थे। हालांकि, दुबे एक विकेट लेने में सफल रहे, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने तो एक गेंद पिच के बाहर फेंक दी, जिसे अंपायर ने नो बॉल दिया। दुबे ने एक बीमर भी फेंकी, जो नो बॉल हुई। कुल मिलाकर दुबे ने कल बेहद खराब गेंदबाजी की और हार्दिक-बुमराह के एक-एक ओवर रहते सूर्यकुमार का दुबे को आखिरी ओवर देना समझ से परे था।

जीत बड़ी, लेकिन सबक भी जरूरी

भारतीय टीम ने भले ही 72 रन से बड़ी जीत दर्ज की हो, लेकिन गेंदबाजी में कुछ कमजोरियां भी सामने आईं। सेमीफाइनल की ओर बढ़ रही टीम इंडिया के लिए जरूरी होगा कि वह ऐसी गलतियों से सबक ले। वहीं, जिम्बाब्वे के लिए यह मैच सकारात्मक संकेत भी छोड़ गया, खासकर बेनेट की पारी के रूप में।

चिंता इस बात की भी है कि अगर जिम्बाब्वे की टीम ने भारतीय गेंदबाजों की इतनी धुनाई की, तो फॉर्म में चल रहे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्या हश्र करेंगे। भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मार्च को होने वाले सुपर-8 वर्चुअल नॉकआउट मुकाबले से पहले गेंदबाजी की कमियों पर ध्यान देना होगा।

भारत ने टी20 विश्व कप का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया, टूटा 19 साल पुराना रिकॉर्ड

भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। यह टी20 विश्व कप में भारत का सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने इस तरह वैश्विक टूर्नामेंट में अपना 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस टूर्नामेंट में इससे पहले भारत का सबसे बड़ा टोटल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट पर 218 रन था।

टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च टोटल

भारतीय टीम ने पहली बार टी20 विश्व कप में 250 रनों का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले टीम कभी भी इतने रन इस वैश्विक टूर्नामेंट में नहीं बना सकी थी। वहीं, भारत का यह स्कोर टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च टोटल भी है। भारत ने इस मामले में जिम्बाब्वे को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ छह विकेट पर 254 रन बनाए थे। टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा टोटल बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम है जिसने 2007 में केन्या के खिलाफ छह विकेट पर 260 रन बनाए थे।

टी20 विश्व इतिहास के सबसे बड़े टोटल

स्कोर	टीम	विरोधी टीम स्थान	वर्ष
260/6	श्रीलंका	केन्याजोहानिसबर्ग	2007
256/4	भारत	जिम्बाब्वे चेन्नई	2026
254/6	वेस्टइंडीज	जिम्बाब्वे मुंबई	2026
235/5	आयरलैंड	ओमान कोलंबो	2026
230/8	इंग्लैंड	दक्षिण अफ्रीका मुंबई	2016
229/4	दक्षिण अफ्रीका	इंग्लैंड मुंबई	2016

भारत की पारी में आए 17 छक्के

भारत ने इस पारी में 17 छक्के लगाए जो टी20 विश्व कप की एक पारी में उनके द्वारा लगाए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के हैं। भारत ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 में लगाए 15 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक 63 छक्के लगा चुका है जो किसी एक टी20 विश्व कप में उसके द्वारा लगाए सबसे ज्यादा छक्के हैं। टीम ने 2024 में 61 छक्के लगाए थे। भारत से ज्यादा मौजूदा विश्व कप में वेस्टइंडीज ने छक्के लगाए हैं। वेस्टइंडीज की टीम अब तक 66 छक्के लगा चुकी है।

अंतिम 30 गेंदों में बदला गियर

भारतीय बल्लेबाजों ने अंतिम 30 गेंदों में गियर बदला जिससे टीम पहली बार टी20 विश्व कप में 250 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। 15 ओवर की समाप्ति के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 176 रन था।

आखिरी पांच ओवर में बने 80 रन

इसके बाद तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी पांच ओवर में 80 रन जुटाए। इतना ही आखिरी 12 गेंदों पर 36 रन आए जिसमें आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाना शामिल है।

सभी छह बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट 150+ के पार

भारत के लिए इस मैच में सभी छह बल्लेबाजों ने 150+ की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

टी20 विश्व कप में यह पहली बार हुआ है जब छह बल्लेबाजों ने 20+ रन बनाने की स्थिति में 150+ की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है।

वहीं, भारतीय पारी में सिर्फ 26 डॉट गेंद रही जो विश्व कप में पूरे 20 ओवर की पारी में संयुक्त रूप से सबसे कम है।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2016 में वानखेड़े में इंग्लैंड के खिलाफ 26 डॉट गेंदें खेली थी।

अभिषेक-हार्दिक का चला बल्ला

भारत के लिए इस मैच में अभिषेक शर्मा और हार्दिक पांड्या ने अर्धशतक लगाए। अभिषेक पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे थे और उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे, लेकिन आखिरकार यह सलामी बल्लेबाज अपनी पुरानी लय में लौटने में सफल रहा। अभिषेक ने टी20 विश्व कप का अपना पहला पचासा लगाया। अभिषेक का बल्ला टी20 विश्व कप में खामोश था जिससे टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गई थी, लेकिन अब उन्होंने अर्धशतक लगाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। अभिषेक के बल्ले से छह टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अर्धशतक निकला है।

इससे पहले आखिरी बार उन्होंने 25 जनवरी 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में पचासा लगाया था। उस वक्त अभिषेक ने नाबाद 68 रन बनाए थे। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 30 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 55 रन बनाए। वहीं, हार्दिक 23 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन बनाकर नाबाद लौटे।

जब देश ढूंढ रहा था हीरो, तब उभरे ब्रायन बेनेट: क्या किसान का बेटा बदलेगा जिम्बाब्वे की तकदीर? आईपीएल खेलना सपना

जब जिम्बाब्वे क्रिकेट अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा था, तब देश को एक नए चेहरे, एक नई उम्मीद की तलाश थी। बड़े नाम विदा ले चुके थे, सपने बिखर चुके थे और भरोसा डगमगा रहा था। ऐसे समय में हरारे के एक साधारण घर से उठी गेंद-बल्ले की आवाज अब विश्व मंच तक गूंज रही है। 22 वर्षीय ब्रायन बेनेट आज जिम्बाब्वे की नई सुबह का प्रतीक बन चुके हैं। वह जिम्बाब्वे क्रिकेट के टूटते सपनों के बीच एक नई किरण बनकर उभरे हैं। वह न तो किसी अकादमी से उभरे, न किसी बड़े वादे से जाने गए, बल्कि घर के पिछले हिस्से में लगे छोटे से नेट पर अभ्यास कर विश्व मंच तक पहुंचे। उस नेट में वह और उनके भाई घंटों क्रिकेट खेलते थे, बिना यह सोचे कि एक दिन वह देश की नई उम्मीद बन जाएंगे।

टी20 विश्वकप 2026 में ब्रायन बेनेट के आंकड़े

5 मैच
5 पारियां
277 रन
277.00 औसत
135.78 स्ट्राइक रेट
31 चौके
6 छक्के

क्यों चर्चा में हैं ब्रायन बेनेट?

जब से टी20 विश्वकप टूर्नामेंट (2007 से) शुरू हुआ है, कभी ऐसा नहीं हुआ कि कागज पर कमजोर दिखने वाली टीम का बल्लेबाज टूर्नामेंट के शीर्ष पांच सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में शामिल हो। पर ब्रायन बेनेट ने यह कर दिखाया।

वह टूर्नामेंट के इस संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने पांच मैचों की पांच पारियों में 277 की औसत से 277 रन बनाए। इनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 135.78 का रहा।

इस दौरान उन्होंने 31 चौके और छह छक्के लगाए। ये सभी छह छक्के उन्होंने गुरुवार को भारत के खिलाफ पारी के दौरान लगाए हैं। भारत के खिलाफ उन्होंने 59 गेंद में आठ चौके और छक्के की मदद से और 164.41 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 97 रन की पारी खेली।

22 साल का यह लड़का ओपनिंग करने उतरा और नॉटआउट रहा। यह पहली बार नहीं था कि ब्रायन ओपनिंग करने उतरे और आखिरी तक नॉटआउट रहे। इस विश्वकप में उनकी पांच पारियों में चार बार ऐसा हुआ, जब वह नॉटआउट पवेलियन लौटे।

वह एक बार आउट सिर्फ वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए। 22 साल में इतनी मैच्योरिटी शायद ही किसी बल्लेबाज में दिखी हो। उनकी बाकी पारियों में एक भी छक्का नहीं था, लेकिन भारत की मजबूत गेंदबाजी लाइन अप के सामने उन्होंने यह कमी भी पूरी कर दी।

वह शतक से चूक गए, लेकिन पूरी दुनिया के फैंस के दिल जीत गए। इस विश्वकप में ब्रायन की पारियां- नाबाद 48 रन, नाबाद 64 रन, नाबाद 63 रन, पांच रन और नाबाद 97 रन की रही हैं।

ब्रायन बेनेट ने कैसे थामा बल्ला?

ब्रायन बेनेट कभी टीवी के सामने बैठकर कवर ड्राइव गिनने वाला बच्चों में नहीं गिने जाते थे। न ही दीवारों पर क्रिकेटरों के पोस्टर लगाने वालों में रहे, न ही उन्होंने बचपन में कोई बड़ी घोषणा कि मैं देश के लिए खेलूंगा, ये करूंगा,

वो करूंगा। उनके लिए क्रिकेट की शुरुआत घर के पिछले हिस्से में लगे एक छोटे से नेट से हुई, जहां सामने उनके जुड़वां भाई खड़े होते थे और गेंद-बल्ले की आवाज घंटों गूंजती रहती थी। आज वही 22 वर्षीय ब्रायन बेनेट जिम्बाब्वे क्रिकेट की नई पहचान बन चुके हैं।

साधारण शुरुआत, असाधारण सफर

हंबनटोटा में ट्रेनिंग कैंप के दौरान बेनेट ने कहा, 'मैं बचपन में क्रिकेट को ज्यादा फॉलो नहीं करता था। स्कूल में अपने भाइयों और पिताजी के साथ खेलता था। अंडर-19 के आसपास आकर ही मैंने जिम्बाब्वे क्रिकेट को गंभीरता से फॉलो करना शुरू किया।' उनके पिता, जो एक ब्लूबेरी किसान हैं, खुद क्लब क्रिकेट खेल चुके हैं और यंग मशोनालैंड के लिए कुछ फर्स्ट क्लास मैच भी खेले। बेनेट बताते हैं, 'उन्होंने एंड्रयू वॉलर, डेव हॉटन, एंडी फ्लावर, ग्रांट फ्लावर जैसे खिलाड़ियों के साथ खेला था। हीथ स्ट्रीक और हेनरी ओलोंगा के किस्से सुनाते थे।' घर के पिछले हिस्से में लगा नेट ही उनका पहला कोच था। ब्रायन बताते हैं, 'मेरा एक जुड़वां भाई है। पिताजी ने हमारे लिए घर पर नेट लगाया था। स्कूल के बाद और छुट्टियों में हम घंटों खेलते थे, एक बल्लेबाजी करता, दूसरा गेंदबाजी।'

बहुमुखी प्रतिभा वाले खिलाड़ी हैं ब्रायन

क्रिकेट के अलावा बेनेट ने हॉकी, स्क्वैश और रग्बी भी खेला। स्कूल में दो खेल जरूरी थे, गर्मियों में क्रिकेट और सर्दियों में हॉकी। यही अनुभव उनकी फिटनेस और मानसिक मजबूती की नींव बना। कोविड के कारण स्कूल के आखिरी दो साल प्रभावित हुए, तो 2022 में वह दक्षिण अफ्रीका के किंग्सवुड कॉलेज चले गए, ताकि ज्यादा मैच खेल सकें। ब्रायन ने बताया, 'कोविड में खेल नहीं हो पा रहे थे, इसलिए वहां जाकर फिर से लय मिली।'

ब्रायन बेनेट के बल्लेबाजी आंकड़े

प्रारूप	मैच	रन	सर्वोच्च
स्कोर	औसत	स्ट्राइक रेट	शतक अर्धशतक
टेस्ट	11	509	139
29.94	71.48	2	2
वनडे	11	348	169
31.63	96.13	1	0
टी20I	57	1873	111
36.72	143.96	1	12

अंडर-19 विश्व कप से अंतरराष्ट्रीय मंच तक

2022 का अंडर-19 विश्व कप उनके करियर का भावनात्मक मोड़ रहा। वह बताते हैं, 'पाकिस्तान के खिलाफ 83 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने जुड़वां भाई के साथ 100 रन की साझेदारी मेरी सबसे बड़ी यादें हैं।' दिसंबर 2023 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद उन्होंने अगले 12 महीनों में तीनों फॉर्मेट में शतक जड़ दिए। इस उपलब्धि के साथ वह ब्रेंडन टेलर और सिकंदर रजा के बाद ऐसा करने वाले तीसरे जिम्बाब्वे खिलाड़ी बने।

ट्रेंट ब्रिज की यादगार पारी

इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 139 रन की पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। ट्रेंट ब्रिज पर दो दशक बाद जिम्बाब्वे का टेस्ट खेलना ऐतिहासिक था। ब्रायन कहते हैं, 'वह अद्भुत अनुभव था। भरे हुए स्टेडियम में खेलना, हर गेंद को प्रोसेस के साथ खेलना, वह बहुत खास पल था।' तकनीक के सवाल पर ब्रायन कहते हैं, 'मैं चीजों को सरल रखता हूं। गेंद को देखो, मजबूत पोजिशन में रहो, सिर स्थिर रखो और देर से खेलो। ज्यादा सोचता नहीं हूं।' टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनका प्रेम साफ झलकता है। वह कहते हैं, 'रेड बॉल क्रिकेट मुझे पसंद है। इसमें समय मिलता है, मानसिक और शारीरिक दोनों परीक्षा होती है।'

ब्रायन बेनेट के गेंदबाजी आंकड़े

प्रारूप	मैच	विकेट	सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी	इकोनॉमी
टेस्ट	11	6	5/95	3.80
वनडे	11	0	—	10.20
टी20I	57	6	2/20	8.35

गेंदबाजी और नेतृत्व की जिम्मेदारी

बल्लेबाजी के अलावा वे घरेलू लीग में नियमित गेंदबाजी भी करते हैं। ब्रायन बताते हैं, 'मैं अपनी गेंदबाजी पर भी काम करता हूं। सब कुछ बल्लेबाजी पर नहीं छोड़ रहा।' जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें टेस्ट और वनडे में उपकप्तान भी बनाया है। इस फैसले पर ब्रायन का कहना है, 'यह बोर्ड का फैसला था। मैं सीखना चाहता हूं और सीनियर खिलाड़ियों से फायदा उठाना चाहता हूं।'

खेतों से आईपीएल तक का सपना

मैदान के बाहर बेनेट सादगी पसंद हैं। हरारे के पास रूवा में उनके परिवार का फार्म है, जहां वे समय बिताते हैं। गोल्फ खेलना उनका शौक है। उनके आदर्श एबी डिविलियर्स और विराट कोहली हैं। आईपीएल खेलना उनका सपना है। ब्रायन बताते हैं, 'मैं हर साल आईपीएल देखता हूं। मेरी पसंदीदा टीम आरसीबी है। आईपीएल खेलना मेरी बकेट लिस्ट में है।'

जिम्बाब्वे की नई उम्मीद

टी20 विश्वकप 2026 जिम्बाब्वे के लिए नए युग की शुरुआत है। पिछली दो वनडे विश्व कप और 2024 टी20 विश्व कप में जगह न बना पाने के बाद अब टीम वापसी की कोशिश में है। बेनेट का लक्ष्य साफ है और वह बताते हैं, 'मैं जिम्बाब्वे को फिर से प्रतिस्पर्धी बनाना चाहता हूं। बड़े टीमों को चुनौती देना और हर विश्व कप में खेलना चाहता हूं।'

'अब फिल्मों में होती है अधिक इंटिमेसी' भाग्यश्री ने सिनेमा में बदलाव पर की बात

सलमान खान के साथ फिल्म 'मैंने प्यार किया' से अपनी शुरुआत करने वाली भाग्यश्री ने 90 के दशक की फिल्मों और आज की फिल्मों के बीच अंतर को लेकर बात की। उन्होंने मौजूदा वक्त में फिल्मों में अनावश्यक इंटिमेसी दिखाने पर नाराजगी जताई। साथ ही उनका मानना है कि इंटिमेसी के बिना भी फिल्म बनाई जा सकती है और सफल भी हो सकती है।

अब लोगों के पास एंटरटेनमेंट के कई विकल्प हैं

एक बातचीत के दौरान भाग्यश्री ने 90 के दशक और आज के सिनेमा में आए बदलावों के बारे में बात की। जब उनसे पूछा गया कि आज के सिनेमा में कौन से बदलाव उन्हें पसंद हैं और कौन से नापसंद? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि सिनेमा समाज का प्रतिबिंब है। 90 के दशक में यह मनोरंजन का एकमात्र साधन था, परिवार को एक साथ समय बिताने का एकमात्र मौका देने वाला मनोरंजन था। आज परिवार छोटे हो गए हैं, लोग अधिक व्यक्तिवादी हो गए हैं और क्रिएटिव आर्ट के माध्यम भी कई हो गए हैं। इसलिए अब लोगों के पास विकल्प भी बहुत हैं।

इंटिमेसी के बिना भी बन सकती हैं फिल्में

अभिनेत्री का मानना है कि हर तरह के दर्शक को खुश करना अब नामुमकिन हो गया है। फिल्में अलग-अलग गुटों, शैलियों, इंडी फिल्मों, आर्ट फिल्मों आदि में बंट गई हैं। मुझे सच में लगता है कि भले ही अब रियलिस्टिक सिनेमा ज्यादा बनता है। लेकिन ऐसी इंटिमेसी दिखाना जरूरी नहीं है, जिससे आप अपने माता-पिता या बच्चों के साथ बैठकर असहज महसूस करें। कहानियां समाज के प्रति विद्रोह दिखाए बिना भी साहसी, अलग और दिलचस्प हो सकती हैं।

90 के दशक में पेट्रियाकल किरदारों का था बोलबाला

भाग्यश्री ने कहा कि 90 के दशक में कहानियों में पेट्रियाकल किरदारों का बोलबाला था। इससे अभिनेत्रियों के लिए शादी के बाद काम फिल्में करने के मौके कम हो गए थे। हालांकि, अभी भी वर्किंग महिलाएं समाज के लिए एक अवधारणा ही हैं, लेकिन अधिक शिक्षित महिलाओं के आगे आने से महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है। शादी के बाद महिलाओं को पढ़ने और काम करने के लिए प्रेरित करने के लिए पुरुष भी बधाई के पात्र हैं।

'राजा शिवाजी' में नजर आएंगी भाग्यश्री

भाग्यश्री ने 1989 में आई फिल्म 'मैंने प्यार किया' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान प्रमुख भूमिका में थे। शादी के बाद निजी जीवन पर ध्यान देने के लिए उन्होंने इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया। 2003 में उन्होंने 'मां संतोषी मां' से बॉलीवुड में वापसी की और बाद में 'थलाइवी', 'राधे श्याम' और 'छत्रपति' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। अब भाग्यश्री रितेश देशमुख की आगामी फिल्म राजा शिवाजी में नजर आएंगी। यह 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जुबीन गर्ग निधन मामले में हाईकोर्ट से मांग करेगी असम कैबिनेट; परिवार की गुजारिश पर लिया फैसला

सिंगर जुबीन गर्ग के निधन का केस अभी भी अदालत में है। इस मामले को लेकर अदालत में धीमी सुनवाई से सिंगर की पत्नी निराश हैं। असम कैबिनेट ने सिंगर की मौत के मामले के ट्रायल में तेजी लाने के लिए गुवाहाटी हाई कोर्ट से एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की रिक्वेस्ट करने का फैसला किया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दी है।

क्या बोले असम के सीएम?

कैबिनेट मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरमा ने कहा कि यह फैसला गर्ग के परिवार की रिक्वेस्ट के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा, 'कैबिनेट ने जुबीन गर्ग केस के ट्रायल के लिए गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से फास्ट-ट्रैक या एक्सक्लूसिव कोर्ट बनाने की रिक्वेस्ट करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके बाद, जज अगला कदम उठाएंगे।'

जज ने नहीं दी जमानत

सरमा ने कहा कि आमतौर पर ज्यादातर मौत से जुड़े मामलों में आरोपी ट्रायल शुरू होने के तीन से चार महीने के अंदर जमानत ले लेते हैं। उन्होंने आगे कहा हालांकि, इस मामले में मौजूदा जज ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

परिवार की राय सबसे ऊपर

सरमा आगे कहा 'हमने हमेशा कहा है कि इस केस में परिवार की राय सबसे ऊपर होगी। परिवार ने फास्ट-ट्रैक कोर्ट की रिक्वेस्ट की है। इसलिए, हम उनकी रिक्वेस्ट गुवाहाटी हाई कोर्ट के जज के सामने रखेंगे।

पत्नी जता चुकी नाराजगी

जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग और पब्लिक प्रॉसिक्यूटर जियाउल कमर ने 16 फरवरी को कामरूप मेट्रोपॉलिटन डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में केस की धीमी सुनवाई पर नाराजगी जताई थी।

कमर ने कहा था कि आरोपियों की तरफ से अलग-अलग पहलुओं पर कोर्ट में कई याचिकाएं दायर करने की वजह से पूरी प्रक्रिया में देरी हुई है क्योंकि ट्रायल अभी शुरू होना बाकी है।

कब हुआ था सिंगर का निधन?

मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमयी हालात में मौत हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल (NEIF) के चौथे एडिशन में शामिल होने सिंगापुर गए थे।

इस मामले में NEIF के आयोजक श्यामकानु महंता, सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, शेखर ज्योति गोस्वामी, अमृत प्रभा महंता, असम पुलिस डीएसपी संदीपन गर्ग, पीएसओ नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य इस केस में आरोपी के तौर पर जेल में हैं।

तृप्ति डिमरी ने शेयर किए बर्थडे के खास पल

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ दिया पोज, फैंस ने बरसाया प्यार

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने अपने बर्थडे पर मिले प्यार के लिए फैंस का दिल से धन्यवाद किया है। तृप्ति डिमरी ने सोशल मीडिया पर अपने खास दिन की कुछ प्यारी झलकियां शेयर कीं, जिनमें वह अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ भी नजर आईं।

फैंस का किया धन्यवाद

तृप्ति डिमरी ने फोटो का एक कैरोसेल पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'इतने प्यार की वजह से अभी भी मुस्कुरा रही हूंउन सभी का धन्यवाद, जिसने मुझे मैसेज या कॉल किया, या जिसने भी मेरे बारे में सोचा। ये मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं इसे शब्दों में नहीं बयान कर सकती।'

पोस्ट की पहली तस्वीर में वह खूबसूरत तरीके से सजी हुई टेबल के पास खड़ी नजर आ रही हैं, पीछे 'हैप्पी बर्थडे' का बैनर लगा है और सामने बेहद सुकून भरा सनसेट व्यू दिख रहा है। दूसरी तस्वीर में वे ब्लैक आउटफिट में बेहद क्लासी लग रही हैं और '1' और '3' शेप के सिल्वर बलून पकड़े हुए हैं, जिससे पता चलता है कि उन्होंने अपना 31वां जन्मदिन मनाया।

सैम मर्चेंट के साथ दिया कॉजी पोज

एक वीडियो में तृप्ति बच्चों के बीच केक काटती नजर आ रही हैं, जबकि एक बेहद भावुक तस्वीर में वह अपनी मां को गले लगाती दिखीं। इसके अलावा उन्होंने कई खूबसूरत बर्थडे केक्स, जलती हुई कैंडल्स और चमकीले सूरजमुखी के फूलों का बुके भी शेयर किया। एक तस्वीर में वे सैम मर्चेंट के साथ कॉजी पोज देती नजर आईं, जिसने सोशल मीडिया पर खास ध्यान खींचा।

फैंस ने उनकी पोस्ट पर कमेंट्स की बाढ़ लगा दी है। लोग उनके और सैम के फोटो पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक यूज ने कमेंट किया- 'दोनों साथ में प्यारे लग रहे हैं।' वहीं एक ने लिखा- 'नजर ना लगे किसी की।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'अपनों के साथ क्वालिटी टाइम की बात ही अलग है।'

वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति हाल ही में 'ओ रोमियो' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ शाहिद कपूर थे। इस फिल्म ने अब तक कुल 60.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

क्यों शादी से डरती हैं डेजी शाह?

करवाए अपने एग्स फ्रीज, कहा- परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

डेजी शाह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शादी को डरावना बताया है और उन्होंने साफ कहा कि उनके लिए परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है। साथ ही मां बनने को लेकर भी उन्होंने बड़ा फैसला लिया है।

आजकल शादी डरावनी लगती है

फिल्मीग्यान को दिए एक इंटरव्यू में, 'जय हो' की एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने एग्स फ्रीज करवा लिए हैं, ताकि भविष्य में जब भी वे चाहें, वे मां बन सकें। उनका कहना है कि वे अपनी जिंदगी के फैसले अपनी शर्तों पर लेना चाहती हैं।

डेजी ने माना कि आजकल रिश्तों से जुड़ी खबरें उन्हें परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, 'हर दिन कुछ ना कुछ हो रहा है, कपल्स के ब्रेकअप या वो 'ब्लू ड्रम' जैसे चौंकाने वाले मामले। ये सब बहुत डरावना है।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने शादी को लेकर ज्यादा सोचा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह शादी करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह फैसला उन्होंने 'ऊपरवाले पर छोड़ दिया है।'

क्या चुनेंगी डेजी...प्यार या पैसा?

एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे 'प्यार' और 'पैसा' में से एक चुनने को कहा गया, तो 41 साल की एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें दोनों चाहिए। उनका मानना है कि रिश्ते में इमोशनल कनेक्शन के साथ-साथ आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है। वे चाहती हैं कि उनका पार्टनर खुद से आर्थिक रूप से सुरक्षित और स्वतंत्र हो।

परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं

मदरहुड पर बात करते हुए डेजी ने साफ कहा, 'परिवार शुरू करने के लिए शादी जरूरी नहीं है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने एग फ्रीज करवाने का फैसला इसलिए लिया, ताकि वे जब भी चाहें, बच्चे कर सकें।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो डेजी शाह आखिरी बार वेब सीरीज 'रेड रूम' में नजर आई थी। वे अब पलाश मुच्छल के निर्देशन में बनी फिल्म में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ श्रेयास तलपडे नजर आएंगे।

'यहां कोई वफादार नहीं होता', क्या करण जौहर ने जान्हवी कपूर पर कसा तंज?

फिल्म इंडस्ट्री में स्टार्स के करियर को मैनेज करने की जिम्मेदारी अलग-अलग कंपनियों की होती है। इसको लेकर कंपनियों के बीच होड़ भी देखने को मिलती है। कुछ महीने पहले खबरें आई थीं कि जाह्नवी कपूर का करियर पहले करण जौहर की धर्मा कॉर्नरस्टोन आर्टिस्ट एजेंसी मैनेज कर रही थी। लेकिन फिर जान्हवी ने अपनी एजेंसी बदल ली है। हालांकि, जान्हवी से पहले भी कई स्टार्स ऐसा कर चुके हैं। इस बीच अब करण जौहर का एक बयान सामने आया है, जिसमें उनका कहना है कि इस कंपटेटिव बिजनेस में कोई भी स्टार किसी के प्रति वफादार नहीं होता है।

कंटेंट मैनेजमेंट एक थैंकलेस जॉब

हाल ही में एक पॉडकास्ट में करण जौहर ने टैलेंट मैनेजमेंट को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि टैलेंट मैनेजमेंट एक थैंकलेस काम है,

क्योंकि असल में कोई भी वफादार नहीं होता।

हर दो साल में लोग एक एजेंसी से दूसरी एजेंसी में चले जाते हैं, क्योंकि वे इतने इनसिक्योर महसूस करते हैं कि उन्हें लगता है कि हम समयबद्ध हैं। इस बिजनेस में कोई वफादार नहीं है। एकटर्स बस इधर-उधर भटकते रहते हैं। आप अपने जीवन के दो साल किसी टैलेंट पर लगाते हैं और वे अचानक कहीं और चले जाते हैं। फिर उन्हें वहां अच्छा नहीं लगता और वे आपके पास वापस आना चाहते हैं। यह एक दुष्चक्र है।

ये काफी मुश्किल काम है

करण जौहर का मानना है कि इस बिजनेस में केवल कलाकारों के साथ जुड़कर पैसा कमाना बहुत मुश्किल है। इसलिए लोग अब इक्विटी निवेश की ओर देख रहे हैं। कई टैलेंट एजेंसियां अपने कलाकारों के साथ इक्विटी साझेदारी कर रही हैं और उन साझेदारियों से पैसा कमाने की कोशिश कर रही हैं।

कलाकारों पर केवल कमीशन से आपको कुछ नहीं मिलेगा, क्योंकि कलाकार कोई खास नहीं होते। इस व्यवसाय का 90 प्रतिशत हिस्सा लोगों, उनके अहंकार और इनसिक्योरिटी को संभालने से जुड़ा है और यह आसान नहीं है। अगर आप टैलेंट मैनेजमेंट को एक बिजनेस अपॉर्च्युनिटी के तौर पर देखेंगे, तो कुछ भी हासिल नहीं होगा।

मेरी खुशी सफलता या असफलता पर निर्भर नहीं

निर्माता-निर्देशक ने आगे कहा कि 31 साल इस बिजनेस में रहने के बाद मैं सफलता और असफलता के प्रति सहज हो गया हूं। मुझे लगता है कि मेरी खुशी और दुख मेरी सफलता और असफलता का परिणाम नहीं हो सकते, क्योंकि तब मैं आईसीयू में होऊंगा। करण की एजेंसी रोहित सराफ, सारा अली खान, शनाया कपूर, राशा थडानी जैसे कई स्टार्स का काम संभालती है।

अचानक नहीं, धीरे-धीरे बनी पहचान अवनीत

मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत काफी जल्दी की थी, यह मेरा प्लस प्वॉइंट रहा। मेरा फैन बेस धीरे-धीरे ही बना है

इल्ड एक्ट्रैस के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली चा अवनीत कौर किसी पहचान की मोहताज नहीं। अब वह बड़ी और बेहद ग्लैमरस हो चुकी है। महज 8 साल की उम्र में डांस रियलिटी शो' डीआईडी लिटिल मास्टर्स' से मनोरंजन जगत में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अवनीत ने 'मर्दानी', 'टीकू वैड्स शेरू', 'लव की अरेंज मैरिज', 'लव इन वियतनाम' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है ।

आज वह सोशल मीडिया पर सबसे अधिक फॉलो की जाने वाली हीरोइनों में से एक है। इंस्टाग्राम पर ही उसे 31.3 मिलियन यानी 3 करोड़ 13 लाख लोग फॉलो करते हैं। वैसे अवनीत अपनी एक्टिंग से कहीं अधिक अपने आस-पास होने वाले विवादों को लेकर चर्चाओं में रहती है । वह चाहे या न चाहे लेकिन सोशल मीडिया ट्रोल्स उसे आसानी से तलाश ही लेते हैं।

बहुत कम उम्र में बहुत ज्यादा स्टारडम हासिल करने वाली अवनीत को कान्स फिल्म फैस्टिवल में शामिल होने के लिए भी ट्रोल किया गया था। ऐसे विवादों का सामना अवनीत कैसे करती है, पूछे जाने पर उसका कहना था कि उसे अब इन सब चीजों को हैंडल करने की प्रैक्टिस हो गई है।

उसके अनुसार वह बचपन से ही इस फील्ड में एक्टिव है। इस दौरान वह अक्सर ऐसे दबाव का सामना करती रही है इसलिए उन पर ध्यान देने की जगह काम पर वह अधिक फोकस करती है।

वह कहती है, "निश्चित तौर पर बुरा लगता है। आखिर तो हम भी इंसान ही हैं, लेकिन मैं बहुत वक्त से ये चीजें देख रही हूं, तो अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं। अभी थोड़ा ठहराव आ गया है, तो जब ये चीजें होती हैं, मैं इनका सकारात्मक पक्ष देखने की कोशिश करती हूं। उन लोगों की सोचती हूं, जो मुझे इतना सारा प्यार देते हैं। वैसे भी मुझे पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।

गौरतलब है कि अवनीत को गत वर्ष विराट कोहली के नाम से भी ट्रोल किया गया था। उसकी एक फोटो को विराट ने पहले 'लाइक' और उसके बाद ' अनलाइक' कर दिया था जिसके बाद सोशल मीडिया पर अवनीत को काफी ट्रोल किया गया । उस वक्त भी अवनीत ने यही कहा था कि वह अपने काम पर फोकस करती है, इन सब बातों पर नहीं ।

सोशल मीडिया पर सफलता की वजह इंस्टाग्राम पर उसके फॉलोअर्स कई बड़े सितारों से भी कहीं ज्यादा हैं। जब उससे पूछा गया कि उसने ऐसा क्या सही किया, जिससे लोगों ने उससे खुद को जुड़ा हुआ महसूस किया तो उसका कहना था, "मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत काफी जल्दी की थी, यह मेरा प्लस प्वॉइंट रहा। यह फैन बेस धीरे-धीरे ही बना है । अचानक कुछ नहीं हुआ, तो मेरा मानना है कि चूंकि हमने बहुत पहले ही मेहनत शुरू कर दी थी, इसलिए आज यहां तक पहुंचे हैं। हालांकि, मैं बस मजे के लिए वीडियो और फोटो पोस्ट करती थी । तब बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि यह इतना बड़ा मंच बन जाएगा और अब चुनौती यह है कि आप जिस जगह पहुंच गए हैं, उससे आगे कैसे बढ़ें।

10 साल बड़े बिजनेसमैन संग रिलेशनशिप में ! अवनीत को अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखना बेहद पसंद है लेकिन, हाल ही में वह अपने एक 'चहेते' को दुनिया की नजरों से छुपा नहीं पाई। दरअसल, वैलेंटाइन्स डे के मौके पर उसने एक तस्वीर शेयर की जिसमें उसका रोमांटिक पल देखने को मिला। हालांकि, तस्वीर में अवनीत और उसके 'मिस्ट्री मैन' का चेहरा तो नहीं दिखा, लेकिन यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि उसका वैलेंटाइन्स डे काफी स्पैशल रहा होगा।

फोटो में वह किसी का हाथ पकड़े बैठी दिखी लेकिन इस तस्वीर को शेयर करने के बाद अवनीत ने डिलीट कर दिया। हालांकि, इससे पहले लोगों ने इसका स्क्रीनशॉट ले लिया था जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। कहा जा रहा है कि वह राघव शर्मा को डेट कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार राघव देसी म्यूजिक फैक्ट्री का को-फाऊंडर है । यह भी कहा जा रहा है कि दोनों रिलेशनशिप में हैं ।

पहले भी दोनों के रिलेशनशिप की कई खबरें आ चुकी हैं। उनकी उम्र के अंतर के बारे में बात करें तो अवनीत 24 साल की जबकि राघव 34 साल का है यानी दोनों के बीच 10 साल का अंतर है।

कभी जयललिता के भरोसेमंद रहे ऑप्स अब डीएमके में शामिल

कहा– सीएम स्टालिन का आदेश मानूंगा, ईपीएस तानाशाह और घमंडी

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में कुछ समय बाद विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं, ऐसे में वहां पर सियासी हलचल लगातार बनी हुई है। नेताओं की ओर से पार्टी छोड़ने और दूसरी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को बड़ा सियासी बदलाव हो गया जब जयललिता के बेहद करीबी और 3 बार के मुख्यमंत्री रहे ओ पनीरसेल्वम ने सभी को चौंकाते हुए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) का दामन थाम लिया। हालांकि वह काफी समय से अन्नाद्रमुक से निष्कासित चल रहे थे। जे जयललिता की पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम यानी अन्नाद्रमुक पार्टी के 3 बार के मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम जो करीब 3 साल पहले 2022 में निकाले जाने से पहले पार्टी के शीर्ष पदों पर हुआ करते थे, आज डीएमके के प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए। जयललिता के भरोसेमंद और समर्थकों के बीच ऑप्स के नाम से मशहूर पन्नीरसेल्वम, निष्कासन के बाद अपनी मूल पार्टी में फिर से शामिल होना चाह रहे थे और इसके लिए काफी मशक्कत भी लेकिन जब कोशिश कामयाब नहीं हुई तो वह कट्टर विरोधी डीएमके में शामिल हो गए।

ओ पनीरसेल्वम (ऑप्स) एक समय अन्नाद्रमुक पार्टी के कोषाध्यक्ष के तौर पर काम कर चुके हैं और पहले पार्टी समन्वयक जैसे बेहद अहम पद पर भी थे, लेकिन वह अपने बेटे पी रवींद्रनाथ कुमार और समर्थकों के साथ डीएमके में शामिल हो गए। साल 2006 में डीएमके की सरकार बनने के बाद पन्नीरसेल्वम कुछ समय के लिए विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे थे।

सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने के बाद रिपोर्टर्स से बात करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम ने डीएमके में शामिल होने पर खुशी जताई और अन्नाद्रमुक के प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए उन्हें "तानाशाह" और "घमंडी" करार दिया, जिन्होंने अन्नाद्रमुक के लिए कभी "कोई जीत नहीं" वाली स्थिति पैदा कर दी है।

अन्नाद्रमुक से निकाले जाने के बाद उनके सामने आई स्थिति से जुड़े सवालों पर, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अतीत की कोई चिंता नहीं है और वह मुख्यमंत्री स्टालिन के आदेश का पालन करेंगे।

स्टालिन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम स्टालिन लोगों की जरूरतों को समझते हैं और बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लोगों के कल्याणकारी योजनाएं दे रहे हैं। उन्होंने डीएमके को बुरी ताकत कहने से इनकार किया।

उन्होंने यह भी दावा किया कि आज, कोई भी पार्टी डीएमके का विरोध नहीं कर सकती।

2021 के चुनाव में कैसा रहा मुकाबला

इस बीच, अन्नाद्रमुक के नेता आरबी उदय कुमार ने पन्नीरसेल्वम पर पलटवार करते हुए कहा कि उनके खिलाफ सालों पहले अनुशासनहीनता को लेकर एक्शन लिया गया था, और उनके डीएमके में शामिल होने से तमिलनाडु के चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव अगले कुछ महीनों में होने वाले हैं, जहां स्टालिन की अगुवाई वाला गठबंधन बीजेपी-अन्नाद्रमुक गठबंधन के खिलाफ जीत के लिए 'द्रविड़ मॉडल 2.0' को प्रोजेक्ट करने की कोशिश कर रहा है। तमिलनाडु में 5 साल पहले 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में, डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं जबकि सहयोगी कांग्रेस ने 18, पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य ने 8 सीटें जीती थीं। डीएमके की अगुवाई वाले गठबंधन सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) में कांग्रेस भी शामिल थी, ने कुल मिलाकर 159 सीटें जीतीं। वहीं एनडीए के खाते में 75 सीटें आईं, जिसमें अन्नाद्रमुक 66 सीटों पर जीत के साथ गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी।

5 कुत्तों ने बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला

शरीर के हर हिस्से पर काटा पिता ने छुड़ाया, जालंधर में मां संग खेत पर गया था

जालंधर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। जालंधर में 5 कुत्तों के झुंड ने 6 साल के बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला। वह अपनी मां के साथ खेत पर पिता को खाना देने गया था। जहां बच्चा शौच के लिए खेत में चला गया। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया।

इस दौरान कुत्तों ने उसके सिर पर सबसे ज्यादा नोचा, इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी काट लिया। बेटे के चिल्लाने की आवाज सुनकर माता-पिता भागे और बेटे को कुत्तों के चंगुल से छुड़वाया।

इसके बाद वे तुरंत ही बच्चे को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 6 वर्षीय इतवारी के नाम से हुई, जो सुल्तानपुर लोधी, गिला गाखला में माता-पिता के साथ रहता था। जबकि परिवार मूलरूप से यूपी के बहराइच जिले का रहने वाला है।

कभी 1 करोड़ का था ईनामी, अब गृहमंत्री के साथ डिनर फिर सीएम से मुलाकात

विधानसभा पहुंचे 120 पूर्व नक्सली

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। माओवाद की विचारधारा छोड़कर मुख्यधारा में लौटे 120 पुनर्वासित युवाओं के दल शुक्रवार को विधानसभा पहुंचे। यहां उन्होंने विधानसभा की कार्रवाई देखी और सीएम विष्णुदेव साय समेत कई नेताओं से मुलाकात की। इसी दौरान इनका विधानसभा भ्रमण कराया गया। विधानसभा का यह शैक्षणिक भ्रमण उनके लिए प्रेरणादायी और मार्गदर्शक अनुभव साबित हुआ। डेप्युटी सीएम विजय शर्मा आत्मसमर्पित नक्सलियों को लेकर विधानसभा पहुंचे थे। विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने सभी का 'जय जोहार' के साथ स्वागत करते हुए कहा कि पुनर्वास का निर्णय लेने वाले सभी साथियों का राज्य सरकार हृदय से अभिनंदन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार पुनर्वासित युवाओं की सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखेगी।

विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे 120 पूर्व नक्सलियों में 1 करोड़ का इनामी रहा रुपेश भी शामिल था। पूर्व नक्सली रुपेश के साथ झीरम हमले का मास्टरमाइंड चैतू भी विधानसभा पहुंचे। इससे पहले गुरुवार की रात डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने सरेंडर कर चुके नक्सलियों को अपने आवास पर डिनर के लिए आमंत्रित किया था। विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचे पूर्व नक्सलियों में कई माओवादी संगठन के लीडर रह चुके थे। झीरम घाटी हमले का मास्टरमाइंड चैतू उर्फ श्याम दादा ने 3 महीने पहले ही जगदलपुर में आत्मसमर्पण किया था। वहीं, सतीश उर्फ रूपेश सेंट्रल कमेटी का मेंबर था। उस पर 1 करोड़ का इनाम था। इसने 210 साथियों के साथ जगदलपुर में सरेंडर किया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरेंडर कर चुके नक्सलियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि सभी पुनर्वासित युवा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से पुनर्वास नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर आज संविधान के मंदिर में खड़े होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का साक्षी बनना इस बात का प्रमाण है कि बदलाव संभव है।

कूनो के 32 चीते ने एक साल में खाया सवा करोड़ रुपये का मटन

बोत्सवाना से आज लाए जाएंगे आठ और चीते

भोपाल, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो में नामीबिया से लाए चीतों पर सरकार खूब खर्च कर रही है। विधानसभा में दी गई जानकारी में पता चला है कि कूनो में रह रहे 38 चीते एक साल में 1.27 करोड़ से ज्यादा कीमत के बकरे खा चुके हैं। कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिखित में यह जानकारी दी। दरअसल मुकेश मल्होत्रा ने सवाल पूछा था कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों को भोजन के लिए एक साल में कितनी राशि खर्च की गई। इसके अलावा एक दिन में कितने बकरे खिलाए खा जा रहे हैं। विधायक ने पूछा कि कूनो नेशनल पार्क में अभ्यारण्य में चीतों की संख्या कितनी है? ये भी पूछा गया कि क्या राष्ट्रीय उद्यान कूनों में 17 दिसंबर 2022 से एक वर्ष में बकरा क्रय करने के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए प्रति वर्ष दिया जा रहे है? इस प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों के भोजन के लिए अलग से कोई बजट नहीं दिया गया, लेकिन इनकी चिकित्सीय देखभाल के साथ उनके प्रबंधन में जो अलग-अलग योजनाओं में राशि दी जाती है। वहीं, बकरा मीट खरीदने में खर्च की गई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में बकरा मीट खरीदने के लिए 1 करोड़ 27 लाख 10 हजार 870 रुपए की राशि खर्च की गई। वहीं, एक दिन में कितने बकरे खिलाए जाते है इसके जवाब में लिखा कि इसका कोई मानक निर्धारित नहीं है। आवश्यकता अनुसार मीट खिलाया जाता है। उन्होंने बताया कि कूनो नेशनल पार्क में कुल 32 चीते मौजूद हैं। वहीं, ग्वालियर, शिवपुरी, राजस्थान, मुरैना जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घूम रहे चीतों को लेकर पूछा कि चीते ग्रामीणों की बकरी-मवेशी का शिकार कर रहे हैं? पिछले वर्ष दिसंबर में हाइवे पर एक्सीडेंट में हुई चीते की मौत को लेकर पूछा कि क्या अभ्यारण के अंदर चीतों को भोजन नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण एक चीते की घाटीगांव हाईवे रोड पर दिसंबर 2025 में एक्सीडेंट में मौत हो गई? इसके जवाब में बताया कि कूनो नेशनल पार्क में 32 चीते मौजूद हैं। कूनो पार्क के खुले जंगल में विचरण कर रहे चीते कभी कभी वनमंडल की सीमा से बाहर चले जाते हैं और ग्रामीणों की बकरी-मवेशी का शिकार कर लेते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना के कारण एक चीते की मौत हुई है। बता दें मध्य प्रदेश में 2022 में आठ नीचे नामीबिया और वर्ष 2023 में 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से भारत लाए गए। अब प्रदेश में चीतों की आबादी बढ़कर 32 हो गई है।

राधारानी-श्रीकृष्ण ने खेली फूलों की होली

बांके बिहारी वृंदावन के रंग में रंगे, मथुरा के डीएम-एसएसपी ने जमकर किया डांस

मथुरा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर शुक्रवार को लट्ठमार होली खेली गई। कलाकारों ने बरसाने में मच गया शोर, सखी ने पकड़ा नंदकिशोर, रसिया गाने पर डांस किया। राधारानी और श्रीकृष्ण ने भी फूलों की होली खेली। महोत्सव में करीब 50 हजार ज्यादा भक्त पहुंचे।

गोपियों ने केशव वाटिका में मनाई गई होली में हुरियारों पर जमकर लाठी बरसाईं। इस दौरान ड्यूटी पर लगे पुलिस वाले भी उनकी लाठी से बचते नजर आए। मथुरा के डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने भी होली के गानों पर डांस किया। दोनों ने अधिकारियों संग जमकर होली खेली।

वहीं, इससे पहले वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए।

प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

वृंदावन की गलियां शुक्रवार दिनभर भक्तों से खचाखच भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल उड़ता दिखा। रंगों से रंगे भक्तों ने 'आज ब्रज में होली रे रसिया' गाने पर जमकर डांस किया। बड़ी संख्या में भक्तों ने वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा की। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर पहुंचे थे।

दीपक बैज बोले- आदिवासियों का फर्जी एनकाउंटर न करे सरकार

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने नक्सल विरोधी अभियानों को लेकर राज्य सरकार को सावधानी बरतने की नसीहत दी है।

उन्होंने कहा कि सरकार अपना ऑपरेशन चलाए, कांग्रेस को उससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन निर्दोष आदिवासियों को नक्सली बताकर फर्जी एनकाउंटर न किया जाए।

बैज ने कहा कि गर्मी के मौसम में जंगल क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी इमली, महुआ, तेंदूपत्ता और लकड़ी जैसे संसाधन जुटाने के लिए जंगल जाते हैं। ऐसे में सुरक्षा बलों को विशेष सतर्कता रखनी चाहिए ताकि निर्दोष ग्रामीण किसी कार्रवाई का शिकार न हों।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्षों में भी आदिवासियों को नक्सली बताकर मुठभेड़ में मारे जाने के मामले सामने आए हैं।

टीवीके चीफ-एक्टर विजय की पत्नी ने तलाक याचिका दायर की

पति पर एक्ट्रेस से अफेयर का आरोप, शादी के 27 साल हुए, दो बच्चे भी

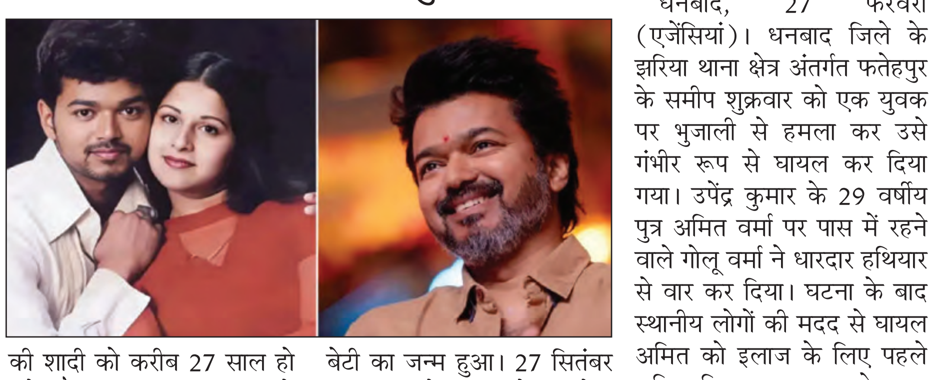

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। तमिल सुपरस्टार और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख विजय की पत्नी संगीता ने 24 फरवरी 2026 को चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए याचिका दाखिल की है। याचिका में विजय पर एक एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया गया है।

कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर केस फैमिली वेलफेयर कमिटी को भेज दिया। दंपति पिछले दो साल से अलग रह रहे थे। दोनों की शादी 1999 में हुई थी। शादी को 27 साल हो चुके हैं।

कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 20 अप्रैल को करेगा। विजय की टीम और संगीता ने मामले पर अबतक कोई बयान नहीं दिया है। विजय और संगीता की शादी को करीब 27 साल हो चुके हैं। 25 अगस्त 1999 को कपल शादी के बंधन में बंधे थे। जल्द ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। दोनों ने उस दौर में हिंदू और ईसाई दोनों धर्मों से शादी की थी। 2000 में कपल ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया जिसका नाम जेसन संजय है, वहीं 2005 में उनके घर बेटी का जन्म हुआ। 27 सितंबर तमिलनाडु के करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम यानी टीवीके की रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। बताया गया है कि 9 साल की एक बच्ची गुम हो गई थी। विजय ने मंच से उसे तलाशने की अपील पुलिस और अपने लोगों से की, जिसके बाद वहां भगदड़ जैसे हालात बन गए।

झरिया फतेहपुर में युवक पर भुजाली से हमला

गंभीर हालत में धनबाद रेफर, भाई ने कहा–आपसी विवाद के कारण हुआ हमला

धनबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद जिले के झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर के समीप शुक्रवार को एक युवक पर भुजाली से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। उपेंद्र कुमार के 29 वर्षीय पुत्र अमित वर्मा पर पास में रहने वाले गोलू वर्मा ने धारदार हथियार से वार कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल अमित को इलाज के लिए पहले झरिया स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।परिजनों के अनुसार, अमित वर्मा सेल्समैन का काम करते हैं और फतेहपुर के रामचंद्र दल के पास रहते हैं।

बीजेपी के बागी नेता की पत्नी आशा गुप्ता ने दर्ज की जीत, बनीं अध्यक्ष

जामताड़ा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले के जामताड़ा नगर पंचायत का चुनाव नतीजा जारी हो गया है। जामताड़ा नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए आशा गुप्ता ने जीत दर्ज की है। आशा गुप्ता ने पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रीना कुमारी को 994 मतों से पराजित किया है। बता दें, 23 फरवरी को निकाय चुनाव संपन्न हुआ था।

जामताड़ा नगर पंचायत में त्रिकोणीय मुकाबला

जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र की बात करें तो यहां त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा था। अध्यक्ष पद के लिए भाजपा समर्थित प्रत्याशी सह पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रीना कुमारी मैदान में थी। उनके विरोध में भाजपा के बागी तरुण गुप्ता की धर्मपत्नी आशा गुप्ता ने चुनावी मैदान में थी।

जबकि झामुमो समर्थित प्रत्याशी पूर्व दिवंगत विधायक विष्णु भैया की धर्मपत्नी चमेली देवी खेल बिगाड़ने के मैदान में थी। यहां त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा था। इसमें आशा गुप्ता ने जीत दर्ज कर की।

जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में कुल 28 मतदान केंद्र पर 26467 मतदाताओं को मताधिकार करना था। लेकिन महज 64.78 प्रतिशत मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

जबकि जामताड़ा नगर पंचायत क्षेत्र में एक अध्यक्ष और 14 वार्ड पार्षद के लिए चुनाव संपन्न हुआ। दो वार्ड के वार्ड पार्षद पूर्व में निर्विरोध चुन लिए गए हैं। बहरहाल 27 फरवरी को जामताड़ा के पत्थरचपड़ा स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में होने वाले मतगणना को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

छत के रास्ते घुसा तेंदुआ, लाठी डंडे लेकर पहुंचे लोग

मकान मालिक ने बाथरूम में किया बंद

मुरादाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद के एक घर में शुक्रवार सुबह तेंदुआ घुस आया। उसे देखकर मकान मालकिन घबरा गई और चिल्लाते हुए घर से बाहर भागीं। कुछ देर घर में घूमने के बाद तेंदुआ बाथरूम में जा घुसा।

हिम्मत दिखाते हुए महिला के बेटे ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। उधर, तेंदुआ घुसने की खबर फैलते ही कॉलोनी में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग लाठी-डंडे लेकर घर के बाहर जमा हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। साथ ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम को भी बुलाया गया। यह घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के हरथला गंगा मंदिर मोहल्ले की है। टाइगर रिजर्व की टीम ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद उसे पकड़ा।

शहर में सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट को जाने वाले रास्ते के सामने मेघराम सिंह का घर है। यहां वह अपने बड़े भाई हुकुम सिंह के साथ रहते हैं। दोनों भाई खेती करते हैं। परिजन के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 7:25 बजे तेंदुआ छत के रास्ते घर में घुस आया और सीढ़ियों से नीचे उतर गया। उस समय मेघराम की मां शकुंतला देवी सीढ़ियों के पास पड़ी चारपाई पर बैठी थीं। मेघराम कमरे में थे। पत्नी सुमन रसोई में चाय बना रही थीं। दोनों बेटे सुमित और सौरभ दूसरे कमरे में सो रहे थे। जबकि बड़े भाई हुकुम सिंह दूध पहुंचाने घर से बाहर गए हुए थे। सीढ़ियों से तेंदुआ को उतरता देख शकुंतला देवी घबरा गईं और वह चिल्लाकर भागीं। परिजन को चिल्लाकर बताया। घबराकर सब निकले तबतक वह बाथरूम में जा घुस था। मेघराम ने हिम्मत करके बाथरूम का दरवाजा बाहर से लॉक कर दिया।

तबतक मोहल्ले के लोग दौड़े पहुंचे। तेंदुआ घुसने की खबर से पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। कुछ लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंचे। पुलिस और वन विभाग के लोग भी पहुंच गए। सूचना के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से रेस्क्यू टीम पहुंची। टीम ने सबसे पहले पूरे घर और इलाके को खाली कराया। इसके बाद टीम उसे पकड़ने की कवायद शुरू की।

करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद उसे पकड़ा जा सका।

रोशना थाना में शांति समिति की बैठक

होली पर डीजे प्रतिबंधित, 'झूमटा' निकालने के लिए लाइसेंस अनिवार्य

कटिहार, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कटिहार जिले के रोशना थाना परिसर में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग मौजूद रहे। इस दौरान होली पर डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और हुड़दंगियों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

थाना प्रभारी मासूम कुमारी ने कहा कि होली आपसी भाईचारे और प्रेम का त्योहार है, जिसे शांतिपूर्वक मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बैठक में बताया गया कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष पुलिस बल तैनात किया जाएगा और गश्ती दल लगातार सक्रिय रहेंगे। होली के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

थाना प्रभारी कुमारी ने यह भी स्पष्ट किया कि होली में 'झूमटा' निकालने के लिए संबंधित लोगों को थाने से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति के किसी भी जुलूस या 'झूमटा' को निकालने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अंचल अधिकारी शिखा कुमारी ने कहा कि पंचायत स्तर पर भी शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों को जागरूक रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को संयम और आपसी भाईचारे के साथ होली मनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने जोर दिया कि प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों के आपसी समन्वय से ही पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सकता है।

12 करोड़ का कर्ज नहीं चुका पाई 'ईस्ट इंडिया कंपनी', दूसरी बार हुई दिवालिया, भारतीय के हाथ में है कमान

नई दिल्ली,27 फरवरी (एजेंसियां)। ईस्ट इंडिया कंपनी ... लंदन की वह कंपनी जो कभी भारत पर राज करती थी, आज कर्ज में डूबी हुई है। स्थिति ऐसी है कि यह कंपनी दोबारा दिवालिया हो गई है। अभी इसकी कमान लंदन में रहने वाले भारतीय के हाथ में है। यह कंपनी कर्ज लौटाने और कुछ भुगतान करने में असफल रही है।

इस बार यह कंपनी स्वैच्छिक परिसमापन (वॉलंटरी लिक्विडेशन) में चली गई है और उस पर करीब 10 लाख पाउंड (करीब 12 करोड़ रुपये) का कर्ज है। पहली बार मूल ईस्ट इंडिया कंपनी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद समाप्त हुई थी। साल 1858 में भारत पर उसका कंट्रोल ब्रिटिश शासन को सौंप दिया गया था और 1874 में उसे औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया।

मात्र 7400 रुपये की संपत्ति

लंदन स्थित इस कंपनी के डॉक्यूमेंट्स कंपनीज हाउस में दाखिल किए गए हैं, जिनसे पता चलता है कि कंपनी पर कुल 10 लाख पाउंड से अधिक की देनदारी है। हैरानी की बात यह है कि कंपनी की कुल संपत्ति मात्र 60.39 पाउंड (करीब 7400 रुपये) बताई गई है।

कंपनी पर कितनी देनदारी?

6,11,279 पाउंड (7.5 करोड़ रुपये) अपनी मूल कंपनी ईआईसी समूह (ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स) का

1,63,105 पाउंड (2 करोड़ रुपये) कर्मचारियों के वेतन के रूप में

1,93,789 पाउंड (2.4 करोड़ रुपये) ब्रिटेन के टैक्स विभाग को

भारतीय ने खरीदी थी कंपनी

ईस्ट इंडिया कंपनी का साल 2005 में एक तरह से पुनर्जीवन हुआ था।

इस आधुनिक ईस्ट इंडिया कंपनी को मुंबई के व्यवसायी संजीव मेहता ने साल 2005 में खरीदा था। उन्होंने शेयर धारकों के एक ग्रुप से मूल कंपनी के कोट ऑफ आर्म्स, प्रतीक चिन्ह आदि संपत्तियों के अधिकार हासिल किए।

साल 2010 में उन्होंने करीब 1 करोड़ पाउंड का निवेश कर उन्होंने इसे एक लग्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड में बदल दिया, जो चाय, चॉकलेट, एशियाई फूड, ज्वेलरी, सिक्के और होमवेयर बेचता था।

कौन हैं संजीव मेहता?

संजीव मेहता का जन्म गुजरात के जैन परिवार में हुआ था। बाद में वह साल 1989 में ब्रिटेन चले गए।। उन्होंने मुंबई के सिडेनहल कॉलेज से पढ़ाई की है। साथ ही वह आईआईएम अहमदाबाद के भी छात्र रहे हैं। साल 2010 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने लंदन के मेफेयर में अपना फ्लैगशिप स्टोर खोला, जिसे बाद में बॉन्ड स्ट्रीट स्थानांतरित किया गया। उस समय मेहता ने कहा था, 'मैं भारतीय हूं। इसलिए मेरे लिए यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह उस कंपनी को वापस खरीदना है जिसने भारत पर अपना अधिकार जमा रखा था।' अब यह स्टोर खाली पड़ा है और वेबसाइट भी गायब हो चुकी है।

चर्चा में रहा 'द क्राउन' सिक्का

साल 2023 में मेहता ने महारानी की पहली पुण्यतिथि पर 3.6 किलोग्राम सोने और 6,426 हीरों से बना एक विशाल कलेक्टिबल सिक्का 'द क्राउन' लॉन्च किया था। अब यह एक विडंबना है कि इस मूल कंपनी ने कभी भारत को लूटा था, वहीं यह आधुनिक कंपनी अंग्रेजों के कर्ज में डूब गई।

एआई से भारत की अर्थव्यवस्था गड़बड़ाएगी

लेकिन पटरी से नहीं उतरेगी, पूर्व गवर्नर रघुराम का आकलन

नई दिल्ली,27 फरवरी (एजेंसियां)। इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। काफी एक्सपर्ट का कहना है कि यह एक बबल है जो किसी भी दिन फूटकर दुनियाभर की अर्थव्यवस्था को हिला सकता है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था भी नहीं बच पाएगी। देश के सॉफ्टवेयर सेक्टर को चेतावनी भी दी गई है। वहीं इसे लेकर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का आकलन कुछ और ही है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि अगर एआई सेक्टर में 'कयामत' का दिन आता है तो देश की सर्विस इकनॉमी कुछ गड़बड़ाएगी, लेकिन पटरी से नहीं उतरेगी। ब्लूमबर्ग से इंटरव्यू के दौरान रघुराम राजन ने कहा कि एआई को खतरा नहीं है। बल्कि यह एक ऐसी ताकत है जो एडजस्टमेंट की मांग करेगी। रघुराम राजन इस समय शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में प्रोफेसर हैं।

क्या पड़ेगा भारत पर फर्क?

रघुराम ने इंटरव्यू में कहा कि सॉफ्टवेयर के अलावा कई अन्य सेक्टर में भारतीय सेवा क्षेत्र की प्रगति जारी रह सकती है। उन्होंने एआई को एक चुनौती बताया और कहा कि चीजों में समय लगता है। उन्होंने बताया कि जो कंपनियां टेक्नोलॉजी में निपुण नहीं हैं, उन्हें अधिक समय लगेगा। बस यही बात है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत का आईटी सेक्टर बड़े बदलाव से गुजर रहा है। जैसे-जैसे एआई में तरक्की हो रही है, आईटी सेक्टर झटके महसूस कर रहा है। देश के आईटी सेक्टर को लंबे समय से सेवा आधारित विकास का इंजन माना जाता रहा है। अब आईटी सेक्टर में एआई का काफी इस्तेमाल हो रहा है, जिससे इंसानों की जरूरत कम होती जा रही है। ऐसे में कंपनियां छंटनी कर रही हैं। राजन ने कहा कि यही टेक्नोलॉजी नए सेक्टर में मांग बढ़ा सकती है, बशर्ते कंपनियां और कर्मचारी तेजी से इसके अनुकूल हो जाएं।

राजन ने क्या दी सलाह?

इंटरव्यू के दौरान राजन ने यह भी बताया कि देश की अर्थव्यवस्था पर क्यों बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कौशल विकास बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सॉफ्टवेयर कंपनियों और उनके कर्मचारियों को बहुत तेजी से नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। उनके अनुसार वास्तविक दुनिया में एआई को अपनाने की गति अभी भी असमान है। राजन के मुताबिक कई ग्लोबल कंपनी अभी भी बड़े पैमाने पर एआई को लागू करने से बहुत दूर हैं। इससे भारतीय कंपनियों को खुद को नए सिरे से स्थापित करने का अवसर मिल रहा है।

ह्यूमन कैपिटल में निवेश की सलाह

रघुराम राजन ने सर्विस सेक्टर के अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एआई के बढ़ते प्रभाव की ओर भी इशारा किया। यह वह सेक्टर है जहां रोबोटिक्स में हो रही प्रगति प्रोडक्शन को नया रूप दे रही है। उन्होंने तर्क दिया कि नीतिगत प्राथमिकताओं में इस बदलाव को प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में सब्सिडी देने के बजाय भारत को ह्यूमन कैपिटल (ट्रेनिंग, एजुकेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट) में निवेश करके अधिक लाभ होगा।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 961 अंक टूटा, निफ्टी 25200 के नीचे

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हुई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 961.42 अंक या 1.17 प्रतिशत गिरकर 81,287.19 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 1,089.46 अंक या 1.32 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 81,159.15 पर पहुंचा। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 317.90 अंक या 1.25 प्रतिशत गिरकर 25,178.65 पर बंद हुआ। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 90.99 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में, सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। एचसीएल टेक, ट्रेंट, इंफोसिस और इटरनल को लाभ हुआ। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता में प्रगति न होने से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंकाएं बढ़ गई हैं। वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी अनिश्चितता भी सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षित हो रही है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर, आय सत्र समाप्त होने और वैश्विक मैक्रो कारकों के हावी होने के कारण जोखिम से बचने का माहौल बना हुआ है। हरिप्रसाद के, रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक ने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता के निष्फल रहने के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों और बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता ने निवेशकों के आत्मविश्वास को कम कर दिया, जिससे हालिया बढ़त के बाद ऑटो, एफएमसीजी और फार्मा शेयरों में व्यापक मुनाफावसूली देखने को मिली। घरेलू स्तर पर कोई नई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने से गिरावट की गति और तेज हो गई, खासकर कारोबार के अंतिम घंटों के दौरान। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1 प्रतिशत गिर गया। जापान का निक्केई 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिले-जुले रुख के साथ कारोबार हो रहा था। गुरुवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुआ।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.26 प्रतिशत बढ़कर 71.64 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कुंभ	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	कुंभ	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
कुंभ....	04-46	बजे
मीन....	05-46	बजे
मेष.....	07-25	बजे
वृष....	09-01	बजे
मिथुन..	10-45	बजे
कर्क...	12-45	बजे
सिंह---	14-58	बजे
कन्या--	17-10	बजे
तुला----	19-17	बजे
वृश्चिक..	21-22	बजे
धनु.....	23-32	बजे
मकर...	01-45	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-40

भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18 -17

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले

मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष शनिवार 28 February 2026

तिथि - द्वादशी 20-43 तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - पुनर्वसु 09-35 तक उप पुष्य

योग - सौभाग्य 17-02 तक उप. शोभन

करण - बव 09-35 तक. बालव

रा. विज्ञान दिवस

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-33 से 11-01 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	18-17 - 19-53	शुभ
उत्पात	19-53 - 21-25	अशुभ
शुभ	21-25 - 22-57	शुभ
अमृत	22-57_ - 00-28	शुभ
चंचल	00-28 - 02-02	शुभ
रोग	02-02 - 03-32	अशुभ
काल	03-32 - 05-04	अशुभ
लाभ	05-04 - 06-47	शुभ

रात का चौघड़िया		
काल	06-47 - 08-05	अशुभ
शुभ	08-05 - 09-33	शुभ
रोग।।	09-33 - 11-01	अशुभ
उत्पात	11-01 - 12-29	अशुभ
चंचल	12-29 - 13-57	शुभ
लाभ	13-57 - 15-25	शुभ
अमृत	15-25 - 16-53	शुभ
काल	16-53 - 18-17	अशुभ

भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.6% पर पहुंची

नई सीरीज से दिखा गजब का उछाल, आए नए आंकड़े

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने इस बार देश की जीडीपी नापने के नए पैमान के हिसाब से जीडीपी आंकड़ों जारी किए हैं। जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 (एफवाई26) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत दर्ज की गई है। इससे पहले 7.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। सरकार ने जो नए आंकड़े जारी किए हैं उसके मुताबिक वर्ष 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए राष्ट्रीय खातों की नई सीरीज लागू की गई है। इस बदलाव किए गए सीरीज के अनुसार, वृद्धि दर जनवरी में जारी 2011-12 आधार वर्ष वाली पुरानी सीरीज के 7.4 प्रतिशत के अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक अधिक है।

जीडीपी कैलकुलेशन के तरीके में हुआ बदलाव

अधिकारियों के अनुसार, यह संशोधन बेहतर आकलन के तरीके और व्यापक आर्थिक कवरेज को शामिल करने की वजह से हुआ है। नई प्रणाली में कंपनियों के बड़े डेटाबेस को जोड़ा गया है, जिससे कवर किए गए व्यावसायिक इकाइयों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। नई जीडीपी गणना में 'डबल डिफ्लेशन' और एक्सट्रापोलेशन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया गया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक आर्थिक गतिविधियों का अधिक सटीक आकलन संभव हो पाया है। आंकड़ों में परिवर्तन के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 (एफवाई25) की ग्रोथ रेट को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 (एफवाई24) की वृद्धि दर को 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया गया है, जो 0.3 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी दिखाता है। तिमाही आंकड़े बताते हैं कि पूरे वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में स्थिर गति बनी रही।

तीसरी तिमाही (क्यू3) में अर्थव्यवस्था 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि दूसरी तिमाही (क्यू2) में 8.1 प्रतिशत और पहली तिमाही (क्यू1) में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।पहली छमाही के आंकड़ों में भी संशोधन किया गया है। अब क्यू1 की वृद्धि दर 7.9 प्रतिशत और क्यू2 की 8.1 प्रतिशत आंकी गई है, जबकि पहले ये क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 8.2 प्रतिशत थी।

फिटमेंट फैक्टर, बेसिक सैलरी से पेंशन तक

फैमिली यूनिट 3 से 5 हुई तो 66% बढ़ जाएगी सैलरी?

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आठवें वेतन आयोग में फैमिली यूनिट बढ़ाने की मांग से केंद्रीय कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में 66% तक उछाल आ सकता है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि अगर परिवार की गणना 3 की जगह 5 यूनिट पर की जाए, तो न्यूनतम वेतन, फिटमेंट फैक्टर और पेंशन तीनों में बड़ा बदलाव संभव है। दरअसल, नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड) जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी की ड्राफ्टिंग कमेटी ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के लिए एक साझा मांग पत्र तैयार करने को राष्ट्रीय राजधानी में हफ्ते भर की बैठक बुलाई है। यह मांग देश के 50 लाख से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और करीब 69 लाख पेंशनर्स से जुड़ी है। चर्चा का सबसे अहम मुद्दा है- फैमिली यूनिट का विस्तार।

सातवें वेतन आयोग में कैसे काउंट हुआ था वेतन?

7वें वेतन आयोग में न्यूनतम वेतन की गणना 3 कंजम्प्शन यूनिट के आधार पर की गई थी। इसमें कर्मचारी, जीवनसाथी और दो बच्चों को शामिल किया गया। यह गणना डॉ. वालेस एक्रोयड के फॉर्मूले पर आधारित थी, जिसमें 2,700 कैलोरी प्रति वयस्क, सालाना 72 गज कपड़ा और मकान का खर्च जैसे मानक तय किए गए थे। मकसद था- एक परिवार को सम्मानजनक जीवन के लिए कितनी आय चाहिए, इसका अंदाजा लगाना।

फैमिली यूनिट में माता-पिता भी हों शामिल!

ऑल इंडिया एनपीएस एप्लॉईज फेजरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल का कहना है कि असल में कई कर्मचारी अपने आश्रित माता-पिता का खर्च भी उठाते हैं। इसलिए फैमिली यूनिट 3 से बढ़ाकर 5 की जाए।चूंकि न्यूनतम वेतन सीधा-सीधा यूनिट की संख्या से जुड़ा होता है, इसलिए 3 से 5 यूनिट होने पर बेस कैलकुलेशन वैल्यू में गणितीय रूप से 66.67% की बढ़ोतरी हो सकती है। यूनियनों का दावा है कि इससे न्यूनतम बेसिक सैलरी में करीब 66% तक उछाल आ सकता है।

तो ऊपर खिसक जाएगी सैलरी मैट्रिक्स?

फिलहाल 7वें वेतन आयोग के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन 18,000 रुपए है। अगर बेसिक पे बढ़ता है, तो पूरी सैलरी मैट्रिक्स ऊपर खिसक जाएगी। यूनियनें 3.25 या उससे ज्यादा फिटमेंट फैक्टर की भी मांग कर रही हैं। साथ ही सालाना इंक्रीमेंट दर 3% से बढ़ाकर 7% करने की मांग है। पुरानी पेंशन योजना की पूरी बहाली, एनपीएस और यूपीएस को खत्म करने की मांग भी उठ रही है। यह मांग पेंशनर्स के लिए भी अहम है, क्योंकि बेसिक पेंशन आखिरी बेसिक सैलरी का 50% होती है। अगर 5 यूनिट फॉर्मूला लागू होता है, तो पेंशन में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी होगी। अब नजर सरकार के फैसले पर है कि क्या आठवां वेतन आयोग सिर्फ इंक्रीमेंट देगा या ढांचा बदलकर बड़ी सैलरी हाइक? खैर, ये आने वाले दिनों में क्लियर हो सकता है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप अपनी प्रतिभा दिखाने और ज़िम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। अकेले काम करने से आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद मिल सकती है, लेकिन खुद पर ज़रूरत से ज़्यादा ज़ोर न डालें। आप बड़े काम पूरे करने की क्षमता रखते हैं, हालाँकि ज़ोर-ज़बरदस्ती करना उल्टा भी पड़ सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी तीक्ष्ण बुद्धि काम और पढ़ाई दोनों में प्रगति को गति देती है, जिससे आपको उन बारीकियों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरे नज़रअंदाज़ कर देते हैं। हालाँकि, आलोचना करने की प्रवृत्ति अनावश्यक बहस को जन्म दे सकती है। आत्मविश्वास आपके कार्यों को सशक्त बनाता है, जबकि जुनून आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे , आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी । यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना आज 1,075 बढ़कर 1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल कीमत में 26 हजार का इजाफा; चांदी 6,033 महंगी होकर 2.66 लाख/किलो हुई

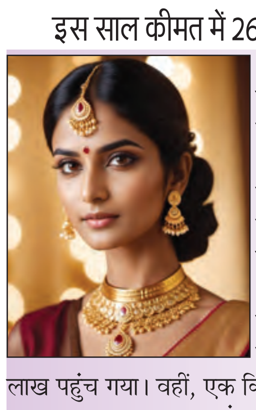

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज 27 फरवरी को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,075 रुपए बढ़कर 1.59 लाख पहुंच गया। वहीं, एक किलो चांदी 6,033 रुपए बढ़कर 2.66 लाख पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,892 रुपए और चांदी 37,480 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

1.80 लाख तक जा सकता है सोना

इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी यूबीएस के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है।

2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है।

इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। यूबीएस को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

आचार्य बालकृष्ण एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट से पुरस्कृत

मोहाली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान को बल देने वाले आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान मोहाली में आयोजित सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन एथनोफार्माकोलॉजी - इंटेग्रटिंग ट्रैडिशनल मेडिसिन इन मॉडर्न हेल्थकेयर में "एसएफई उत्कृष्ट राष्ट्रीय एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह आयुर्वेद की उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि पतंजलि द्वारा विकसित 90 से अधिक साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक दवाइयाँ और प्राकृतिक उपचार आज लोगों को सुरक्षित तथा प्रभावी स्वास्थ्य विकल्प प्रदान कर रहे हैं। पतंजलि की आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों तथा पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों पर वैज्ञानिक ध्यान केंद्रित करते हैं। इस अवसर पर पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण की यह उपलब्धि प्राचीन चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण और साक्ष्य-आधारित शोधों की दिशा में पतंजलि की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का मजबूत प्रमाण है। आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में पतंजलि ने आयुर्वेद को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण में प्रस्तुत करने के लिए अनेक शोध कार्य किए हैं। आचार्य बालकृष्ण जी को उनके शोध कार्यों के लिए अनेक वर्षों से स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिकों की सूची में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में भी सम्मिलित किया जा रहा है। उक्त सम्मान को प्राप्त करते हुए पतंजलि ने इसे आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के विज्ञान-आधारित पुनरुद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

यूपीआई से लेकर एलपीजी की कीमतों तक 1 मार्च से क्या-क्या बदलेगा? आम आदमी की जेब पर सीधा असर

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। हर महीने की तरह इस बार भी महीने की शुरुआत कुछ नए नियमों और अपडेट्स के साथ होने जा रही है, लेकिन 1 मार्च 2026 कई मायनों में खास माना जा रहा है। इस बार होने वाले बदलाव सिर्फ खर्च या कीमतों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आपके मोबाइल इस्तेमाल, बैंकिंग सिस्टम और ट्रेन यात्रा जैसे रोजमर्रा के कामों पर भी सीधा असर डाल सकते हैं। अगर आप डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं, एलपीजी सिलेंडर लेते हैं या अक्सर ट्रेन से सफर करते हैं, तो इन नए नियमों और अपडेट्स की जानकारी रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही आपकी सुविधा और बजट दोनों को प्रभावित कर सकती है। सबसे ज्यादा चर्चा मैसेजिंग एप्स को लेकर हो रही है। नए सिम-बाइंडिंग नियमों के तहत व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एप्स को एक्टिव सिम कार्ड से जोड़कर रखने की व्यवस्था सख्त की जा सकती है। ऐसे में अगर आपका सिम बंद है, निष्क्रिय है या फोन से निकाल दिया गया है, तो इन एप्स का इस्तेमाल सीमित या प्रभावित हो सकता है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य सिम स्वैप, फर्जी अकाउंट और डिजिटल फ्रॉड पर रोक लगाना बताया जा रहा है, जो हाल के वर्षों में तेजी से बढ़े हैं।

‘राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की लीडरशिप से बेहतर’

राज्यवर्धन बोले-30 साल पहले दो बच्चों का कानून लाया था, अब लोग जागरूक हो गए हैं

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन ने कहा है कि राजस्थान कांग्रेस की जो लीडरशिप है। वह देश की कांग्रेस लीडरशिप से बेहतर है। ऐसे में मुझे लगता है कि यहां के कांग्रेस के लीडर्स को देश में कांग्रेस को संभालना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पंचायत और निकाय चुनाव में दो बच्चों की बाध्यता को हटाने पर भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा-अगर सरकार की मंशा यही होती तो हम तीन बच्चों वालों को ही चुनाव लड़ने की अनुमति देते। इससे जल्द ही जनसंख्या में बढ़ोतरी हो जाती। राज्यवर्धन राठौड़ गुरुवार को एसएमएस स्टेडियम में मीडिया से बात कर रहे थे।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर जवाब देते हुए कहा- दो बच्चों से ज्यादा होने पर चुनाव नहीं लड़ने की जो बंदिश थी। यह तकरीबन 30 साल पहले लगाई गई थी। राजस्थान के अलावा देश के किसी दूसरे प्रदेश में इस तरह का कानून नहीं है। 30 साल इस कानून को लागू हुए हो चुके हैं। 30 साल पहले फैमिली प्लानिंग की जागरूकता देने के लिए इस तरह के कानून की जरूरत होगी। मुझे लगता है 30 साल में जनता में जागरूकता आ गई है। यह बंदिश सिर्फ राजस्थान में ही लागू क्यों रहे। किसी और प्रदेश में क्यों नहीं लागू हो। इस सोच के साथ ही राजस्थान सरकार ने इस नीति की पेनल्टी को हटाया है।

गलत बयान बाजी हो रही

सरकार के इस फैसले को लेकर काफी लोग गलत बयान बाजी कर रहे हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि बच्चे ज्यादा हो। इसलिए हमने इसे लागू किया है। अगर हमें ऐसा ही करना होता तो हम इस तरह का कोई कानून बनने की तीन बच्चों के माता-पिता ही चुनाव लड़ सकेंगे। तो अगले चुनाव तक बच्चे ही बच्चे हो जाते।

जबकि हमने ऐसा नहीं किया है। मुझे लगता है विपक्ष के लोग बुद्धि को गिरवी रखकर आ गए हैं। उन लोगों का मानसिक संतुलन पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है। उनके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए उनको छोड़ दीजिए। उनका नेतृत्व ही खराब हो गया है तो फिर बाकी लोगों से वैसे भी क्या उम्मीद की जा सकती है। वैसे मुझे लगता है, राजस्थान की कांग्रेस की जो लीडरशिप है। वह देश की लीडरशिप से बेहतर है। ऐसे में मुझे लगता है कि यहां के कांग्रेस के लीडर्स को देश में कांग्रेस को संभालना चाहिए।

सरकार ने निकाय और पंचायती राज्य चुनाव में दो बच्चों की बाध्यता हटाई थी

बता दें कि राजस्थान सरकार ने प्रदेश में निकाय और पंचायती राज्य चुनाव में दो बच्चों की बाध्यता को हटाने का फैसला किया है। इस फैसले को लेकर विपक्ष के नेता लगातार सरकार पर निशाना साथ रहे हैं। जिस पर पलटवार करते हुए राठौड़ ने अब विपक्षी नेताओं को जवाब दिया है।

इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले को लेकर भी सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सरकार ने कदम उठाया है हमें पूरी उम्मीद है कि अन्य खेलों की तरह राजस्थान में इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबलों का आयोजन होने की भी पूरी संभावना है।

रेगिस्तान में क्रूड-ऑयल रिसाव के बाद 20 कुएं बंद

> कंपनी एक-एक पाइपलाइन की जांच करेगी
> 24 की रात ब्लास्ट नहीं, भूकंप आया था

बाड़मेर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर के एक खेत से निकल रहा क्रूड ऑयल का रिसाव शुक्रवार को पांचवें दिन रुक गया है। हालांकि अभी इस रिसाव और तेल के निकलने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

इधर, इस रिसाव का पता लगाने के लिए केयर्न वेदांता के ऐश्वर्या वेलपेड-8 से जुड़े सभी तेल के कुओं को बंद कर दिया गया है। वहीं ग्रामीणों की ओर से 24 फरवरी को ब्लास्ट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में कंपनी के अधिकारियों ने दावा किया है कि उस रात 11 बजकर 25 मिनट पर भूकंप आया था।

वेलपेड में 20 से ज्यादा कुएं, एक-एक की जांच होगी

केयर्न वेदांता कंपनी के ऐश्वर्या वेलपेड पर 20 से ज्यादा तेल के कुएं है(क्रूड ऑयल लीकेज होने के साथ कंपनी ने इस वेलपेड पर शट डाउन ले लिया। इससे कंपनी के उत्पादन पर करीबन 5 हजार बैरल (1 बैरल में 160 लीटर) तेल प्रभावित हुआ है। कंपनी के मीडिया मैनेजर मुकेश मथराणी ने बताया- रिसवार होने के बाद रुक गया है। इसके रूट का पता लगाने के लिए अब एक-एक कर सभी पाइपलाइन सेक्शन की जांच की जाएगी।

ताकि पता लगाया जा सके कि कौनसे कुएं से लीकेज हुआ था। इधर, ग्रामीणों के ब्लास्ट के दावे को लेकर कंपनी अधिकारियों ने बताया कि उस रात 11:25 बजे पर 3.2 की तीव्रता का भूकंप आया था। तीव्रता राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट पर भी है। इसका एपिसेंटर तेल इलाकों से दूर और भू-सतह से 5 किलोमीटर गहराई पर था। इस इलाके में ड्रिलिंग की गहराई औसतन 2 किलोमीटर ही है। किसान हरजीराम ने बताया- मैं हर साल अपने खेत में बाजरे की फसल लगाता हूं। 23 फरवरी की बात है, मुझे केयर्न वेदांता के सिक्योरिटी गार्ड ने सूचना दी कि तुम्हारे खेत से क्रूड ऑयल निकल रहा है। इसके बाद मैं वहां पहुंचा देखा तो 2 से 3 बीघा में काला तेल (क्रूड ऑयल) खेत में फैला हुआ था। इसके बाद करीब 1 घंटे बाद कंपनी के इंजीनियर और अधिकारी आ गए। उन्होंने कहा- जेसीबी मशीन लाने दो गड्ढा खोद देते हैं, नहीं तो ये क्रूड ऑइल सड़क तक फैल जाएगा।

हरजीराम ने बताया- इसका प्रेशर भी ज्यादा है, ऐसे में मैंने जेसीबी को अंदर आने दिया। इसके बाद जेसीबी से गड्ढा खोदा गया। इसके बाद कंपनी से टैंकर बुलाए गए और वैक्यूम से टैंकर भरकर ले जाने लगे। 5 दिन में करीब 60 से ज्यादा टैंकर भरकर दूसरी जगह ले जाया जा चुका है।

वीसी की नियुक्ति पर राज्यपाल को हाईकोर्ट का नोटिस

तीन सप्ताह में मांगा जवाब; याचिका में कहा-कुलगुरु को 10 साल का टीचिंग अनुभव नहीं

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्यपाल और राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेनरी एंड एनिमल साइंसेज (राजुवास) के चांसलर (कुलाधिपति) हरिभाऊ बागडे को नोटिस जारी किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की अदालत ने यह नोटिस डॉ. आर के बाघेरवाल की याचिका पर 25 फरवरी को सुनवाई करते हुए जारी किया। राज्यपाल से तीन सप्ताह में जवाब मांगा गया है।

याचिका में राज्यपाल की ओर से की गई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु (वाइस चांसलर) की नियुक्ति को चुनौती दी है। राज्यपाल ने डॉ. सुमंत व्यास को 4 सितंबर 2025 को वीसी नियुक्त किया था। याचिका में कहा गया कि वीसी की नियुक्ति नियमों के विपरीत की गई है, इसे रद्द किया जाए।

सर्च कमेटी के चेयरमैन की नियुक्ति अवैध

अधिवक्ता दिनेश यादव ने अदालत को बताया कि राज्यपाल के आदेश से वीसी की नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी का गठन करके 3 मई 2025 को नियुक्ति विज्ञापन निकाला गया। हमने कोर्ट को बताया कि यूजीसी के नियमों के तहत सर्च कमेटी का चेयरमैन उस यूनिवर्सिटी से जुड़ा नहीं होना चाहिए। लेकिन यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा को कमेटी का चेयरमैन बना दिया। वे यूनिवर्सिटी के एनिमल न्यूट्रिशन विभाग के एचओडी रह चुके हैं।

वीसी को 10 साल का टीचिंग अनुभव नहीं

वहीं, वीसी के पद पर नियुक्त डॉ. सुमंत व्यास भी 10 साल का टीचिंग अनुभव नहीं रखते हैं। ऐसे में वीसी की नियुक्ति पूरी तरह से अवैध है। ऐसे में नियुक्ति को रद्द किया जाए। इस पर अदालत ने राज्यपाल, यूनिवर्सिटी वीसी, रजिस्ट्रार और सरकार से जवाब मांगा है। बता दें कि डॉ. सुमंत व्यास ने वैज्ञानिक के रूप में राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र (एनआरसीसी) में सेवा दी है। इसके बाद वे जोधपुर में काजरी के निदेशक भी रहे।

बेटे की हत्या कर पिता ने किया सुसाइड

धारदार हथियार से गला काटा, अनबन के कारण पीहर में रह रही थी पत्नी

भीलवाड़ा, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में 12 साल के बेटे की हत्या कर पिता ने सुसाइड कर लिया। घर के कमरे की चारपाई पर बेटे की लाश पड़ी थी। उसका गला कटा हुआ था। पिता (40) ने जहर खा लिया था। वह कमरे में ही तड़प रहा था। घटना बड़लियास थाना क्षेत्र की शुक्रवार सुबह 7 बजे की है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि युवक का पत्नी से विवाद चल रहा था। इसी विवाद में उसने बेटे का गला काट दिया। डीएसपी बाबूलाल बिश्नोई ने बताया- पड़ोसियों ने परिजनों को सूचना दी थी। जब परिजन घर पहुंचे तो गेट नहीं खुला। दीवार फांदकर अंदर गए। कमरे में बच्चे की लाश पड़ी थी।

पहली बार सामने आया ‘सुदर्शन’ का फायरिंग वीडियो

300 किमी दूर दुश्मन का विमान ढेर

जैसलमेर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने पहली बार अपनी अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली एस-400 के भारतीय संस्करण सुदर्शन के ऑपरेशन का आधिकारिक वीडियो जारी कर देश की सामरिक ताकत का प्रदर्शन किया। यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में होने वाले मेगा युद्धाभ्यास वायु शक्ति-2026 की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं।

वीडियो के साथ वायुसेना द्वारा साझा किए गए संदेश ने सैन्य हलकों में खासा ध्यान खींचा है। इसमें दावा किया गया है कि इस प्रणाली ने सैन्य इतिहास की अब तक की सबसे लंबी दूरी की मारक क्षमता को अंजाम दिया।

हालांकि लक्ष्य की प्रकृति, उसकी सटीक दूरी और ऑपरेशनल परिस्थितियों का विस्तृत खुलासा आधिकारिक तौर पर नहीं किया गया है लेकिन संकेत स्पष्ट हैं कि यह उपलब्धि भारत की वायु रक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाई पर ले जाने वाली है। वायुसेना के अनुसार यह ऐतिहासिक सफलता पिछले वर्ष मई में संचालित ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हासिल की गई थी। रक्षा सूत्रों के मुताबिक इस ऑपरेशन में S-400 सुदर्शन प्रणाली ने सीमा पार लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित हवाई लक्ष्य को सटीकता से भेदते हुए निष्क्रिय किया। हालांकि इस कार्रवाई की स्वतंत्र पुष्टि या विस्तृत तकनीकी विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन यदि यह दावा तथ्यों पर खरा उतरता है तो यह वैश्विक सैन्य इतिहास में लंबी दूरी पर की गई वायु रक्षा कार्रवाई के रूप में दर्ज हो सकता है। एस-400 सुदर्शन को भारतीय सुरक्षा तंत्र में आसमान का अभेद्य कवच कहा जाता है। यह बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली एक साथ कई प्रकार के हवाई खतरों लड़ाकू विमान, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। तकनीकी रूप से यह प्रणाली 400 किलोमीटर तक की अधिकतम रेंज में लक्ष्य साध सकती है और अलग-अलग ऊंचाइयों पर उड़ रहे कई लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक कर सकती है।

इसकी हाई-एंड रडार क्षमता इसे लंबी दूरी से ही खतरे का आकलन करने और त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की प्रणाली किसी भी देश की वायु सुरक्षा को बहुस्तरीय ढाल प्रदान करती है। यह न केवल हमले को विफल करती है, बल्कि संभावित दुश्मन के लिए एक मजबूत प्रतिरोधक भी स्थापित करती है।

आज अजमेर आ रहे हैं पीएम मोदी

राजस्थान को 16686 करोड़ रुपये की सौगातें भी देंगे

अजमेर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 फरवरी को राजस्थान दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी यहां अजमेर से 14 वर्ष आयु की बालिकाओं के लिए राष्ट्रव्यापी ‘ह्यूमन पैपिलोमावायरस’ (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ करेंगे।

इसके साथ ही महिलाओं में रोके जा सकने वाले कैंसर के खिलाफ देशव्यापी पहल की औपचारिक शुरुआत होगी। प्रधानमंत्री इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी केंद्र एवं राज्य सरकार की 16 हजार 686 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। इस सभा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी इस सभा को लेकर विशेष तैयारियों में जुटे हैं।

‘गार्डासिल 4’ की एकल खुराक दी जाएगी

अजमेर से पीएम मोदी एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके तहत ‘गार्डासिल 4’ नामक क्वाड्रिवेलेंट एचपीवी वैक्सीन की एकल खुराक दी जाएगी। यह टीका एचपीवी टाइप 16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करता है, जो सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) के प्रमुख कारण माने जाते हैं। इसके अलावा यह टाइप 6 और 11 से भी बचाव करता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है। एचपीवी संक्रमण से होने वाला यह एकमात्र ऐसा कैंसर है, जिसे टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है।

देशभर में 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिर-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप-जिला एवं जिला अस्पतालों तथा सरकारी मेडिकल कॉलेजों में यह टीका लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया तैयारियों का जायजा

मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अजमेर पहुंचे और सभा की तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ मुख्य सचिव, डीजीपी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। घुघरा हेलीपैड पर केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित कई पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद वे विश्राम स्थली पहुंचे और पुष्कर में बोगश्वर धाम के महंत पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का आशीर्वाद लिया। इधर, भाजपा नेता सतीश पूनिया ने हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों का दौरा कर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

सेहत को लेकर लापरवाही नहीं की : धनखड़

सादुलपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा-मैंने स्वास्थ्य के प्रति कभी लापरवाही नहीं बरती। इस्तीफा देते समय मैंने कभी नहीं कहा कि मैं बीमार हूं। मैंने कहा था कि मैं स्वास्थ्य को अहमियत दे रहा हूं, जो सभी को देनी भी चाहिए। उन्होंने ये बात चूरू के सादुलपुर में कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां के आवास पर कही। राहुल कस्वां के पिता पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां और मां कमला कस्वां की सेहत की जानकारी लेने के लिए पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां पहुंचे थे। धनखड़ का यहां स्वागत किया गया। इस दौरान एक युवक ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया तो धनखड़ ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मुझे दाढ़ी वालों से डर लगता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ‘प्रचंड’ में भरी उड़ान

देश को मैसेज-वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद; जय हिंद, जय भारत

जैसलमेर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। ऑलिव ग्रीन वर्दी और हेलमेट पहने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाक सीमा के पास लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड में सह-पायलट के रूप में उड़ान भरी।

भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान कॉकपिट से राष्ट्र के नाम संदेश भी दिया। उन्होंने कहा- प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का एक सशक्त प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर जिले के ऊपर उड़ान भर रही हूं। मैं हमारे वीर सैनिकों को हार्दिक शुभकामनाएं और गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। आपको मेरा सादर सलाम। जय हिंद, जय भारत। एलसीएच ने जैसलमेर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी। उड़ान से पहले कप्तान ने राष्ट्रपति को ब्रीफिंग दी।

प्रस्थान से पहले उन्होंने कॉकपिट से हाथ हिलाकर अभिवादन भी किया। यह उड़ान लगभग 25 मिनट तक चली। हेलीकॉप्टर पोखरण फायरिंग रेंज के ऊपर से गुजरा, जहां भारतीय वायुसेना शाम को वायु शक्ति नामक अग्नि शक्ति प्रदर्शन आयोजित करेगी। राष्ट्रपति मुर्मू दिन-दुशाला-रात्रि प्रदर्शन का भी अवलोकन करेंगी। इससे पहले वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने राष्ट्रपति का जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर स्वागत किया।

चार दिन बाद खत्म हुई निजी बसों की हड़ताल

35 हजार बसें फिर सड़कों पर, यात्रियों को मिली राहत

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले चार दिनों से जारी निजी बस ऑपरेटरों की हड़ताल गुरुवार देर रात समाप्त हो गई। जयपुर कलेक्टर के साथ हुई अहम बैठक में कुछ मांगों पर सहमति बनने और बाकी मांगों को विधानसभा सत्र के बाद पूरा करने के आश्वासन के बाद ऑपरेटरों ने हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया। इसके साथ ही रात से बसों का संचालन दोबारा शुरू हो गया। परिवहन मुख्यालय में हुई बैठक के बाद प्रदेशभर की करीब 35 हजार निजी बसें फिर से सड़कों पर दौड़ने लगीं। इससे होली के मौके पर घर जाने की तैयारी कर रहे हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि त्योहार के दौरान यात्रियों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। इससे पहले तीन दिनों तक निजी बस ऑपरेटरों और सरकार के बीच कई दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका था। करीब 10 बजे परिवहन मुख्यालय में परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा, जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी और बस ऑपरेटरों के प्रतिनिधियों के बीच फिर से बैठक हुई।

ड्रोन से ड्रग्स के साथ चीनी हथियार भी पहुंच रहे राजस्थान, पाक की नई साजिश

बीकानेर, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर एक बार फिर पड़ोसी देश पाकिस्तान की ओर से नापाक कोशिश की गई, लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सतर्कता और पुलिस की मुस्तैदी के चलते यह प्रयास विफल हो गया। गुरुवार को बीकानेर जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक चीनी ड्रोन मार गिराया गया। ड्रोन की तलाशी लेने पर उसमें 5 पिस्तौल और 325 कारतूस का पैकेट बरामद हुआ।

बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

ड्रोन को सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों ने निशाना बनाकर गिराया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें हथियारों की खेप मिलने का खुलासा हुआ। इस कार्रवाई में खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला, प्रशिक्षु आरपीएस रोहित और बीएसएफ के अधिकारियों की अहम भूमिका रही। प्राथमिक जांच में

सामने आया है कि ड्रोन के जरिए सीमा पार से हथियार भेजने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि यह खेप किसके लिए भेजी गई थी, इस बारे में अभी तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

पहली बार हथियारों की तस्करी की कोशिश

सीमा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों, विशेष रूप से हेरोइन की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। लेकिन बीकानेर जिले से लगती सीमा पर ड्रोन के माध्यम से हथियार भेजने की यह पहली घटना बताई जा रही है।

इससे सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है जब पाकिस्तान की ओर से की गई कोशिश को भारतीय सुरक्षा बलों ने नाकाम किया हो। पूर्व में भी कई बार मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास विफल किए जा चुके हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बीएल मीणा ने बताया कि बरामद पिस्तौल और कारतूस जब्त कर लिए गए हैं। अब यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह खेप सीमा क्षेत्र में किस तक पहुंचाई जानी थी। फिलहाल किसी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है।

कर्ज से परेशान ऑटो चालक ने की आत्महत्या

लाइव लोकेशन भेजकर पेड़ से लटका मिला शव

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घाटकेसर क्षेत्र में बढ़ते कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान एक ऑटो रिक्शा चालक ने गुरुवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान साई कुमार (35) के रूप में हुई है, जो घाटकेसर के रामनगर इलाके के निवासी थे। उनका प्रेम विवाह हुआ था और परिवार में पत्नी तथा एक साल की बेटी है। पुलिस के अनुसार साई कुमार ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन आमदनी कम होने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। परिचितों से उधार लेने के बाद उनकी आर्थिक परेशानी और बढ़ गई थी। कर्ज चुकाने के दबाव से वह मानसिक रूप से परेशान थे। बताया जाता है कि उन्हें शराब की लत भी लग गई थी, जिससे परिवार की स्थिति और बिगड़ गई। गुरुवार सुबह वह अपने साथ एक साड़ी लेकर ऑटो से घर से निकले। दोपहर में उन्होंने पत्नी, छोटे भाई और दोस्तों को फोन कर आत्महत्या की बात कही और मोबाइल के जरिए अपनी लाइव लोकेशन भी साझा की। सूचना मिलने पर परिजन और मित्र कोंडापुर के प्रभाकर वेंचर क्षेत्र पहुंचे, जहां देर शाम उनका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपने वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है सरकार : भट्टी विक्रमार्क

कर्मचारियों के लंबित बिलों के भुगतान हेतु 745 करोड़ जारी किए

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने कर्मचारियों को राहत देते हुए उनके लंबित बिलों के भुगतान के लिए 745 करोड़ रुपए जारी किए हैं। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार अपने वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है और 'ग्रीन चैनल' तंत्र के माध्यम से लंबित देयों का निपटान किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को फरवरी माह से संबंधित बिलों के भुगतान के लिए राशि जारी की।

सरकार ने कर्मचारी संगठनों को आश्वस्त किया है कि हर महीने कम से कम 700 करोड़ रुपए के लंबित बकाया का भुगतान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिबद्धता के तहत पिछले वर्ष जून के अंत में 183 करोड़ जारी किए गए थे।

इसके बाद अगस्त से हर महीने न्यूनतम 700 करोड़ की राशि जारी की जा रही है। जारी की गई राशि में ग्रेच्युटी, सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ), सरेंडर अवकाश नकदीकरण तथा विभिन्न अग्रिम भुगतान शामिल हैं। सरकार के इस कदम से राज्य कर्मचारियों को लंबित भुगतानों से राहत मिलने की उम्मीद है।

माओवादी नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से भेंट की

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाल में ही आत्मसमर्पण करने वाले छह माओवादी नेताओं ने सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले समर्पित माओवादी नेताओं में थिप्पिरी तिरुपति उर्फ़ देवजी, मल्ला राजीर रेड्डी उर्फ़ संग्राम, पुल्लरी प्रसाद राव उर्फ़ चंद्रन्ना, पोटुला कल्पना उर्फ़ सुजाता, बड़े चोक्का राव उर्फ़ दामोदर और नूने नरसिंह रेड्डी उर्फ़ गंगन्ना शामिल रहे। इस बैठक में सरकार के सलाहकार के. केशव राव, वेम नारेंदर रेड्डी, सरकारी मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी शिवधर रेड्डी, एडीजी इंटेलिजेंस विजय कुमार और एसआईबी के आईजी सुमति भी उपस्थित थे।

बेटे ने माता-पिता की हत्या के बाद की आत्महत्या

तेलुगु परिवार के इकलौते बेटे का खौफनाक कदम

रियाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में गुरुवार को एक बेहद दुखद घटना सामने आई। एक तेलुगु परिवार के इकलौते बेटे ने कथित रूप से अपने माता-पिता की हत्या करने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मृतक दंपती की पहचान गली रवि और श्रीदेवी के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के राजामंड्री के रहने वाले थे। वे कई वर्षों से सऊदी अरब में रह रहे थे। उनके साथ उनका बेटा प्रभाकर भी रहता था, जो एक भारतीय स्कूल में कक्षा 12 का छात्र था। सूत्रों के अनुसार, यह घटना रियाद के हारा इलाके स्थित उनके घर में हुई। बताया जा रहा है कि प्रभाकर ने पहले अपने माता-पिता की हत्या की और बाद में किसी अन्य स्थान पर एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। गली रवि सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे, जबकि उनकी पत्नी श्रीदेवी एक भारतीय स्कूल में शिक्षिका थीं। यह परिवार स्थानीय आंध्र समुदाय के बीच जाना-पहचाना था। घटना से पूरे समुदाय में शोक की लहर है।

जगदगुरु रामानंदाचार्य नरेन्द्राचार्य पादुका दर्शन कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगुरु रामानंदाचार्य नरेन्द्राचार्यजी, दक्षिण पीठ, नाणीजधाम की पादुका का आगमन भाग्यनगर में शनिवार रात्रि हो चुका है । रविवार को श्री तुलजा भवन धर्मशाला, काचीगुडा हैदराबाद में प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक 'पादुका दर्शन महोत्सव' का आयोजन रामानंद सम्प्रदाय, जिला सेवा समिति, हैदराबाद द्वारा किया जायेगा । श्री तुलजा भवन धर्मशाला काचीगुडा में वेद मंत्रों के पाठ के बीच विधिवत पादुका पूजन किया जायेगा । उसके बाद भक्तों के लिए पादुकाओं के दर्शन के लिए रखा जायेगा। पादुका का पूजना गुरु के प्रति विनम्रता, समर्पण और सम्मान का प्रतीक है । गुरु की पादुकाओं में दिव्य शक्ति होती है और उनकी पूजा करने से गुरु का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे आध्यात्मिक प्रगति होती है । रामानंद सम्प्रदाय जिला सेवा समिति, हैदराबाद जिला ने सभी गुरु भक्तों से पादुका दर्शन के इस स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करने का निवेदन किया है।

ओपीटी कार्यक्रम की समीक्षा करेगा अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग

विदेशी छात्रों के अध्ययन के बाद काम करने के नियमों में बदलाव के संकेत

वाशिंगटन, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हजारों विदेशी स्नातकों को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम में अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने पुष्टि की है कि वह वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम की समीक्षा कर रहा है। इससे एफ-1 वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद अमेरिका में काम करने के नियमों में संभावित बदलाव के संकेत मिले हैं। गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने सीनेटर एरिक श्मिट को लिखे पत्र में कहा कि विभाग यह जांच कर रहा है कि मौजूदा ढांचा अमेरिकी श्रम बाजार, कर व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के अनुरूप है या नहीं। अमेरिका में 3 लाख से अधिक भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं और बड़ी संख्या में छात्र डिग्री पूरी करने के बाद ओपीटी पर कार्यरत हैं। नोएम ने कहा कि डीएचएस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आव्रजन कार्यक्रम अमेरिकी श्रमिकों और राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में संचालित हों। उन्होंने विदेशी छात्र वीजा धारकों की बढ़ती संख्या और संभावित जोखिमों का भी उल्लेख किया।

पत्र के अनुसार, यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के अंतर्गत आने वाला छात्र एवं विनिमय आगंतुक कार्यक्रम (एसईवीपी) इन चुनौतियों को समझता है और आवश्यक कदम उठा रहा है। वर्तमान नियमों के तहत एफ-1 वीजा धारक डिग्री पूरी करने के बाद 12 महीने तक अमेरिका में काम कर सकते हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों के छात्रों को 24 महीने का अतिरिक्त विस्तार भी मिलता है। नोएम ने कहा कि ओपीटी कार्यक्रम सीधे किसी कानून के तहत नहीं, बल्कि विनियमों के माध्यम से स्थापित किया गया था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के अनुरूप डीएचएस मौजूदा नियमों का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

डीएचएस ने संकेत दिया है कि वह नियम बनाने की प्रक्रिया के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं में संशोधन का प्रस्ताव लाएगा। इसका उद्देश्य अमेरिकी श्रमिकों को विदेशी नागरिकों से संभावित विस्थापन से बचाना, धोखाधड़ी और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करना और कार्यक्रम की निगरानी क्षमता को मजबूत करना है। इस मुद्दे पर बहस ट्रम्प प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' आव्रजन नीति के तहत रोजगार आधारित वीजा कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा के बीच सामने आई है। भारत सहित कई देशों के लिए इस समीक्षा के बड़े निहितार्थ हो सकते हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र ओपीटी और एसटीईएम विस्तार के जरिए आगे चलकर एच-1बी जैसे दीर्घकालिक वीजा की ओर बढ़ते हैं।

प्रेम विवाह से नाराज साले ने युवक पर किया हमला

मिर्च पाउडर फेंककर चाकू से वार, हालत गंभीर

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को प्रेम विवाह को लेकर एक युवक पर उसके साले और उसके साथियों ने कथित रूप से बेरहमी से हमला कर दिया। पुलिस को संदेह है कि यह सुनियोजित हमला था। पीड़ित की पहचान नेरेडमेट निवासी अजय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने उसे बोम्मलारामराम के पास रामलिंगमपल्ली गांव के बाहरी इलाके में बुलाया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिला के भाई सहित आरोपियों ने पहले अजय पर मिर्च पाउडर फेंका और फिर चाकू से हमला कर दिया। हमले में अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा फाल्गुन मेला आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद काचीगुडा स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्त्वावधान में भव्य फाल्गुन मेला आयोजित हुआ।

इस संदर्भ में, भाग्यनगर हैदराबाद काचीगुडा स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि एकादशी पर आज भाग्यनगर स्थित श्री कांची कामकोटि पीठम श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्याम मंदिर परिसर, में भव्य फाल्गुन मेला आयोजित किया गया।

इस फाल्गुन एकादशी महोत्सव पर, श्री श्याम मंदिर परिसर, काचीगुडा में जिन धार्मिक कार्यक्रमों आयोजन किया गया, उनमें दिव्य दरबार, अद्भुत शृंगार, छप्पन भोग, सुमधुर भजन आदि शामिल हैं। उपरोक्त धार्मिक कार्यक्रम प्रातः 06 बजे से दोप.02

बजे एवं सायं 4 बजे से मध्य रात्रि तक जारी रहा। शुक्रवार को प्रातः 08 बजे से श्री श्याम निशानों का भव्य स्वागत किया गया। इस शुभावसर पर भजन प्रस्तुतकर्त्ता करने वाले श्याम , कराने वाले श्याम प्रभुदयाल पंच परिवार, टिब्बा बसई वाले बने। श्री श्याम बाबा की आरती रात्रि 12.00 बजे की गयी।

इस शुभावसर पर, प्रमुख भजनकर्ताओं जैसे, ध्रुव शास्त्री-वृन्दावन, प्रमोद त्रिपाठी-मुंबई, तत्शा गुप्ता -रांची द्वारा समधुर भजन प्रस्तुत किए गए। इस भव्य कार्यक्रम में बडी संख्या में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, दानदाताओं व श्याम भक्तों ने श्री श्याम बाबा के विशेष शृंगार के दर्शन किए तथा समधुर भजन-कीर्तन एवं प्रसाद का लाभ लिया।

तेलंगाना बना देश का पहला पूर्ण डिजिटल बस पास

मी सेवा के जरिए अहम भूमिका

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री डी . श्रीधर बाबू के नागरिक सेवाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। तेलंगाना में मी सेवा संचालित 'मी टिकट' प्लेटफॉर्म ने शुक्रवार को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) को अपने एकीकृत डिजिटल टिकटिंग सिस्टम से जोड़ दिया। इसके साथ ही तेलंगाना सरकारी मोबाइल एप के माध्यम से बस पास जारी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। अब तक इस प्लेटफॉर्म पर दो लाख से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं और 2.9 करोड़ रुपये के लेनदेन दर्ज किए गए हैं। मी टिकट, मी सेवा ई-गवर्नेंस ढांचे के अंतर्गत प्रमुख डिजिटल टिकटिंग पहल है। इसके माध्यम से यात्री सिटी बस पास और इंटरसिटी टिकट के लिए आवेदन, भुगतान और प्राप्ति पूरी तरह मोबाइल एप से कर सकते हैं। इसके लिए डिपो या काउंटर पर जाने की आवश्यकता नहीं है। टीजीएसआरटीसी द्वारा निर्धारित किराए या पास शुल्क के अतिरिक्त कोई अतिरिक्त बुकिंग शुल्क नहीं लिया जाता। एक 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने बताया, पहले हर महीने पास नवीनीकरण के लिए एक घंटे लाइन में खड़ा रहना पड़ता था। अब दो मिनट में मोबाइल से काम हो जाता है।

एक अन्य छात्रा ने कहा कि क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पास कागजी पास से अधिक सुरक्षित है। प्रत्येक डिजिटल पास में डायनेमिक क्यूआर कोड, लाइव वैधता संकेतक और स्क्रीनशॉट ब्लॉकिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जिससे पास की नकल या दुरुपयोग रोका जा सके। बस कंडक्टर ऑनबोर्ड तुरंत सत्यापन कर सकते हैं, जिससे जांच प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनती है। ऐप के माध्यम से ही नवीनीकरण की सुविधा उपलब्ध होने से राज्य के 221 डिपो और 190 सेवा केंद्रों पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलीवरी आयुक्त टी. रवि किरण ने कहा कि यह पहल पारदर्शी, सुगम और नागरिक-केंद्रित परिवहन व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है।

किसानों ने केसीआर की वापसी की उठाई मांग

मुखरा (के) गांव में गेहूं से किया आदमकद पोस्टर का अभिषेक

आदिलाबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों ने तेलंगाना में कृषि क्षेत्र में सुधार और मौजूदा चुनौतियों के समाधान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की सत्ता में वापसी की मांग की है। शुक्रवार को इचोडा मंडल के आदर्श गांव मुखरा (के) में किसानों ने राव के आदमकद फ्लेक्स पोस्टर का गेहूं से अभिषेक किया और किसानों के कल्याण के लिए उनकी योजनाओं की सराहना की। किसानों का कहना है कि उनके नेतृत्व में ही कृषि क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि संभव है। किसानों ने रायथु भरोसा योजना के वितरण में देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि फसल खराब होने और उत्पादों को उचित मूल्य न मिलने से वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

किसानों ने कहा, हमें राव का शासनकाल आज भी याद है। वे समय पर लाभ पहुंचाते थे। हम तेलंगाना में फिर से उनका शासन चाहते हैं।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में होली महोत्सव के अवसर पर हर्ष के दोहटन कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक गवरीबाई-पुनाराम परिहार, ललितादेवी, कमलेश परिहार, अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति उपाध्यक्ष वोराराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, पूर्व उपाध्यक्ष ओकाराम सोलंकी, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सहसचिव कविता सोलंकी, सलाहकार मंजू सोलंकी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/08/2026 दि.25-02-2026 PUB/2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथिनुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-ई-09-उत्तर-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः गोदावरी पुष्करम्स -2027 —कोव्वुर, गोदावरी & राजमंड्री स्टेशनों पर होल्डिंग एरियाज, शौचालयों, वाटरिंग आरेंजमेन्ट्स हेतु स्थायी & अस्थायी व्यवस्थाएं।

(अम्ब्रेला वर्क परियोजना आयडीः 11.06.53.25.3.55.017 वर्ष 2025-26)-- कोव्वुर, गोदावरी & राजमंड्री स्टेशनों पर सडक कार्य का प्रावधान।

कार्य पूरा करने की अवधिः 09 (नौ महिने), निविदा मूल्य रु.4,78,66,496.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,89,300.00, बंद करने की तिथिः 20-03-2026

क्रम सं.2, निविदा सं.-ई-10-उत्तर-बीजेडए-2026, कार्य विवरणः कार्य का नामः गोदावरी पुष्करम्स -2027 —कोव्वुर, गोदावरी & राजमंड्री स्टेशनों पर होल्डिंग एरियाज, शौचालयों, वाटरिंग आरेंजमेन्ट्स हेतु स्थायी & अस्थायी व्यवस्थाएं।

(अम्ब्रेला वर्क परियोजना आयडीः 11.06.53.25.3.55.017 वर्ष 2025-26)-- कोव्वुर, गोदावरी & राजमंड्री स्टेशनों पर सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान।

कार्य पूरा करने की अवधिः 09 (नौ महिने), निविदा मूल्य रु.2,61,92,998.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,81,000.00, बंद करने की तिथिः 20-03-2026

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें।

यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), द.म. रेलवे, विजयवाडा कार्यालय स्थित नोटिस बोर्ड पर एवम् विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन उप -विभागीय कार्यालयों पर भी प्रदर्शित की गयी है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

-विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

निविदा सं. जीटीएल-इएम-78-2025-26 दि.25-02-2026 PUB/2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-78-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः रायचूर-यथावत रूप से मौजूदा एच.एल. प्लेटफार्म हटाते हुए रायचूर गूड्स शेड के उन्नयन हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.70,61,086.20

बंद करने की तिथि व समयः 20-03-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को मुफ्त में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।/निविदा सूचना/2025-26, दि.25-02-2026 PUB/2027

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियंता, को-आर्ड. नांदेड, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-टी-202526-3-114, प्राधिकरणः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु.2,12,92,726.36, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,56,500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः मनमाड-मुदखेड-टीबीआऱ-40.550 टीकेएम, टीबीआऱ (टीओ)-76 सेट्स (संलग्नक के रूप में संलग्न अनुमोदित स्थान), निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम सं.2, निविदा सं.-टी-202526-2-115, प्राधिकरणः को-आर्ड., निविदा मूल्य रु.16,50,25,139.04, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.9,75,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनःएसएसइ/पीवे/एनइडी क्षेत्राधिकारः विभिन्न याड्र्स (सीआरयु, एलबीजी, एनइडी, एमटीडीआय &एमजीसी-5 याड्र्स) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार व उन्नयन कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु शून्य

क्रम सं.1, निविदा सं.-टी-202526-3-114, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)- ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेल ट्रैक कार्य।

क्रम सं.2, निविदा सं.-टी-202526-2-115, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

उपरोक्त निविदा दि.20-03-2026 के 15.00 बजे बंद होगी।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

निविदा सूचना सं. 42-2025-26_एसआर_डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि. 26-02-2026 PUB/2028

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा **निविदा सं.** 42-2025-26_एसआर_डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि. 26-02-2026 के प्रति, बंद करने की तिथिः 20-03-2026, 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बिड्डर्स या बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि एवम् समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शनः निम्न 11 मानवनिर्मित लेवल क्रासिंग गेट्स को हटाना —(1). पीएएसआर तथा जीडब्ल्यूडी स्टेशनों के बीच किमी 56/0-100 पर एलसी नं. 05, (2) एसएचएनआर तथा बीएबीआर स्टेशनों के बीच किमी 69/0-100 पर एलसी नं.33, (3) एमबीएनआर तथा एमक्यूएन स्टेशनों के बीच किमी 122/200-300 पर एलसी नं. 65, (4) एमबीएनआर तथा एमक्यूएन स्टेशनों के बीच किमी 126/500-600 पर एलसी नं. 68, (5) एमबीएनआर तथा एमक्यूएन स्टेशनों के बीच किमी 126/500-600 पर एलसी नं.77, (6) डीकेसी तथा केक्यूक्यू स्टेशनों के बीच किमी 141/900-142/0 पर एलसी नं. 76, (7) केक्यूक्यू —डब्ल्यूपीआऱ स्टेशनों के बीच किमी 152/500-600 पर एलसी नं.83, (8) डब्ल्यूपीआर --एसआरएनआर स्टेशनों के बीच किमी 169/0-100 पर एलसी नं.92, (9) एसआरएनआर --जीडब्ल्यूडी स्टेशनों के बीच किमी 180/0-100 पर एलसी नं.96, (10) केआरएनटी --डीयुयु स्टेशनों के बीच किमी 253/100-200 पर एलसी नं.138, (11) डीयुयु-वीडीआय स्टेशनों के बीच किमी 258/600-700 पर एलसी नं.141-बिजली टीआरडी व्यवस्थाएं। विज्ञापित निविदा मूल्य रु.49,19,588.80, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 98,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, **बंद करने की तिथिः 20-03-2026**

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने का नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/हैदराबाद

निविदा सूचना सं. 43-2025-26_एसआर_डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि. 26-02-2026 PUB/2029

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं. 43_2025-26_एसआर_डीईई_टीआरडी_एचवायबी, दि. 26-02-2026, बंद करने की तिथिः20-03-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बिड्डर्स या बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि एवम् समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युअल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शनः1. एमओबी-एमइडी स्टेशनों के बीच किमी 582/300-400 पर एलसी नं. 240 के स्थान पर आरयुबी का निर्माण करना। 2. एमओबी-एमइडी स्टेशनों के बीच किमी 583/700-800 पर एलसी नं. 241 के स्थान पर आरयुबी का निर्माण करना। 3. एमइ-एमओबी स्टेशनों के बीच किमी 575/700-800 पर एलसी नं. 238 के स्थान पर आरयुबी का निर्माण करना। 4. डब्ल्यूडीआर--एमइ स्टेशनों के बीच किमी 559/600-700 पर एलसी नं. 231 के स्थान पर आरयुबी का निर्माण करना। 5. एमजेडएल-डब्ल्यूडीआर स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 550/300-400 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.225 को हटाना। 6. टीएमडी-बीकेयु स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 528/700-800 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.216 को हटाना। 7. युपीडब्ल्यू-केएमसी स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 504/400--500 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.207 को हटाना। 8. एनवीटी-जेकेएम स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 446/750-800 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.189 को हटाना। 9. एनवीटी-जेकेएम स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 448/800-850 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.189ए को हटाना। 10. बीएसएक्स-एनवीटी स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 444/250--300 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.187 को हटाना। 11. डीएबी-बीएसएक्स स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 422/100-150 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.180 को हटाना। 12. जेकेएम-बीडीएचएन स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए किमी 5/550--550 पर मानवनिर्मित क्रासिंग गेट नं.4/जेबी को हटाना- बिजली टीआऱडी व्यवस्थाएं।

विज्ञापित निविदा मूल्य रु.56,37,620.34, पूर्व धरोहर राशि रु.1,12,800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बंद करने की **तिथिः 20-03-2026**

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

A2569 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/हैदराबाद**

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWAT ENGG2026008, दिनांक : 12.02.2026

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में उर्लाम-श्रीकाकुलम स्टेशन के बीच कि.मी. 740/35-37 पर मानवयुक्त समपार को बंद करने के बदले में RE वॉल सहित 1X42.0M + 2X30.0M CG + 9X24.0M RCC T-बीम स्पैन के साथ रोड ओवर ब्रिज 422 का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 53,29,53,817.02, **EMD :** ₹ 28,14,800/-, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.03.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगी।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को उनके लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-282/CI/25-26

पूर्व तट रेलवे

स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (STBA) की नियुक्ति

सूचना सं. WCE/UTS/STBA/Notification/WAT/2026/1, दिनांक : 28.02.2026

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में बयालीस (42) 'NSG-6', एक (01) 'NSG-5' एवं एक (01) 'NSG-4' वर्ग के स्टेशनों में **कमीशन के आधार पर** अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (UTS) के जरिए अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु **"स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट" (STBA)** के रूप में चयन एवं नियुक्ति के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले इच्छुक व्यक्ति उल्लेखित प्रारूप के अनुसार विधिवत रुप से भरे हुए आवेदन पत्र में वांछित स्व-अनुप्रमाणित कागज़ संलग्न कर के उसे एक मुहरबंद कवर में रख कर **वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर मण्डल (वाणिज्य शाखा, मण्डल रेलवे प्रबंधक कार्यालय बिल्डिंग, विशाखापट्टनम)** के पते पर रखा हुआ मुहरबंद बॉक्स में आवेदन पत्र जमा करा सकते हैं। **आवेदन जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 23.03.2026 को 1600 बजे तक।** निर्धारित तिथि के बाद पहुंचने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

STBA की नियुक्ति के लिए प्रस्तावित स्टेशन

NSG-4 वर्ग के स्टेशन (24 घंटे आधार पर 1 वर्ष की समयावधि के लिए) : अरकु।

NSG-5 वर्ग के स्टेशन (24 घंटे आधार पर 3 वर्ष की समयावधि के लिए) : गुणुपूर।

NSG-6 वर्ग के स्टेशन (24 घंटे आधार पर 3 वर्ष की समयावधि के लिए): कंटकापल्लि, गोटलम, गरुडबिल्लि, कुनेरु, लड्डा, केउटगुडा, सिकरपाई, भालूमास्का, लीलीगुम्मा, राउलि, सिंगाराम, बाईगुड़ा, मल्लीवीडु, बोड्डवारा, चिमिडिपल्ली, शिमिलिगुडा, गोरापुर, सुकु, मानाबार, जरति, मालिगुड़ा, छतरिपुट, धनपुर, खड़पा, कोटपाड रोड, अम्बागांव, अमागुड़ा, नकटी सेमरा, कुम्हारमारेंगा, तोकापाल, बड़े आरापुर, डिलमिली, सिलकझोड़ी, कुम्हारसोडरा, काकलूर, कवारगांव, डाबपाल, गीदम, दंतेवाड़ा, कमलुर, भान्सी, बचेली।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि व समय : दिनांक 23.03.2026 को 1600 बजे।

आवेदन खुलने की तिथि व समय : दिनांक 23.03.2026 को 1630 बजे।

सामान्य नियम और शर्तों तथा आवेदन प्रारूप के लिए कृपया वेबसाइट : **www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें अथवा वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर मण्डल, दोण्डापार्ति, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, विशाखापट्टनम से संपर्क करें।

PR-1179/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

भारत को यह गलती पड़ न जाए भारी !

ऐसा हुआ तो बिना जीते भी सेमीफाइनल में पहुंचेगा वेस्टइंडीज, क्या हैं समीकरण?

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां) टी20 विश्वकप 2026 अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच चुका है। सेमीफाइनल के लिए जंग रोमांचक हो चली है। भारत के जिम्बाब्वे को हराते ही दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतिम-चार में पहुंच गई। वहीं, इंग्लैंड की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब दो स्थानों के लिए जंग है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच एक मार्च को कोलकाता में नॉकआउट मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, दूसरे स्थान के लिए न्यूजीलैंड और पाकिस्तान में टक्कर है। अगर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को इंग्लैंड को हरा दिया तो उनकी सीट पक्की हो जाएगी। वहीं, इस मैच में अगर इंग्लैंड जीता तो पाकिस्तान के लिए भी रास्ते खुल जाएंगे। फिर उन्हें एक तय मार्जिन से अपने आखिरी सुपर-8 मैच में श्रीलंका को हराना होगा। हालांकि, इन सबके बीच एक समीकरण ऐसा भी है, जिससे भारत को खतरा है। अगर ऐसा हुआ तो वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ जीत हासिल करने की जरूरत नहीं होगी, बिना जीते ही कैरिबियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

भारत ने की बहुत बड़ी गलती

दरअसल, भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में एक बहुत बड़ी गलती की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम ने बल्लेबाजी तो सुधारी, लेकिन गेंदबाजी फीकी पड़ गई। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन बना दिए, लेकिन कागज पर कमजोर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी को भारतीय गेंदबाज जल्द से जल्द समेटने में कामयाब नहीं हो सके। भारत के 257 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में छह विकेट पर 184 रन बना डाले। टीम इंडिया ने यह मैच 72 रन से जरूर जीता, लेकिन नेट रन रेट अभी भी निगेटिव ही है। भारत -3.80 से -0.100 तक पहुंच पाया।

भारत के पास नेट रन रेट बेहतर करने का मौका था

यह एक ऐसा मैच या फिर यूं कहें 256 का स्कोर एक ऐसा स्कोर था, जहां भारत को अपना नेट रन रेट बेहतर करने का मौका था। अगर भारतीय टीम जिम्बाब्वे को जल्द से जल्द समेटती तो नेट रन रेट वेस्टइंडीज के आसपास करने का मौका था। ऐसा इसलिए क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। इससे वेस्टइंडीज का नेट रन रेट +5.35 से गिरकर +1.791 हो गया। 100+ रन से जीत भारत को नेट रन रेट में वेस्टइंडीज के आसपास ले जा सकती थी।

क्यों यह चूक पड़ सकती है भारी ?

यह तो तय है कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में एक मार्च को जो जितेगा, वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। पर अगर बारिश ने खलल डाला और मैच धुला तो भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। बारिश से बाधित मैच में डकवर्थ लुईस नतीजे के लिए दोनों पारियों में कम से कम पांच-पांच ओवर का खेल जरूरी है। हालांकि, ऐसा संभव नहीं हो पाया और पूरे मैच में बारिश हुई और खेल नहीं हो पाया तो वेस्टइंडीज बेहतर नेट रन रेट के दम पर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगा। इस मैच के लिए कोई रिजर्व डे भी नहीं है। वेस्टइंडीज को मैच खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। दोनों टीमों को एक-एक अंक जरूर मिलेंगे, लेकिन नेट रन रेट नहीं बदलेगा और बेहतर नेट रन रेट के साथ वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका के साथ अंतिम-चार में पहुंच जाएगा। यह टीम इंडिया के लिए चिंताजनक है।

क्यों जल्दी न आउट करना चूक है?

भारत ने शिवम दुबे से जबरदस्ती दो ओवर करवाए, जबकि जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या के एक-एक ओवर बाकी थे। इन दो ओवरों में शिवम दुबे ने 46 रन खर्च कर दिए। उन्हें एक विकेट जरूर मिला, पर टीम मैनेजमेंट का यह फैसला समझ से परे था। जहां टीम इंडिया को रन रोकने थे, वहां जबरदस्ती रन लुटाए गए। अगर यही दो ओवर हार्दिक और बुमराह से कराए जाते तो हो सकता था कि सिर्फ 10-15 रन बनते और भारत की जीत 100+ रन की होती। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। टीम इंडिया को इतने बड़े स्कोर के बाद जिम्बाब्वे पर दबाव बनाना चाहिए था, जैसा वेस्टइंडीज ने किया था और 254 के जवाब में 147 रन पर जिम्बाब्वे की पारी को समेट दिया था। तब वेस्टइंडीज ने 107 रन से जीत हासिल की थी और उनका नेट रन रेट +5.35 हो गया था। 110 या 120 रन से जीत भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के मौजूदा नेट रन रेट के करीब या उसके पार ले जा सकती थी। भारत और वेस्टइंडीज , दोनों के अंक फिलहाल दो-दो हैं।

क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता का निधन

नोएडा से अलीगढ़ पहुंचा शव

मंगेतर प्रिया सरोज 3 दिन से अस्पताल में साथ थीं

अलीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का शुक्रवार सुबह करीब 4.36 बजे निधन हो गया। वे 60 साल के थे। उन्हें फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर था। कुछ दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें अलीगढ़ से ग्रेटर नोएडा के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। वहां उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। पार्थिव शरीर को अलीगढ़ ले आया गया है। यहीं पर अंतिम संस्कार होगा। रिंकू भी चेन्नई से अलीगढ़ घर पहुंच गए हैं। इससे पहले, पिता की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही रिंकू सिंह मंगलवार को टीम इंडिया का साथ छोड़कर नोएडा पहुंचे थे। उन्हें टी-20 विश्वकप का प्रैक्टिस सेशन छोड़ना पड़ा था। 25 फरवरी को रिंकू चेन्नई लौट गए थे और टीम के साथ जुड़ गए थे। हालांकि, 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए सुपर-8 के मैच में वे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। वे सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर फील्डिंग कर रहे थे।

रिंकू की मंगेतर और मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज ने फोन पर दैनिक भास्कर से बात की। बताया- प्रिया कई दिनों से रिंकू के परिवार के साथ हैं। हम भी रात में गए थे। वापस आते वक्त रास्ते में निधन की सूचना मिली।

मेसी का खुलासा–स्पेन से खेलने का ऑफर ठुकराया

अंग्रेजी न सीख पाने का आज भी मलाल, भाषा की कमी से कई बड़े लोगों से खुलकर बात नहीं कर सका

मैक्सिको, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने करियर और निजी जीवन से जुड़े कई अहम पहलुओं पर खुलकर बात की है। एक मैक्सिकन पॉडकास्ट के दौरान मेसी ने स्वीकार किया कि बचपन में अंग्रेजी न सीख पाना उन्हें अब भी खलता है। 38 वर्षीय मेसी ने कहा, 'मुझे कई बातों का अफसोस है, लेकिन बचपन में अंग्रेजी न सीखना सबसे बड़ा पछतावा है।

मेरे पास समय था, मैं पढ़ सकता था। करियर के दौरान मुझे दुनिया की कई बड़ी और प्रभावी हस्तियों से मिलने का मौका मिला, लेकिन भाषा की कमी के कारण मैं उनसे खुलकर संवाद नहीं कर सका। मैं ऐसे पलों में खुद को आधा अनजान महसूस करता था। अमेरिका के मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी के लिए खेल रहे मेसी अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा और तैयारी के महत्व के बारे में लगातार समझाते हैं। मेसी 13 साल की उम्र में अपने शहर रोसारियो से स्पेन पहुंचे और बार्सिलोना की प्रसिद्ध एकेडमी ला मासिया से जुड़े।

उन्होंने भावुक होकर याद किया, 'पूरा मोहल्ला हमें एयरपोर्ट छोड़ने आया था। वे लियो मेसी को नहीं, बल्कि मेसी परिवार को विदा कर रहे थे।' स्पेन में उनका पहला साल बहुत कठिन था। ट्रांसफर नियमों के कारण वे छह महीने तक नहीं खेल पाए और जब खेलने का मौका मिला, तो चोटिल होकर 3 महीने के लिए बाहर हो गए थे। स्पेन में पले-बढ़े और पूरा क्लब करियर वहीं बनाने के कारण मेसी के पास स्पेन की नेशनल टीम से खेलने का विकल्प भी था। उस समय स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने उन्हें मनाने की कोशिश की। लेकिन मेसी ने साफ किया कि उनके मन में कभी भ्रम नहीं था। उनका दिल हमेशा अर्जेंटीना के साथ था। करियर के कठिन दौर में जब अर्जेंटीना बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था, तब कुछ आलोचकों ने सवाल उठाए थे कि शायद स्पेन के साथ खेलते तो मेसी ज्यादा ट्रॉफी जीतते।

'खौफ पैदा करना है', मैच के बाद गौतम गंभीर का सख्त संदेश

तिलक वर्मा बोले-हर गेंद पर हमला होगा

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया का इरादा साफ है। सामने कोई भी टीम हो, बल्लेबाजी का अंदाज आक्रामक ही रहेगा। सुपर-8 चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन का स्कोर बनाने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम से एक ही संदेश निकला, 'विपक्षी टीमों में खौफ पैदा करना है।'

मुख्य कोच गौतम गंभीर के स्पष्ट मंत्र और तिलक वर्मा की बेबाक चेतावनी ने साफ कर दिया कि पावरप्ले में विकेट गिरें या दबाव बने, टीम इंडिया अब पीछे हटने वाली नहीं है। लक्ष्य सिर्फ जीत नहीं, बल्कि विपक्षी गेंदबाजों के मन में डर बैठाना है। भारत ने गुरुवार 26 फरवरी 2026 की रात जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'हम बस ऐसा ही प्रदर्शन चाहते थे। हम एक टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर चर्चा की कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी खो दें तब भी आक्रामक अंदाज में ही बल्लेबाजी करेंगे।'

इस संदर्भ में तिलक वर्मा ने संजू सैमसन की प्रशंसा की। रिंकू सिंह के स्थान पर अंतिम एकादश में शामिल किए गए संजू सैमसन ने 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में 48 रन जोड़े। तिलक वर्मा ने कहा, 'जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी आत्मविश्वास बढ़ता है।

संजू ने शानदार शुरुआत की। हमने इसको लेकर चर्चा की थी और हम विपक्षी गेंदबाजों में यह खौफ देखना चाहते हैं कि भारतीय बल्लेबाज हर गेंद पर जोरदार शॉट लगाने के लिए तैयार हैं।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 के अपने पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज बुरी तरह लड़खड़ा गए थे। तिलक वर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे।

संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में लाकर टीम इंडिया ने गेम पलट दिया

अभिषेक शर्मा सेफ हो गए

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम की सलामी जोड़ी इस टी20 विश्व कप 2026 में जूझ रही थी। ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने 4 पारियों में ओपनिंग की और सिर्फ 9 रन जोड़ पाए। ईशान अच्छी फॉर्म में चल रहे थे। इसके बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम में बदलाव किया गया। रिंकू सिंह की जगह संजू सैमसन की प्लेइंग इलेनव में एंट्री हुई और वह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाजी करने उतरे।

पावरप्ले में ऑफ स्पिनर से हो रहा था अटैक

अभिषेक शर्मा और ईशान किशन दोनों ही बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। यही वजह है कि दोनों के ओपनिंग पर आने के बाद विपक्षी टीम ऑफ स्पिनर से अटैक कर रही थी। पाकिस्तान के सलमान अली आगा, नीदरलैंड के आर्यन दत्त और साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम ने पहले ओवर में ऑफ स्पिन बॉलिंग से भारतीय टीम को झटके दिए थे।

संजू के सामने नहीं आया ऑफ स्पिनर

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा भी ऑफ स्पिनर हैं। उन्होंने भी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के खिलाफ पहला ओवर डालने की तैयारी कर रखी होगी लेकिन टीम इंडिया ने पूरा गेम ही पलट दिया। प्लेइंग इलेवन में रिंकू सिंह की जगह संजू सैमसन को मौका दे दिया। संजू सैमसन दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। वह स्पिन को अच्छा खेलते हैं। पावरप्ले में संजू के सामने ऑफ स्पिनर को लगाना खतरे से खाली नहीं है।

अभिषेक शर्मा ने ठोकी फिफ्टी

जिम्बाब्वे की टीम पावरप्ले में ऑफ स्पिनर को मौका ही नहीं दे पाए। पावरप्ले खत्म होने के बाद सिकंदर रजा बॉलिंग के लिए आए और तब ईशान के साथ अभिषेक शर्मा क्रीज पर थे। फील्डिंग खुल चुकी थी और दोनों ने आसानी से स्ट्राइक रोटेट किए और मौका मिलने पर हाथ भी खोले।

पिछले चार मैचों में तीन बार जीरो पर आउट होने वाले अभिषेक शर्मा ने फिफ्टी ठोकी। उन्होंने 30 गेंदों पर 4 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 55 रनों की पारी खेली। इस पारी से आने वाले मैचों के लिए उन्हें काफी आत्मविश्वास मिलेगा।

'बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं'

युवराज सिंह ने की अभिषेक शर्मा की तारीफ

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के अपने दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाया। पूर्व ऑलराउंडर और अभिषेक के मेंटर माने जाने वाले युवराज सिंह ने उनकी पारी की तारीफ की है। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, सबसे अच्छी बातचीत तब होती है जब आप बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक, कोशिश करते रहो। अभिषेक शर्मा जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 के पहले मैच में 15 रन बना सके थे। उनकी खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी थी। अभिषेक की खराब फॉर्म की वजह से भारतीय टीम को हर मैच में खराब शुरुआत मिल रही थी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले अभिषेक को प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप किए जाने की चर्चा भी चल रही थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा करते हुए मौका दिया। अभिषेक ने इस बार निराश नहीं किया। संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने पहले कुछ गेंदें सेट होने के लिए लीं, लेकिन एक बार नजरे जमने के बाद फिर अपने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेली। इस पारी की मदद से भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 विकेट पर 256 रन का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया और विपक्षी टीम को 184 पर रोककर 72 रन से बड़ी जीत हासिल की।

आकिब नबी का रिकॉर्ड 60वां विकेट, कर्नाटक ऑलआउट

रणजी खिताब जीतने के करीब जम्मू कश्मीर

हुबली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी फाइनल में जम्मू और कश्मीर की टीम पहला खिताब जीतने के करीब आ चुकी है। आकिब नबी ने टीम के लिए एक बार फिर घातक बॉलिंग की। क्वार्टर फाइनल में 12 और सेमीफाइनल में 9 विकेट लेने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने फाइनल की पहली पारी में कर्नाटक के 5 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इसकी वजह से जम्मू कश्मीर की टीम पहली पारी में अहम बढ़त बनाने में सफल रही।

आकिब नबी ने 16वीं बार 5 विकेट हॉल लिया

रणजी ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन 29 साल के आकिब नबी ने केएल राहुल और करुण नायर के अलावा स्मरण रविचंद्रन को आउट किया था। चौथे दिन उन्होंने कर्नाटक के लिए शतक लगा चुके मयंक अग्रवाल को आउट किया। इसके बाद शिखर शेट्टी को एलबीडब्ल्यू करके अपने 5 विकेट पूरे किए। उन्होंने 23 ओवर में 54 रन देकर 5 शिकार किए। अपने 41 मैच की फर्स्ट क्लास करियर में उन्होंने 16वीं बार 5 विकेट हॉल लिया है।

रणजी सीजन के सबसे सफल बॉलर बने

आकिब नबी इस रणजी ट्रॉफी सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन गए हैं। 10 मैचों में उनके नाम 60 विकेट हो गए हैं। उन्होंने ये विकेट 12.56 की औसत से रन देकर लिए है। 25 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में उनका औसत सबसे अच्छा है। नबी ने 7 बार पारी में 5 विकेट लिए। उनका बेस्ट प्रदर्शन 24 रन देकर 7 विकेट हैं। नबी ने उत्तराखंड के स्पिनर मयंक मिश्रा (59) को पछाड़ा है। इस तेज गेंदबाजों में उनके बाद सबसे ज्यादा 37 विकेट मोहम्मद शमी के हैं।

अभिषेक को बताया था स्लॉगर, अब तारीफ करते नहीं थक रहे

मोहम्मद आमिर का गजब यू-टर्न

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2026 के दौरान पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अभिषेक शर्मा की काफी आलोचना की है। अभिषेक शुरुआत तीन मैचों में खाता नहीं खोल पाए थे। इसकी वजह से पाकिस्तानी पेसर को बोलने का मौका मिल गया था। चेन्नई जिम्बाब्वे खिलाफ अहम मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए विस्फोटक फिफ्टी ठोक दी। इस पारी के बाद मोहम्मद आमिर अभिषेक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मोहम्मद आमिर पाकिस्तान चैनल पर अभिषेक की पारी के बारे में बात करते हुए कहा, 'उसके लिए अच्छा है कि फॉर्म में सही टाइम पर आया लेकिन आगे भी उनका बड़ा अहम मैच है टू और डाई वाला मैच है। आप आज उनकी बैटिंग देखें तो उन्होंने वेट किया है बॉल का। आज लेग साइड में शॉट लग रहे थे, सामने लग रहे थे और ऑफ साइड में भी लग रहे थे। मैच के समय रवि शास्त्री भी कह रहे थे कि यह बैलेंस रहकर गेंद को टाइम करने की कोशिश कर रहा है। न कि हर गेंद जोर से मारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने वीडियो भी दिखाई प्रैक्टिस की, जिसमें वह लाइन में आकर सीधा खेल रहे हैं।'

अभिषेक शर्मा ने टूर्नामेंट के शुरुआत तीन मैचों में तीन बार डक हुए थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 15 रन तो बनाए लेकिन क्रीज पर जूझते हुए नजर आ रहे थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ आउट होने से पहले 55 रनों की पारी खेली। उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों का सामना किया और 4 चौकों के अलावा चार ही छक्के भी मारे। पहले विकेट के लिए सिर्फ 22 गेंद पर संजू सैमसन के साथ अभिषेक ने 48 रन जोड़कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

राज्यपाल व मंत्री ने जीआई हस्तशिल्प से सुसज्जित बसों को हरी झंडी दिखाई

जीआई ऑन व्हील्स: ने बसों पर विरासत प्रदर्शनी की शुरुआत की

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश में अपनी तरह की पहली पहल के रूप में जीआई ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारंभ आज हैदराबाद के महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी तथा हैदराबाद की जिला कलेक्टर हरि चंदना दासरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनता के बीच भौगोलिक संकेतक (जीआई) से टैग की गई कला रूपों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें व्यापक रूप से प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने कहा कि एक युवा राज्य के रूप में तेलंगाना को अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करना चाहिए। संस्कृति को समाज की आत्मा बताते हुए उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक जागरूकता के बिना सतत विकास संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी पहलें युवाओं को पारंपरिक कलाओं की ओर प्रेरित करेंगी और कारीगरों को व्यापक पहचान दिलाएंगी। परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह कार्यक्रम माननीय राज्यपाल की दूरदर्शी पहल का परिणाम है।

उन्होंने दोहराया कि सरकार जीआई उत्पादों के प्रचार, विपणन और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास ग्रामीण कारीगरों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करेंगे और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीजीएसआरटीसी इस पहल को पूरे राज्य में लागू करने और विस्तार देने में पूर्ण सहयोग देगा।कार्यक्रम के अंतर्गत तेलंगाना के छह प्रमुख जीआई-टैग हस्तशिल्पों को बसों पर कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया है, जिनमें पोचमपल्ली इकत, वारंगल दरी (कालीन), करीमनगर सिल्वर फिलिग्री, नारायणपेट साड़ियाँ, चेरीयाल स्क्रॉल पेंटिंग्स और निर्मल पेंटिंग्स शामिल हैं। ये कला रूप तेलंगाना के कारीगरों की दक्षता और शिल्पकला का प्रतिनिधित्व करते हैं और अब सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से शहरों और गांवों तक व्यापक पहचान प्राप्त करेंगे। मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रचार का एक रचनात्मक मंच बनाना है।टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नागी रेड्डी ने कहा कि यह पहल तेलंगाना की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती है और माननीय राज्यपाल की प्रेरणा से शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि बसों पर जीआई कला का प्रदर्शन संस्कृति को लोगों के और निकट लाएगा तथा कारीगरों को प्रोत्साहित करेगा। बसों पर प्रदर्शित डिज़ाइन जवाहरलाल नेहरू आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स विश्वविद्यालय (जेएनएएफएयू) के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार और स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। जीआई मान्यता दिलाने में योगदान देने वाले शुभजीत साहा को भी सम्मानित किया गया। छहों जीआई शिल्पों का प्रतिनिधित्व करने वाले कारीगरों को भी सम्मानित किया गया। इसके पश्चात राज्यपाल, मंत्री, जिला कलेक्टर और टीजीएसआरटीसी के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जीआई हस्तशिल्पों से सुसज्जित विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भौगोलिक संकेतक (जीआई) एक सामूहिक बौद्धिक संपदा अधिकार है, जो किसी उत्पाद को उसकी विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति, विशेष गुणों, कौशल और परंपराओं के आधार पर पहचान देता है। वर्तमान में तेलंगाना के पास 18 जीआई-टैग उत्पाद हैं। जीआई मान्यता पारंपरिक कलाओं और विरासत के संरक्षण, नक़ल की रोकथाम, कारीगरों को पहचान दिलाने और स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें कार्यकारी निदेशक राजशेखर और खुश् शाह खान, क्षेत्रीय प्रबंधक शीलता और सुधा परिमला, जेएनएएफएयू के प्रतिनिधि, कारीगर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जीएचएमसी कमिश्नर से ज़ोनल कमिश्नर मंदा मकरंद ने मुलाकात की

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्र नगर के ज़ोनल कमिश्नर के रूप में कल पदभार ग्रहण करने वाले मंदा मकरंद ने शनिवार को जीएचएमसी कमिश्नर आर. वी. कर्णन से हेड ऑफिस में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। नवीन रूप से जिम्मेदारी संभालने वाले मंदा मकरंद को कमिश्नर ने शुभकामनाएँ दीं। राजेंद्र नगर ज़ोन में प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों, स्वच्छता तथा अन्य विषयों पर चर्चा की गई। विकास कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने तथा स्वच्छता गतिविधियों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर कमिश्नर ने राजेंद्र नगर ज़ोनल कमिश्नर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दो वर्षों में सात पुल और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा : सज्जनार

सीपी ने स्टील पुल निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में भविष्य में यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए शुरू किए गए 'हैदराबाद सिटी नवोन्मेषी एवं रूपांतरणीय आधारभूत संरचना' परियोजना के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त, हैदराबाद वी.सी. सज्जनार ने शुक्रवार को बंजारा हिल्स मार्ग संख्या 2 पर मुग्धा चौराहा में चल रहे स्टील पुल निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, महानगर पालिका निगम और मेघा अभियंत्रण के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थल का जायजा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने बताया कि इन कार्यों का उद्देश्य शहर में सिग्नल-मुक्त सड़क नेटवर्क स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में कुल सात पुल और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा, विशेष रूप से के.बी.आर. पार्क के आसपास यातायात को बिना रुकावट सुनिश्चित करने के लिए।

उन्होंने समझाया कि यह निर्माण कार्य चरणबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से महानगर पालिका निगम, राज्य सरकार और पुलिस विभाग के समन्वय में किया जा रहा है ताकि जनता को न्यूनतम असुविधा हो। इसी पहल के तहत, मुग्धा चौराहा से के.बी.आर. पार्क की ओर जाने वाले मार्ग पर छह स्तंभों का निर्माण कार्य शुक्रवार रात से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य मुख्यतः रात के समय किए जाएंगे ताकि दिन के समय यातायात में बाधा न आए। नींव कार्य पूरे होने तक मार्ग पर थोड़ी असुविधा हो सकती है, उसके बाद वाहन यातायात सामान्य रूप से चलेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर के.बी.आर. पार्क के आसपास का क्षेत्र पूरी तरह सिग्नल-मुक्त चौराहों में परिवर्तित हो जाएगा, जिससे शहर के मध्य, पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में यातायात सुगम और तीव्र होगा। निर्माण कार्यों के दृष्टिगत संबंधित मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे, और उन्होंने वाहन चालकों से अग्रिम यात्रा योजना बनाने की अपील की।

उन्होंने जनता से अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का अनुरोध किया। कार्य प्रारंभ होने के पहले दो-तीन दिनों के अनुभव के आधार पर आवश्यक मार्ग संशोधन किए जाएंगे और समय-समय पर अपडेटेड यातायात निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों और वाहन चालकों से सहयोग की अपील की ताकि शहर के समग्र विकास के लिए इन कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके। इस कार्यक्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस, संयुक्त पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) एस.एम. विजय कुमार, यातायात डीसीपी काजल, जुबली हिल्स डीसीपी रामना रेड्डी, महानगर पालिका निगम के वरिष्ठ अधिकारी और मेघा अभियंत्रण के प्रतिनिधि रामबाबू और सुधाकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कठिन समय में सहकर्मी के परिवार के साथ खड़ा होना सराहनीय कदम : जूपल्ली

मंत्री ने सौम्या के परिजनों को चेक सौंपा

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ड्यूटी के दौरान शहीद हुई एक्साइज कॉन्स्टेबल सौम्या के परिवार के समर्थन में एक्साइज विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मानवीय पहल करते हुए अपनी एक दिन की पेंशन दान की। कुल 2.80 लाख रुपये का चेक शुक्रवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में राज्य के आबकारी, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने सौम्या के परिजनों को सौंपा।

मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि कठिन समय में सहकर्मी के परिवार के साथ खड़ा होना सराहनीय कदम है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार पहले ही सौम्या के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर चुकी है तथा उनके भाई को सरकारी नौकरी दी गई है। मंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों की रोकथाम में एक्साइज कर्मियों की भूमिका अहम है और सरकार उनके साथ हर समय खड़ी है। राज्य में गांजा और अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यक्रम में एक्साइज रिटायर्ड एम्प्लॉइज एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकुंद रेड्डी, प्रतिनिधि विष्णु स्वरूप रेड्डी, निजामाबाद के डिप्टी कमिश्नर सोमिरेड्डी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। मंत्री जूपल्ली ने बताया कि एक्साइज विभाग में लंबे समय से लंबित तबादलों की प्रक्रिया को एक सप्ताह के भीतर पूरा किया जाएगा। लगभग 2,500 कॉन्स्टेबल्स के तबादले पहले चरण में किए जाएंगे, इसके बाद अन्य पदों पर तैनात अधिकारियों के स्थानांतरण चरणबद्ध तरीके से होंगे। नागरकर्नूल जिले में कुम्मेरा मल्लिकार्जुन स्वामी जातरा के दौरान एक बच्चे की मौत पर मंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दी जाएगी। मामले में तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना को देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए प्रमुख गंतव्य बनाने हेतु आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। नई पर्यटन नीति के तहत वॉटर स्पोर्ट्स, ईको और वेलनेस टूरिज्म पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यटन स्थलों तक जाने वाली सड़कों पर सूचना पट्टिकाएं भी लगाई जा रही हैं, ताकि पर्यटकों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।

रेलवे प्रशासन में मध्यस्थता का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण- संजय श्रीवास्तव

रेलवे में विवाद निपटान : मध्यस्थता पर विशेष फोकस विषय पर व्याख्यान

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की सतर्कता शाखा ने अपनी क्षमता-विकास पहल फोर्टिफाई लेक्चर सीरीज़ के अंतर्गत शुक्रवार को रेल निलयम स्थित समन्वय कॉन्फ्रेंस हॉल में रेलवे में विवाद निपटान : मध्यस्थता पर विशेष फोकस विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। यह इस शृंखला का छठा सत्र था, जो संस्थागत ज्ञान को सुदृढ़ करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गुंटूर मंडल की मंडल रेल प्रबंधक सुदेशना सेन (आईआरएएस) ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुभव के आधार पर रेलवे में विवाद निपटान तंत्र, विशेषकर मध्यस्थता की व्यावहारिक उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार शीवास्तव, अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी आशीष मेहरोत्रा सहित मुख्यालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विजयवाड़ा, गुंतकल, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों सहित सभी छह मंडलों एवं तीन कार्यशालाओं के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े, जिससे पूरे ज़ोन में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हुई। महाप्रबंधक संजय कुमार शीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि रेलवे प्रशासन में मध्यस्थता का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि रेलवे में होने वाले अनेक संविदात्मक विवादों का निपटान इसी माध्यम से किया जाता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती परियोजनाओं और जटिल अनुबंधों के मद्देनज़र अधिकारियों के लिए नवीनतम कानूनी प्रावधानों की जानकारी आवश्यक है। साथ ही, उन्होंने 'मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996' में 2015, 2019 और 2021 में किए गए संशोधनों की व्यावहारिक समझ पर बल दिया। व्याख्यान के दौरान सुदेशना सेन ने मध्यस्थों की नियुक्ति प्रक्रिया, कार्यवाही संचालन, वैधानिक समय-सीमा तथा विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं अनुशासित प्रक्रिया का पालन प्रभावी और त्वरित विवाद निपटान के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने रेलवे में मध्यस्थता मामलों के प्रभावी संचालन से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं पर उपयोगी जानकारी प्राप्त की। यह आयोजन दक्षिण मध्य रेलवे की पारदर्शी एवं विधिसम्मत विवाद निपटान प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राउडी शीटरों के लिए परामर्श एवं कल्याण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कालापत्थर एवं कमाटीपुरा पुलिस थानों की सीमा में राउडी शीटरों तथा उनके परिवारजनों के लिए एक व्यापक परामर्श एवं कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम राजेंद्रनगर जोन, हैदराबाद के डीसीपी श्रीनिवास के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान डीसीपी ने संबंधित व्यक्तियों एवं उनके परिवारों से व्यक्तिगत रूप से संवाद करते हुए अनुशासित, विधिसम्मत एवं शांतिपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने उन्हें आपराधिक गतिविधियों से स्थायी रूप से दूर रहकर मुख्यधारा के समाज में पुनः सम्मिलित होने की सलाह दी। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में पुनर्वास सहयोग: डीसीपी ने परिवारों को आश्वस्त किया कि पुलिस विभाग उनके पुनर्वास की प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। 19 राउडी शीटरों के परिवारों को कल्याण सहायता के रूप में राशन किट वितरित की गईं।

अगली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए इच्छुक बच्चों को आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने में सहयोग करने का आश्वासन दिया गया। परिवारों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में एसीपी फलकनुमा डिवीजन एम.ए. जावेद, इंस्पेक्टर कालापत्थर खलील पाशा, डीआई कालापत्थर सत्यम, डीआई कमाटीपुरा सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिलकूर बालाजी मंदिर के प्रधान अर्चक सौंदरराजन का निधन, सीएम ने जताया शोक

हैदराबाद, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध पुण्यस्थल चिलकुर श्री बालाजी मंदिर के प्रधान अर्चक सौंदरराजन के निधन पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सौंदरराजन ने उस्मानिया यूनिवर्सिटी में प्राध्यापक और रजिस्ट्रार के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं देकर विशेष पहचान बनाई थी। उन्होंने आध्यात्मिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और चिलकुर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को विशिष्ट पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की कामना की। उन्होंने सौंदरराजन के निधन पर उनके परिजनों और शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदना और हार्दिक शोक व्यक्त किया।

कार्ला राजेश के शव का पुनः पोस्टमार्टम

हिरासत में मौत के मामले ने फिर पकड़ा तूल

नालगोंडा, 27 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग 100 दिनों के बाद और विभिन्न संगठनों की मांग पर शुक्रवार को कोडड में कार्ला राजेश के शव का पुनः पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मदिगा आरक्षण पोराटा समिति (एमआरपीएस) के अध्यक्ष मंदा कृष्णा मदिगा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। कार्ला राजेश की 15 नवंबर को हुजूरनगर उप जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। दलित नागरिक कार्ला राजेश की कथित हिरासत में मौत ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। राजेश पर मुख्यमंत्री राहत कोष के दुरुपयोग का आरोप था। हालांकि दलित संगठनों का कहना है कि जेल में पुलिस प्रताड़ना के कारण उनकी मौत हुई।

एमआरपीएस अध्यक्ष ने गंभीर लापरवाही और पुलिस अत्याचार का आरोप लगाते हुए किसी वर्तमान न्यायाधीश या सीबीआई से विस्तृत जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मामले से जुड़े सबूतों को छिपाने की कोशिश की गई। राजेश के परिवार ने एससी/एसटी आयोग से भी शिकायत की थी, जिसके निर्देश पर पुनः पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। इस बीच भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को कोडड में राजेश के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजेश की प्रताड़ना कर हत्या की गई और मामले में कथित रूप से शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रामाराव ने स्थानीय विधायक एवं सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी से इस मामले पर जवाब देने को कहा और आश्वासन दिया कि कार्ला राजेश की हिरासत में मौत का मुद्दा विधानसभा में उठाया जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, पुनः पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.